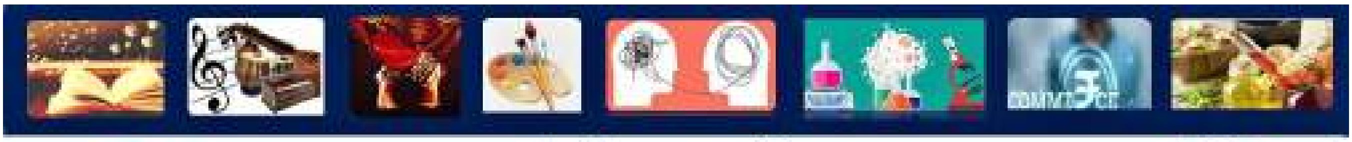

वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः

Govt. Girls' P.G. College, Ujjain (M.P.)

(Established in 1958)

A Centre for Excellence, "A" Graded by NAAC in Two Cycles

Affiliated to Vikram University, Ujjain

Internal Quality Assurance Cell

Under Graduate Programmes
Sample Projects
2021-22

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

B.A. 1st Year
Psychology NEP Projects

PROJECT WORK

TITLE

Exceptional children: Diagnose, Care, Training and Therapy

Field Survey in :-

Manovikas College Of Special Education Ujjain (M.P)

B.A.PART- Ist YEAR

YEAR :-2021-22

Guided By :- Dr. NIKHAT MA'AM

Submitted By :-
(i) LABHANSHI MARMAT
(ii) REHNUMA ANSARI
(iii) PARI DUBEY
(iv) TANU DALAL
(v) SHEETAL KUMAWAT
(vi) SURBHI TAMHANKAR
(vii) NEELAM VERMA

GOVT. GIRLS PG COLLEGE (GDC)

Dashahara Maidan Road, Near Dashera Maidan, Ujjain (M.P.) 456001

Vikram University 2021-22

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप–जी1

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / .... / अका / .... / 2022 उज्जैन, दिनांक : 04/03/2022

प्रति,

मनोविकास कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन
सेक्टर - 9, जवाहर नगर
नानाखेड़ा, उज्जैन (म.प्र.)

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्नः प्रारूप–जी2

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
UJJAIN

MANOVIKAS COLLEGE OF SPECIAL EDUCATION

C:\GDC 2009\GDC 2007\GDCUJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण ..... मनोविकास विशेष शिक्षा महाविद्यालय फादर टॉम जार्ज

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) ..... निजी

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) ..... फादर टॉम जार्ज (मनोविकास विशेष महाविद्यालय

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या ..... 17 (विशेष शिक्षक) 12 विशेष व्याख्याता

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है ..... 150 बी एड एस आई डी व डी एड एस आई डी व डी बी

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .....

7. अन्य विशेष जानकारी ..... मनोविकास विशेष महाविद्यालय, मनोविकास विशेष विद्यालय

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय ..... पी.जी कॉलेज उज्जैन ..... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक 5/3/22

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप–जी3

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / .... / अका / .... / 2022 उज्जैन, दिनांक : 04/03/2022

प्रति,

मनोविकास कॉलेज ऑफ स्पेशल एजुकेशन
सेक्टर 9, जवाहर नगर
नानाखेड़ा, उज्जैन (म.प्र.)

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। अतः इन्हें प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद।

संलग्नः

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप–जी4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन

PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
Ujjain (M.P.)

MANOVIKAS COLLEGE OF SPECIAL EDUCATION
Sector 9, Jawahar Nagar

4/3/22

C:\GDC 2009\GDC 2007\GDCUJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप - G1

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : Neelam Verma

महाविद्यालय का नाम : G. G. P G. Rajeev College Ujjain

कक्षा: B. A. Ist year.

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	A	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	Observation of typical children, OT PT Psychology lab.	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	संहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक :

स्थान :

Academic Director
Manovikas College of
Special Education, Ujjain (M.P.)

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम :

पदमुद्रा (सील)

Director
Manovikas College Of
Special Education Ujjain

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

B.A. 1st Year
Sociology NEP Projects

Group - 6

GOVT. GIRLS PG COLLEGE

UJJAIN (M.P)

समाज से त्यागे हुए बच्चों के सामाजिक विकास में NGO कि भूमिका

ESTD. 1956

SESSION 2021-22

BA-I YEAR

Submitted by : RAHINA KOUSAR
RAVINA JAT
RANJANA CHOUHAN
RANU PARMAR
REENA GARASIYA

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

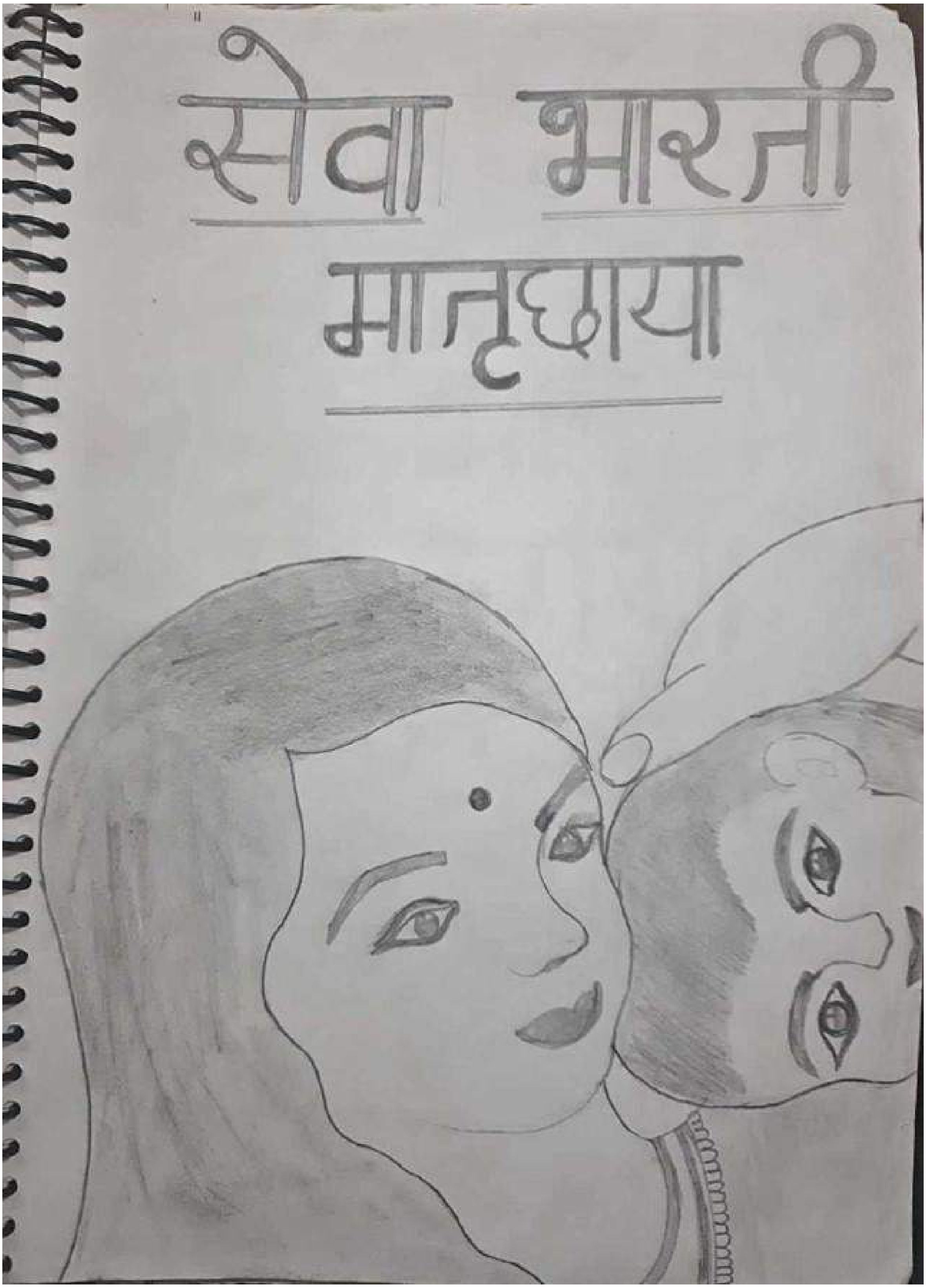

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Shrinath
Date
Page No. 1

विद्यार्थी का मौलिकता घोषणा पत्र

हम राहिना कौसर, रंजना चौहान, रानू परमार, रवीना जाट, रीना गरासिया

घोषणा करती है कि यह परियोजना हमारे द्वारा किये गये मूल कार्य पर आधारित है जिसमे प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति उपरांत किया गया है। हम यह भी घोषणा करते है कि प्रस्तुत परियोजना वर्तमान में प्रस्तुत नही किया गया है।

विद्यार्थी के नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर (दिनांक सहित)
राहिना कौसर	B.A. 1st year		Rahina
रंजना चौहान	B.A. 1st year		Ranjana
रानू परमार	B.A. 1st year		Ranu
रवीना जाट	B.A. 1st year		Ravina
रीना गरासिया	B.A. 1st year		Reena

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Shrinath
Date
Page No. 1

पर्यवेक्षक / निर्देशक का अनुमोदन पत्र

मैं ~~प्र~~ अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद् द्वारा प्रमाणित करती हूँ कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थियो द्वारा मेरे निर्देशन में किये गये परियोजना कार्य की वास्तविक रिपोर्ट है। यह शा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन में मेरे अनुमोदन के पश्चात् प्रस्तुत की गयी है।

हस्ताक्षर 1/5/2022

निर्देशक

दिनांक

स्थान

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

संस्था / व्यक्ति / मार्गदर्शक द्वारा कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि (नाम) रहिना, रीना, रानू, रंजना, रविना कक्षा प्रथम वर्ष (महाविद्यालय का नाम) शासकीय कन्या स्नातकोत्तर द्वारा परियोजना कार्य दिनांक ५ मार्च से दिनांक 20/03/22 तक इस संस्था से में उपस्थित रहकर मातृछाया सेवा भारती के क्षेत्र में कार्य किया।

(नाम) रहिना, रंजना, रविना, रीना, रानू अति परिश्रमी, समर्पित और परिणामोन्मुखी है। इन्होंने संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान अच्छा / उत्कृष्ट कार्य किया। हम इनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

सेवा भारती, मातृछाया
स्थान :- मक्सी रोड, उज्जैन
दिनांक
11/4/22

11/04/2022
संस्था की सील

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उज्जैन मध्य प्रदेश दशहरा मैदान

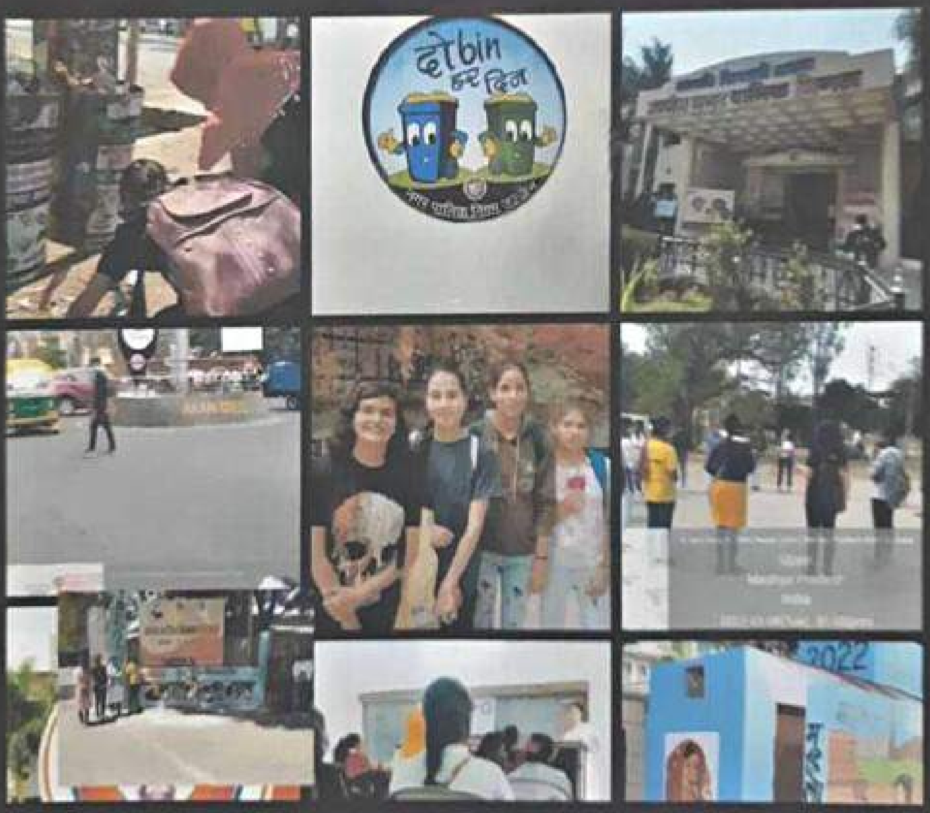

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

स्वच्छ सर्वेक्षण 2022 में पूंछे जाने वाले सवाल, जिनके सही जबाब देकर आप बनायेंगे

उज्जैन को नं.1 शहर

1 क्या आपके घर से प्रतिदिन कचरा संग्रहण किया जाता है
- हाँ, हमारे घर से हर दिन कचरा संग्रहित किया जाता है

2 क्या आपके द्वारा कचरा संग्राहक को गीला और सूखा कचरा अलग अलग करके देते है
- हाँ, हम हमेशा गीला व सूखा कचरा अलग अलग करके ही देते है.

3 क्या आपने कभी "हर धड़कन है स्वच्छ भारत की" स्वच्छता गीत सुना है.
- हाँ, सुना है, हर कचरा गाड़ी पर बजता है.

4 क्या आप जानते हो की आपके नजदीक का स्वच्छ शौचालय सर्च करने के लिए आप गूगल टॉयलेट लोकेटर का प्रयोग कर सकते है.
- हाँ, हम सर्च कर सकते है.

5 क्या आपने स्वच्छता सम्बन्धी शिकायतों के निराकरण हेतु स्वच्छता एप या कोई अन्य एप डाउनलोड किया है.
- हाँ, हम उज्जैन सेवा एप का इस्तेमाल करते है.

6 क्या आप अपना आस पड़ोस हमेशा साफ पाते है.
- हाँ, हमारा आस पड़ोस साफ है.

7 क्या आप होम कम्पोस्टिंग के बारे में जानते है.
- हाँ, बिलकुल, गीले कचरे से घर पर खाद बनाना ही होम कम्पोस्टिंग है.

8 क्या आप जानते है कि पुराने टूटे खिलोने, किताबे जूते आदि रिसाइकल और रीयूज किये जा सकते है
- हाँ, हम जानते है

9 क्या आप जानते है की आपका शहर "स्वच्छ सर्वेक्षण 2022" में भाग ले रहा है
- हाँ, इस बार उज्जैन बनेगा नं. 1

10 क्या आप जानते है कि खुले में मूत्र विसर्जन से बने हुए येलो स्पॉट को बदला गया है
- हाँ, हम जानते है

11 क्या कोविड 19 प्रभावित परिवारों से प्रथक से कचरा संग्रहण किया जा रहा है
- हाँ, उनसे कचरा लेने अलग गाड़ी आती है

स्वच्छ भारत

नगर पालिक निगम, उज्जैन द्वारा जनहित में जारी

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G1

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्रं /1846/अका./........../2022 भोपाल, दिनांक 2/3/2022

प्रति, अभुक्त महोदय
आपदा प्रबंधन, स्वच्छता
नगर निगम
स्वच्छता
उज्जैन

विषयः आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

Dr. Neeta Tiwari
2/3/2022 Soci/084

धन्यवाद

संलग्नक - प्रारूप- G2

Group – I
* आरती राठौड़
* अम्बिका परमार
* अंजु आंजना
* आरती आर्डिया
* अंजली डामोर
* अन्नपूर्णा नायरदिया

E. Parashar
2/3/22

प्राचार्य के हस्ताक्षर .... (अनिजवाल)
PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
UJJAIN
सील ....

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

---

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... नगर पालिक निगम उज्जैन

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... शासकीय

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... स्वच्छ भारत मिशन

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या 2314

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 06

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... असंगठीत (स्वच्छता सूचना (IEC Agency) शिक्षा, संचार)

7. अन्य विशेष जानकारी .... स्वच्छ भारत मिशन अन्तर्गत कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। उसमें जुड़ने का अवसर

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय ......GDC college...... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप - G3

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्रं/............/अका./............../2022 भोपाल, दिनांक ....

प्रति,

सहायक नोडल, स्वच्छ भारत मिशन
तथा उपायुक्त नगर पालिक निगम, उज्जैन

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण संबंधित ।

महोदय / महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है ।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। अतः इन्हे प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके ।

धन्यवाद

संलग्नक-

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप G4)

2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

प्राचार्य के हस्ताक्षर ....

सील ....

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : आरती आठिया, आरती राठौड़, अम्बिका परमार, अंकिता [illegible]

महाविद्यालय का नाम : शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन

कक्षा: B.A. 1st year.

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	B.	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B.	
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	B.	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	B.	
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A.	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A.	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	B	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

Om Sai [illegible] 22/04/2022

दिनांक : 22/04/2022

स्थान : Ujjain

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम : Gajendra Sendhav.

पदमुद्रा (सील).

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

B.Sc. 1st Year
Biotechnology NEP Projects

Waste Water Treatment (Gaughat PHE)

Project Report Submitted for the partial fulfilment of

B.Sc. 1st Year

Session 2021-22

Department of Biotechnology

Name of Student	Class B.Sc. 1st Year	Roll No.
1. Ronak Malviya		
2. Saloni Malviya		
3. Ritika Jat		
4. Namisha Choubey		
5. Sheetal Upadhayay		
6. Mahak Jaiswal (ABSENT)		

Gaughat PHE Ujjain

Supervisor : Miss Shweeta Geed Madam

GT = 87/100

GOVT. GIRLS' P.G. COLLEGE, UJJAIN (M.P.) – INDIA

VIKRAM UNIVERSITY, UJJAIN (M.P.)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Public Health Engineering Department
Ujjain Region, Ujjain (M.P.)

CERTIFICATE

Date : 23-03-2022

This is to certify that **Ms. Ronak Malviya** *a student of* **B.Sc. I Year 2022**, *Govt. Girl's P.G. College, Ujjain (M.P.) has successfully done her project training at Public Health Engineering Department* **Gou Ghat Filter Plant Ujjain (M.P.)**. *During the training she took keen interests in the assigned work, we wish her all success in her academic endeavours and life.*

Guided by
Shweeta Geed
Faculty Biotechnology
Department

Chemist
CHEMIST
WATER TRATMENT PLANT & LAB
GAUGHAT
Public Health Engineering Department
Gou Ghat Filter Plant Ujjain (M.P.)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप–जी1

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / 1809 / अका / 1 / 2022 उज्जैन, दिनांक :

प्रति,

मुख्य अभियंता
जल संसाधन विभाग
उज्जैन

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्नः प्रारूप–जी2

1. शीतल उपाध्याय
2. महक जयसवाल
3. रितिका जाट
4. सलोनी मालवीय
5. अमीशा चौबे
6. रोनक मालवीय

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

 C:\GDC 2009\GDC 2007\GDCUJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिशुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण ...... लोक स्वा. यांत्रिकी विभाग उज्जैन

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) ...... शासकीय

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) ...... जल संयंत्र एवं प्रयोगशाला गऊ घाट उज्जैन

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या ...... केमिस्ट 1 एवं लेबटेक्नीशियन 2

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 6

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना ...... हाँ

7. अन्य विशेष जानकारी ......

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय ...... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक [signature]

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति

CHEMIST WATER TREATMENT PLANT & LAB GAUGHAT P.H.E. N.P.N. UJJAIN

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : रोनक मालवीय

महाविद्यालय का नाम : शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र)

कक्षा: B.sc Ist year

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	B	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	(A)	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	B.	

 # श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक: 23/3/22

स्थान : उज्जैन

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर [signature]

नाम : [illegible]

पदमुद्रा (सील) [signature]

CHEMIST
WATER TRATMENT PLANT & LAB
GAUGHAT
P.H.E. N.P.N. UJJAIN

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Milk Analysis in Amul Panchamrut Dairy

Project report submitted for the partial fulfillment of B.Sc. I Year

Session: **2021-2022**

Department of Biotechnology

Group – I[st]

Name of students: **Class: B.Sc. I Year** **Roll No……….**

1. *Aparna Sarkar*
2. *Kashish Pandiya*
3. *Khusboo Panwar*
4. *Bhawna Prajapat*
5. *Aarti Barod*
6. *Jaya Dhanak*

Amul Panchamrut Dairy, Ujjain (MP) India

Supervisor: ***Ms. Sheeba Khan***

Govt. Girls P.G. College, Ujjain Madhya Pradesh (India)

Vikram University Ujjain Madhya Pradesh (India)

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Gram : Panchamrut
Fax : (02672) 260327

Phone : (02672) 261782 - 83 - 84
E-mail : amulpan@panchmahalunion.coop

The Panchmahal District Co-Operative Milk Producers' Union Ltd.
Lunawada Road, P. B. No. 37, Godhra - 389 001. Gujarat.

પંચામૃત

Amul
The Taste of India

कार्य पूर्णता प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **आरती बारोड़** बी.एससी. प्रथम वर्ष,शा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,उज्जैन द्वारा परियोजना कार्य दिनांक 07/03/2022 से 28/03/2022 दिनांक तक इस संस्था में उपस्थित रहकर The Panchmahal District Co-operative Milk Producer's Union Ltd. क्षेत्र में कार्य किया /प्रशिक्षण प्राप्त किया।

आरती बारोड़ अति परिश्रमी, समर्पित और परिणामोनमुखी है ।इन्होंने संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान अच्छा/ उत्कृष्ट कार्य किया ।हम इनकी स्वर्णिम भविष्य की कल्पना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित

स्थान : उज्जैन

दिनांक : 28/3/22

संस्था की सील

Jaami Firdous
Plant Incharge
P.D.C.M.P.U. Ltd., Ujjain

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप : 04

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : Kashish Pandya

महाविद्यालय का नाम : GovT. Girls' P.G. College, Ujjain (M.P.)

कक्षा: B. Sc. Biotechnology Ist year

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

क्र.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	A	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	A	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रुचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

\# श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक: 28/3/22

स्थान : Ujjain

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर
Neemi Firdous
Plant Incharge
P.D.C.M.U. Ltd., Ujjain
पदमुद्रा (सील)

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण ..... Panchamrut Dairy A unit of PDC MPU Ltd. .....

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) ..... Co-operative .....

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) ..... Milk Processing & Quality Control .....

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या ..... 40 .....

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है ..... 06 .....

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना ..... Yes: in laboratory .....

7. अन्य विशेष जानकारी .....

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय ..... 06 ..... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक
Jaani Firdous
Plant Incharge
संस्था प्रमुख/व्यक्तिगत प्रशिक्षक
P.D.C.M.U. Ltd., Ujjain

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

B.Sc. 1st Year
Zoology NEP Projects

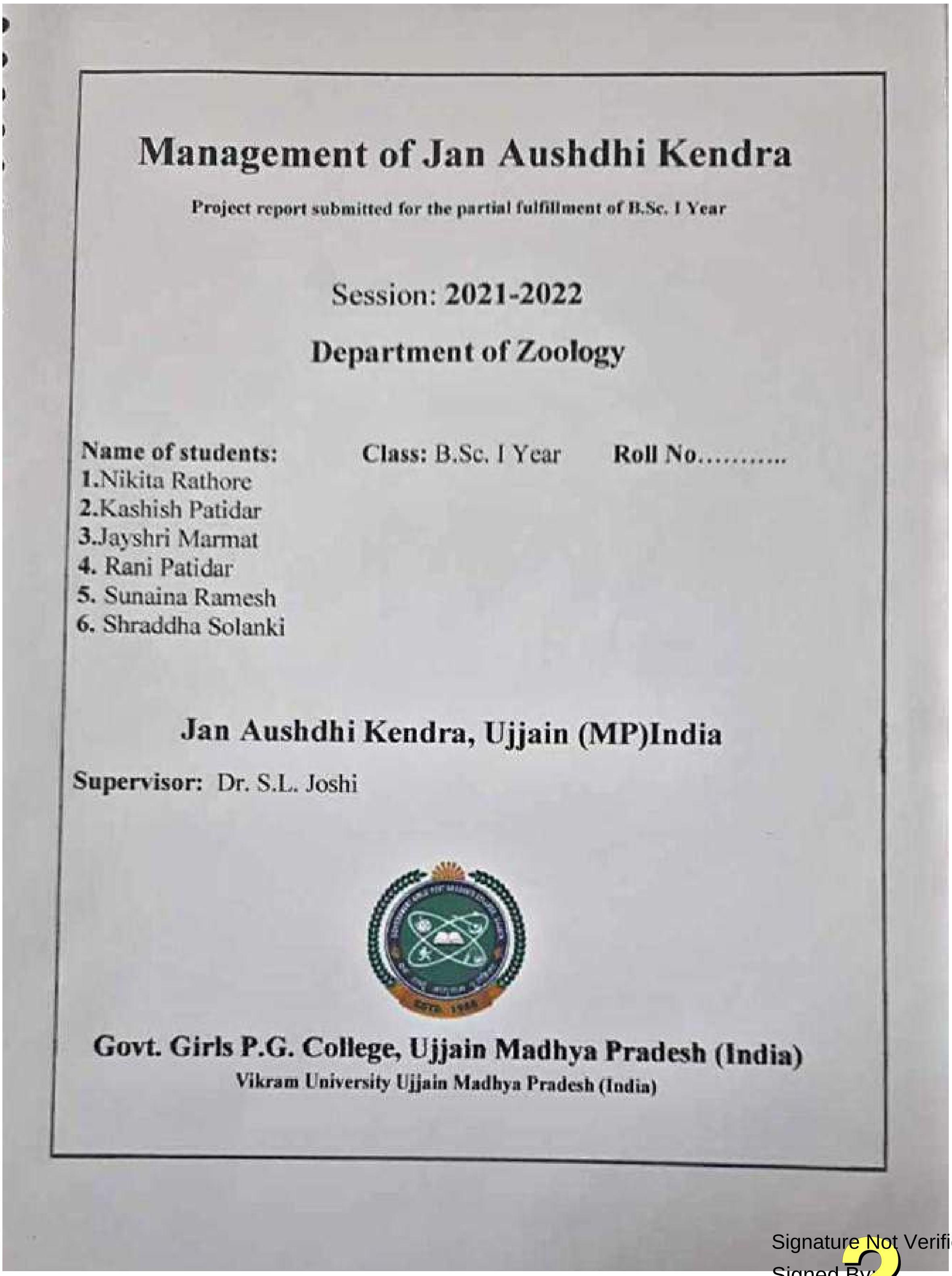

Management of Jan Aushdhi Kendra

Project report submitted for the partial fulfillment of B.Sc. I Year

Session: **2021-2022**

Department of Zoology

Name of students: **Class:** B.Sc. I Year **Roll No**...........

1. Nikita Rathore
2. Kashish Patidar
3. Jayshri Marmat
4. Rani Patidar
5. Sunaina Ramesh
6. Shraddha Solanki

Jan Aushdhi Kendra, Ujjain (MP)India

Supervisor: Dr. S.L. Joshi

Govt. Girls P.G. College, Ujjain Madhya Pradesh (India)

Vikram University Ujjain Madhya Pradesh (India)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Jan Aushdhi Kendra, Ujjain (MP)India

Project work Completion certificate

6.Certified that Nikita Rathore, Kashish Patidar,Jayshri Marmat, Rani Patidar,Shraddha Solanki and Sunaina Ramesh Student of Class B.Sc I Year , **Govt. Girls P.G. College Ujjain (M.P.) India** completed **project work** / apprenticeship/apprenticeship, Community engagement from 01 /03/2022 to 12 /03/2022 in this institution their Topic is **"Management Of Pradhanmantri Jan Aushadi Kendra in Field Project.** Nikita Rathore, Kashish Patidar,Jayshri Marmat, Rani Patidar,Shraddha Solanki and Sunaina Ramesh are hard working, dedicated and result oriented. They did excellent work during his tenure in the institution. we are wishing for their golden future.

With best wishes

Place: Ujjain

Date:

Institution Seal

प्रभारी
प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र
[illegible]

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप–जी1

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail: hegugaul@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / ..../अका./........./2022 उज्जैन, दिनांक :

प्रति,

संचालक महोदय
जन औषधि केन्द्र
अशोक नगर उज्जैन

विषय :– आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान/मार्गदर्शन/महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था/प्रशिक्षक/व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्न: प्रारूप–जी2

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

C:\GDC 2009\GDC 2009\GDCUJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रपत्र – 02

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण ...... प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र [illegible]

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) ...... शासन द्वारा अधिकृत

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) ...... दवाइयों [illegible] (रिटेल)

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या 04

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 10

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना ...... [illegible]

7. अन्य विशेष जानकारी ......

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय ...... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर [illegible]
प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र
संस्था [illegible]

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : जयश्री मडमट

महाविद्यालय का नाम : शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय।

कक्षा: B.Sc. Ist year

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	A	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	A	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक : 30/5/2022

स्थान : Ujjain

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर [illegible]

नाम :

पदमुद्रा (सील) प्रोप्रा.
प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र
अशोकनगर, फ्रीगंज उज्जैन (म.प्र.)

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Possibility of Employment in The Field of Pathology Lab.

Project report submitted for the partial fulfillment of B.Sc. I Year

Session: 2021-2022

Department of Zoology

Name of students:Class: B.Sc. I Year **Roll No………**

1.Durga

2.Ravina Garvada

3.Krishna Bhabhar

4.Reetika Baghel

5.Aaradhna Indoriya

S anskar Diagnostic Center, Ujjain (MP)India

Supervisor: Dr. S.L. Joshi

Govt. Girls P.G. College, Ujjain Madhya Pradesh (India)

Vikram University Ujjain Madhya Pradesh (India)

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) प्रारूप–जी1

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / .... / अका / .... / 2022

उज्जैन, दिनांक :

प्रति,

[illegible]

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्न: प्रारूप–जी2

Bali
12·3·2022

[illegible] सेंटर [illegible] उज्जैन

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उज्जैन

PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
UJJAIN

PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
UJJAIN

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... संस्कार डायग्नोस्टिक सेंटर ....

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... निजी ....

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... पैथोलॉजी ....

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या .... पाँच ....

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है .... पाँच ....

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... ब्लड की पैथोलॉजी सीख कर रोजगार प्राप्त करना।

7. अन्य विशेष जानकारी .... संस्कार डायग्नोस्टिक सेंटर

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय शा. कन्या स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

Shivani

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्कार डायग्नोस्टिक सेंटर
सेठी बिल्डींग, पाकीजा शोरूम के पास उज्जैन

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

प्रारूप–जी3

क्रमांक / .... / अका / .... / 2022

उज्जैन, दिनांक :

प्रति,

ओंकार डायग्नोस्टिक सेंटर
[illegible] २०१११
[illegible] (उज्जैन)

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। अतः इन्हें प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद।

संलग्नः
1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप–जी4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

[illegible] राठौर
[illegible] बघेल (रितिका)
[illegible] फांफर
[illegible] इंदौरिया
[illegible] जरवाल

12/3/22

12·3·22

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

Govt. Girls P.G. College
UJJAIN

C:\GDC 2009\GDC 2007\GDCUJJAIN\WW.doc

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : miss. Durga Rathore

महाविद्यालय का नाम : Govt. P.G college. Ujjain

कक्षा: Bsc. 1st year

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

क्र.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	(A)	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	(A)	
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	(B)	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	(A)	
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	(A)	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	(B)	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	(A)	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर Shivani

नाम : शिवानी

पद : ...परिहार डायग्नोस्टिक सेंटर सेठी निलॉय, पाकीजा शोरूम के पास उज्जैन

दिनांक :

स्थान : परिहार डायग्नोस्टिक सेंटर सेठी निलॉय पाकीजा शो रूम के पास उज्जैन

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

B.Sc. 1st Year
Botany NEP Projects

To Study the Possibility of Employment Opportunities in Various Branches of Ethno botany

Project report submitted for the partial fulfillment of B.Sc. I Year

Session: **2021-2022**

Department of Botany

Name of students: **Class:** B.Sc. I Year **Roll No**...........

1.Sheetal Jhala
2.Shikha Jhala
3. Dipika Jhala
4.Ritika Hada
5.Simran Malviya
6. Hema Yadav

Van Ropani Kshipra Vihar Ujjain (MP)India

Supervisor: **Dr. M. K. Sisodiya**

Govt. Girls P.G. College, Ujjain Madhya Pradesh (India)

Vikram University Ujjain Madhya Pradesh (India)

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Declaration

I/We hereby declare that this project/ apprenticeship/ apprenticeship and Community engagement report on the original work done by our Group based in which the use of published and un published material is duly accepted (Duly acknowledged) has been done above. I /we also declare that the project not presented to any department for other degree/course in practice.

Name of students	Class	Roll No.	Signature with date
1.Sheetal Jhala	B.Sc. I Year		Sheetal
2.Shikha Jhala	B.Sc. I Year		Shikha
3.Dipika Jhala	B.Sc. I Year		Dipika
4.Ritika Hada	B.Sc. I Year		R. hada
5.Simran Malviya	B.Sc. I Year		
6. Hema Yadav	B.Sc. I Year		[illegible]
	B.Sc. I Year		
	B.Sc. I Year		

Non –application letter of Supervisor/Director

Supervisor/Director

I **Dr.MK Sisodiya** The undersigned hereby certify that the above-mentioned reports were made by the students under my supervision and realistic reports of apprenticeship/ Community engagement work, This report is submitted **(Govt. Girls PG College Ujjain (M.P.) India)** after my approval.-

Date: 26/04/2022

Signature 26/04/2022

Supervisor

Place: Ujjain

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप–जी1

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / 1809 / अका / .... / 2022 उज्जैन, दिनांक : 25-2-22

प्रति,

श्रीमान प्रभारी,
शीप्रा वन शोपणी वन विभाग इकाई,
केंद्रीय विद्यालय के समीप देवास रोड, उज्जैन, म.प्र.

E

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध मे जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्नः प्रारूप–जी2

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

प्राचार्य
शा.क.स्ना.महाविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

28/02/2022
विभागाध्यक्ष
वनस्पतिशास्त्र विभाग
शा. कन्या स्नातको. महा. उज्जैन

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... [illegible] शासकीय नर्सरी इन्दौर उज्जैन [illegible]

2. संस्था का स्वरुप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... Ethno botanical study of plants

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... [illegible] [शासकीय नर्सरी इन्दौर उज्जैन]

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या 03

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 15

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... [illegible]

7. अन्य विशेष जानकारी ....

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय [illegible] के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं सील 28.2.22

संस्था प्रमुख/अधिकृत अधिकारी [illegible]

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप–जी3

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / 1809 / अका / .... / 2022 उज्जैन, दिनांक :

प्रति,

श्रीमान प्रभारी

शीप्रा वन रोपणी वन विभाग इकाई,

केंद्रीय विद्यालय के समीप, देवास रोड उज्जैन, म.प्र.

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। अतः इन्हें प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद।

संलग्नः
1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारुप–जी4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

28/2/2022

विभागाध्यक्ष
वनस्पतिशास्त्र विभाग
शा. कन्या स्नातको. महा. उज्जैन

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

प्राचार्य
शा.क.स्ना.महाविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

C:\GDC 2009\GDC 2007\GDCUJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम :

महाविद्यालय का नाम :

कक्षा:

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति		
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान		
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान		
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता		
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार		
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता		
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी		

 # श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

दिनांक :

नाम :

स्थान :

पदमुद्रा (सील)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN

DEPARTMENT OF BOTANY

Project Report on

WATER ANALYSIS

Session 2021-2022
B.Sc. Ist Year

Submitted to
Dr. K.K. Kumbhkar

Submitted by
Ms. Chandar Vaniya
Ms. Soni Prajapat
Ms. Mona Pathak
Ms. Ishika Dholpuriya
Ms. Shital Rajoriya
M.S. Mamta Lalawat

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप–जी1

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / 1809 / अका / 21 / 2022

उज्जैन, दिनांक : 25/02/2022

प्रति,

मुख्य अभियंता

जल संसाधन विभाग

उज्जैन

विषय :– आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान/मार्गदर्शन/महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था/प्रशिक्षक/व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्नः प्रारूप–जी2

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

प्राचार्य
शा.क.स्ना.महाविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

25/02/2022
विभागाध्यक्ष
वनस्पतिशास्त्र विभाग
शा. कन्या स्नातको. महा. उज्जैन

9406801058

C:\GDC 2009\GDC 2007\GDCUJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... लोक स्वा॰ यांत्रिक विभाग उज्जैन

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... शासकीय

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... जल मंत्रालय एवं प्रयोगशाला गऊ घाट उज्जैन

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या 20

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है .... –

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... है।

7. अन्य विशेष जानकारी ....

संस्था/व्याक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय शा॰ क॰ स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन (म॰ प्र॰) के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

Assistant Engineer
P.H.E. Maint.Sub Div.No. 2
N.P.N. Ujjain (M.P.)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप–जी3

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / 1809 / अका / 01 / 2022 — उज्जैन, दिनांक : 25/02/2022

प्रति,

मुख्य अभियंता
जल संसाधन विभाग
उज्जैन

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। अतः इन्हें प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद।

संलग्नः
1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप–जी4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

25/02/2022
विभागाध्यक्ष
वनस्पतिशास्त्र विभाग
शा. कन्या स्नातको. महा. उज्जैन

प्राचार्य
शा.क.स्ना.महाविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

C:\GDC 2009\GDC 2007\GDC\UJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - G4

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : चँदर वाणियाँ

महाविद्यालय का नाम : शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

कक्षा: BSC Ist year (Bio Plain)

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	-
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	-
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	B	-
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	B	-
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	-
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	-
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	-

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर (डॉ. हरीश मोरी)

नाम :

पदमुद्रा (सील) CHEMIST WATER TREATMENT PLANT & LAB GAUGHAT P.H.E. N.P.N. UJJAIN

दिनांक : 19-3-2022

स्थान : उज्जैन

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

(विद्यार्थी/ समूह का मौलिकता प्रमाणपत्र)

घोषणा पत्र

मैं/हम एतद् द्वारा घोषणा करता/करती/करते हैं / हूँ कि यह परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव रिपोर्ट मेरे / हमारे द्वारा किये गये मूल (Original) कार्य पर आधारित है, जिसमें प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति (Duly acknowledged) उपरांत किया गया है । मैं / हम यह भी घोषणा करते हैं कि प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट किसी अन्य डिग्री / पाठ्यक्रम हेतु पूर्व / वर्तमान में प्रस्तुत नहीं किया गया है ।

विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर (दिनांक सहित)
चन्द्र कालिया	B.Sc I Bio	–	
HHE			

(पर्यविक्षक / निर्देशक का अनुमोदन पत्र)

पर्यवेक्षक / निर्देशक

मैं डॉ.के.के. कुशवाहा अधोहस्ताक्षरकर्ता एतद् द्वारा प्रमाणित करता / करती हूँ कि उपरोक्त वर्णित रिपोर्ट विद्यार्थियों द्वारा मेरे निर्देशन में, किये गये परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव कार्य की वास्तविक रिपोर्ट है । यह (महाविद्यालय का नाम ....) में मेरे अनुमोदन के पश्चात् प्रस्तुत की गयी है ।

हस्ताक्षर

निर्देशक

दिनांक ....

स्थान ..झाबुआ

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

B.A. 1st Year
English NEP Projects

CAREER OPPORTUNITIES IN EVENT MANAGEMENT

A PROJECT REPORT SUBMITTED IN PARTIAL FULFILLMENT OF THE DEGREE OF GRADUATION IN ARTS

SESSSION:-2021-2022

BA I YEAR

NAME OF STUDENTS:-

*Yukta Rawal

*Sheetal Meena

*Sheetal Thakur

NAME OF INSTITUTIONS:-

*Hotel Mittal Avenue

*Hotel Surana Palace

*Time Headquarters Restaurant

NAME OF SUPERVISOR

Dr.Ashok Kumar Malviya

Evaluated
17.8.22

GOVERNMENT GIRLS PG COLLEGE UJJAIN

AFFILIATED TO VIKRAM UNIVERSITY

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

"Career Opportunities in Event Management"

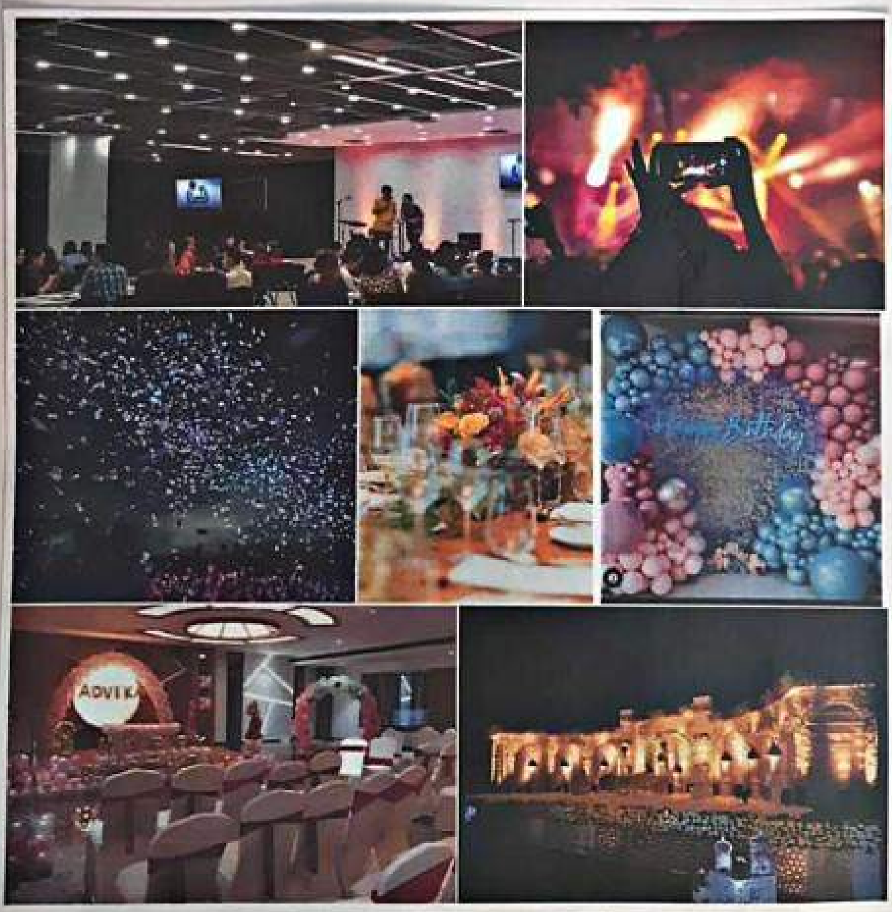

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

COMPLETION CERTIFICATE

Certified that Yukta Rawal and

Sheetal Thakur Class **B.A I year** Government Girls PG College, Ujjain have attended the institute from 26-04-22 to 10-05-22 and conducted the project work in the field Hotel Surana Palace

Yukta Rawal and Sheetal Thakur are very diligent, committed and result-oriented. They worked excellent in the institution during their tenure. We wish them a bright future

With Best Compliments

Place:- UDC Road, Dashera maidan, ujjain

Date:- 10-05-22

WHITE HOUSE RESTAURANT

Seal of Institution

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - G1

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्रं / 14 /अका / 03 / 2022 भोपाल, दिनांक ....

प्रति,

Manager

THQ (Time head quarters) Cafe, Ujjain

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित ।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्नक - प्रारूप- G2

14.3.22

प्राचार्य के हस्ताक्षर ....

PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
UJJAIN

सील ....

14-03-2022
(Dr Ashok Kumar Malviya)

THQ
TIME HEADQUARTERS

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

APPROVAL LETTER BY THE SUPERVISOR

I Dr. Ashok Kumar Malviya THE UNDERSIGNED, HERBY CERTIFY THAT THE ABOVE CITED REPORT IS THE ORIGINAL REPORT OF THE PROJECT WORK PREPARED UNDER MY SUPERVISION BY THE STUDENTS. THIS IS SUBMITTED TO AFTER MY APPROVAL.

SIGNATURE
18-10-22
Dr. Ashok Kumar Malviya
SUPERVISOR

DATE: 18-oct 2022

PLACE: - Ujjain

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

B.A. 1st Year
History NEP Projects

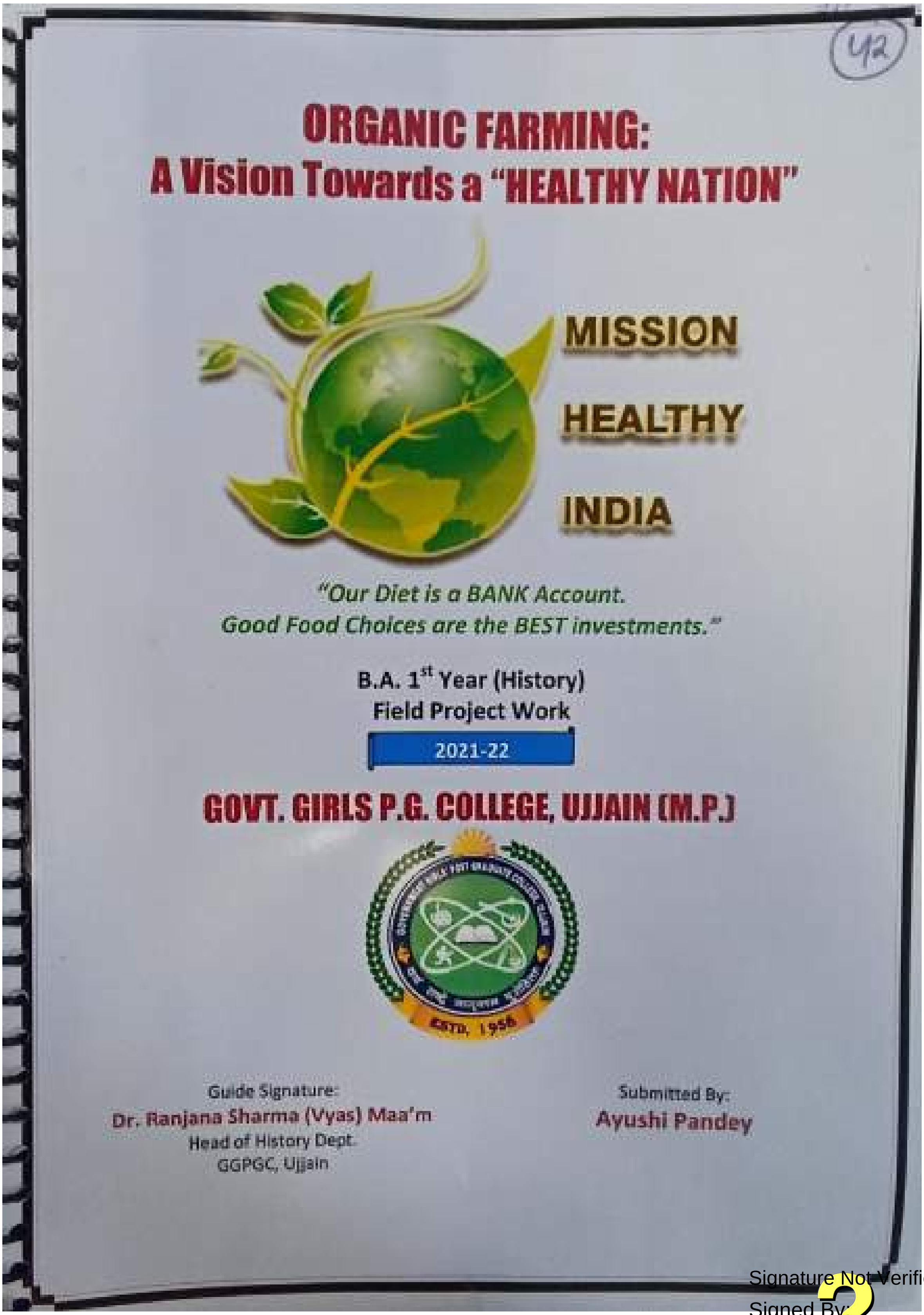

42

ORGANIC FARMING:
A Vision Towards a "HEALTHY NATION"

MISSION
HEALTHY
INDIA

"Our Diet is a BANK Account.
Good Food Choices are the BEST investments."

B.A. 1st Year (History)
Field Project Work
2021-22

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN (M.P.)

ESTD. 1958

Guide Signature:
Dr. Ranjana Sharma (Vyas) Maa'm
Head of History Dept.
GGPGC, Ujjain

Submitted By:
Ayushi Pandey

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

45 (24)

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE,UJJAIN (M.P.)1801

SESSION: 2021-2022

परियोजना कार्य का शीर्षक

त्रिवेणी संग्राहलय

संस्था का नाम - त्रिवेणी संग्राहलय जयसिंहपुरा जिला उज्जैन

स्नातक- बी .ए. प्रथम वर्ष

11/07/22

GUIDED BY

डॉ. रंजना शर्मा जी

11/7/22

SUBMITTED BY

संतोषी, शानू, आरती,

सरस्वती, नर्गिस, नूरजंहा

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

(15)

GOV. GIRLS P.G. COLLEGE UJJAIN M.P.

ESTD 1958

Session – 2021-22

B.A. First Year

Field Project

Topic – Archaeological Museum (Inscriptions)

Guided by

Dr. Ranjana Sharma (HOD)

Dr. Preeti Kannojiya.

Dr. Archana Bijoriya.

Submitted by

Isha Solanki

Roll no.

Enroll no.

V21R016010152

Mobile no. 9109782927

6/05/2022

G-3/3

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

GOVERNMENT GIRLS PG COLLEGE

UJJAIN (M.P.)

Session – 2021 -22

B.A 1st Year

Field Project

Topic – Archaeological Museum

(Vishnu)

Submitted By-

Suhani Mandloi

Roll no.

Enroll no. V21R01601001

Mob no. 7987358249

Guided By –

Dr. Ranjana Sharma (HOD)

Dr. Preeti Kannojiya

Dr. Archana Bijoriya

Suhani Date - 06/05/2022

G - 3/4

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

13

Govt. Girls P.G. College

Ujjain (M.P.)

Session: 2021-22

History Department

B.A. I Year

Field Project

Topic:- Archaeological Museum (Shiv)

Guided by:-

Dr. Ranjana Sharma (HOD)

Dr. Preeti Kannojiya

Dr. Archana Bijoriya

Date - 6/05/2022
G-3/1

Submitted By

Deepika Jat

Roll No.

Enroll No.

Mob.7724905322

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

B.A. 1st Year

Economics NEP Projects

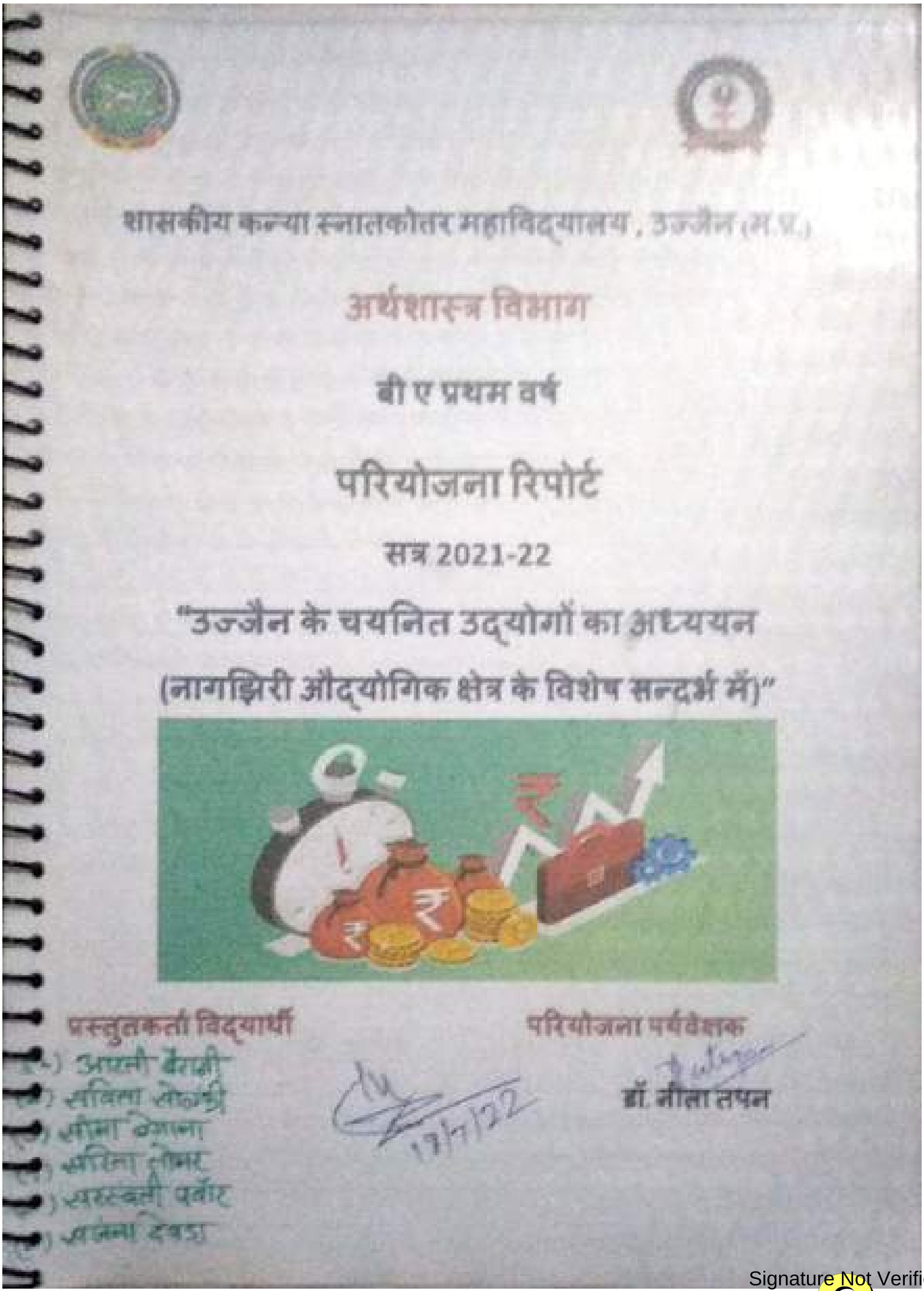

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

अर्थशास्त्र विभाग

बी ए प्रथम वर्ष

परियोजना रिपोर्ट

सत्र 2021-22

"उज्जैन के चयनित उद्योगों का अध्ययन

(नागझिरी औद्योगिक क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में)"

प्रस्तुतकर्ता विद्यार्थी

1) आरती बैरागी
2) सविता सोलंकी
3) सीमा बेगाना
4) सरिता तोमर
5) सरस्वती पंवार
6) रंजना देवड़ा

17/7/22

परियोजना पर्यवेक्षक

डॉ. नीता तपन

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप–जी

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

E-mail: hegpgcujj@mp.gov.in, principalgkujjain@yahoo.co.in - Phone No.:- 0734-2530866

क्रमांक / ——— / शैक्षा / ——— /2022

उज्जैन, दिनांक :

प्रति,

[illegible]

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्न: प्रारूप–जी2

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

फीडबैक फार्म * (Feedback Form)

[illegible]

[illegible]

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : 6 Students, Economics Group B

महाविद्यालय का नाम : Govt. Girls PG College, Ujjain

कक्षा : B A I year

नियोजन एवं अनुक्रमांक : –

क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	Yes
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	A	Mutton Manufacturing Process, Pickle Manufacturing Process
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यावहारिक ज्ञान	A	Pickle nature, Interested in knowing more about how to run a business
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रुचि, गंभीरता	B	Their interest to know the business and operations is highly appreciated
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	Positive Attitude and positive approach
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

श्रेणी : A-> उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक : 10/3/22

स्थान : Ujjain Industrial Area Maqshi Road.

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम :

पदमुद्रा (सील)

BHAVESH [illegible]

Scanned with CamScann

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप-डी1

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (स्वशासी) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail: [illegible] Phone No.: [illegible]

क्रमांक/ ...... इंटर्नशिप/ ...... /2022

उज्जैन, दिनांक 18/3/22

प्रति,

[illegible]

उज्जैन।

विषय :– आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया,

[illegible], शासन, उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा, महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान/मार्गदर्शन/महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था/प्रशिक्षक/व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्न: प्रारूप-डी2

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की [illegible] एवं सहमति पत्र

1. फ़ार्म / प्रतिष्ठान / संस्थान का नाम एवं पंजीयन .... [illegible]

2. संस्था का स्वरूप (निजी / सार्वजनिक / शासकीय / अन्य) .... [illegible]

3. संस्थान के कार्यक्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... [illegible]

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या .... मैनेजर, अकाउंटेंट, लेबर 10

5. अपेक्षित प्रशिक्षणार्थी विद्यार्थी संख्या जितनों संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 16

6. संस्थान में प्रशिक्षण उपरांत संबंधित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... हाँ

7. अन्य विशेष जानकारी ....

संस्था प्रतिनिधि [illegible] द्वारा महाविद्यालय .... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

Scanned with CamScanner

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

[illegible]

[illegible] (Feedback Form)

[illegible]

[illegible]

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : –

महाविद्यालय का नाम :

कक्षा :

संकाय एवं अनुक्रमांक :

क्र.स.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	सामान्य	[illegible]
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	सामान्य	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यावहारिक ज्ञान	उत्तम	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रुचि, गंभीरता	अच्छा है	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	बहुत अच्छा	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता		
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी		

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम :

पदमुद्रा (सील)

दिनांक :

स्थान :

Scanned with CamScanner

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप-तीन

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail: [illegible] - Phone No.: 0734-[illegible]

क्रमांक/_______/अवार/_______/ [illegible]　　　　　　उज्जैन, दिनांक

प्रति

श्रीमति [illegible]
225 [illegible]
देवास रोड उज्जैन

विषय :- आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण संबंधित।

महोदय/महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिए विषयान्तर्गत प्रशिक्षण/मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान/मार्गदर्शन/महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। अतः इन्हें प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी के प्रशिक्षण संबंधी ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके।

धन्यवाद।

संलग्न:
1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप-चौथ)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

Scanned with CamScanner

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] एवं अनुशंसाएं :

क्र.सं.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	[illegible]	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	A	
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यावहारिक ज्ञान	A	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रुचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक : 10/05/2022

स्थान : [illegible]

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम :

पदमुद्रा (सील)

VIJAY LAXMI INDUSTRIES

Scanned with CamScann

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

अर्थशास्त्र विभाग

बी ए प्रथम वर्ष

परियोजना रिपोर्ट

सत्र 2021-22

उज्जैन के चयनित उद्योगों का अध्ययन

(हीरामिल औद्योगिक क्षेत्र के विशेष सन्दर्भ में)

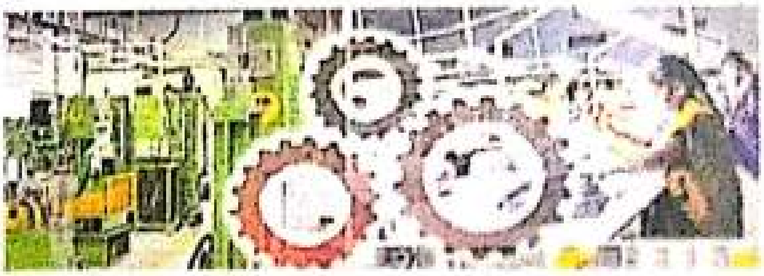

प्रस्तुतकर्ता विद्यार्थी

1. शिवानी पुरोहित
2. [illegible]
3. [illegible]
4. [illegible]
5. [illegible]

18/7/22

परियोजना पर्यवेक्षक

डॉ. नीता तपन

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)
E-mail :- ....gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in - Phone No. - 0734-2530866

प्रारूप–जी1

क्रमांक / .... / अका / .... / 2022

उज्जैन, दिनांक :

प्रति,

जॉब एन जॉब
जॉब एन जॉब
....
Industrial Area
UJJAIN

विषय :– आपके संस्थान / मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय / महोदया,

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालय विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये हैं।

तत्संबंध में आपके संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण हैं जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते हैं। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करते हुए सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद।

संलग्न: प्रारूप–जी2

(डॉ. एच.एल. अनिजवाल)
प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
उज्जैन (म.प्र.)

JOB-N-JOB
8708/1 Udyog Puri
Agar Road UJJAIN

C:\GDC 2009\GDC 2007\GDCUJJAIN NEW.doc

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – 02

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... जॉब एन जॉब

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... निजी

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... 1708/1 उद्योगपुरी आगर रोड उज्जैन

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या 15

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है 5

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... योग्यता अनुसार

7. अन्य विशेष जानकारी .... कोई नहीं

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय .... हाँ .... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

JOB-N-JOB
1708/1 Udyog Puri
Agar Road Ujjain

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रपत्र - 04

<u>प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)</u>

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : तुलसी, शिवानी, वन्दना, ज्योति, मुस्कान

महाविद्यालय का नाम : शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन

कक्षा: B.A प्रथम वर्ष

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

क्र.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	100%	
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	सामान्य	
3.	कार्यविधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	उत्तम	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	श्रेष्ठ	
5.	कार्यविधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	बेहतर	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	उत्तम	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	प्रथम	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम :

पदमुद्रा (सील) JOB-N-JOB

दिनांक : 09/03/2022

स्थान : आगर रोड उज्जैन सोढी उद्योगपुरी

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

GOVT. GIRL'S P.G. COLLEGE

Session : 2021-22

FIELD PROJECT

STUDY OF BHERUGARH BATIK INDUSTRY

B.H.Sc. 1ST Year

Guided By:-

Dr. Priyanka Verma Mam

Submitted By:

Ruqaiya Zakir

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Date: / / Page :

Originality Declaration

I, Ruqaiya Zakir of class B.H.Sc 1st year has prepared this project report entitled "study of Bherugarh Batik print" under the guidance of Mrs. Priyanka Verma Mam. This is my personal and authentic work.

Date: 10/7/22
Place: Ujjain

Signature of student: Ruqaiya
Class: B.H.Sc 1st year
Name: Ruqaiya Zakir
Roll no.:
Address: 202, Abdullah apt. Gonsa darwaza, Ujjain (M.P.
Contact no.: 8962145352

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Approval letter of the guide

I, Priyanka Verma, designation Assisstant professor of department of Home science certify that the project has been prepared by Ruqaiya Zakir of class B.H.Sc. 1st year in my supervision and bears the result of her original work.

Date: 10/7/22
Place: Ujjain

P Verma

Signature of guide:
Name of guide: Mrs. Priyank Verma
Designation: Assisstant professor
College: Govt. girls P.G. college

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

B.Com. 1st Year
NEP Projects

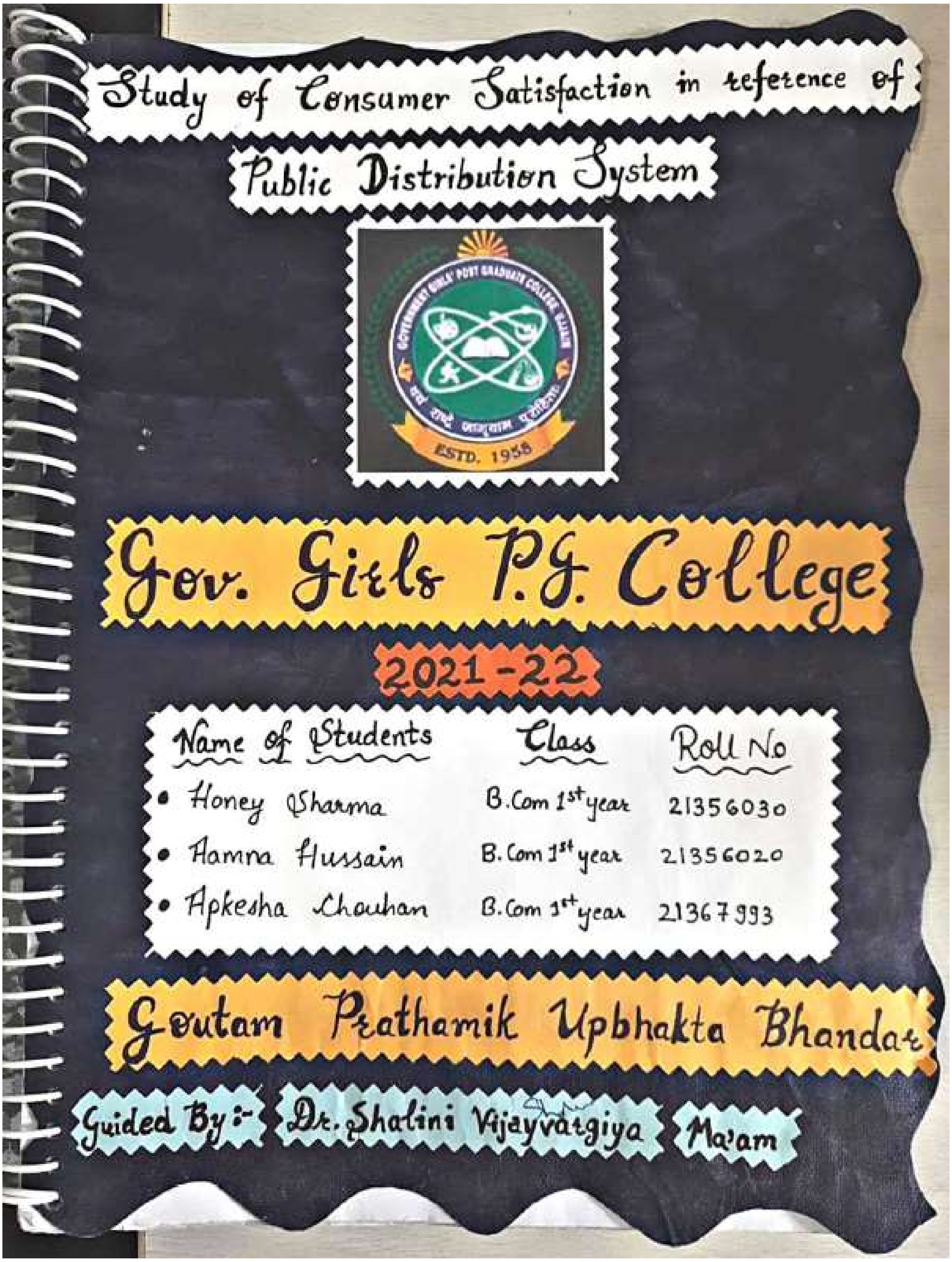

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

प्रारूप – G1

महाविद्यालय के लेटर हेड पर

क्रं /........./अका./.........../2022 भोपाल, दिनांक 16/03/2022

प्रति,
संचालक
गौतम प्राथमिक सहकारी
उपभोक्ता भंडार
उज्जैन

विषयः आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित ।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है । कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्नक - प्रारूप- G2

Shalini
16/03/2022

प्राचार्य के हस्ताक्षर ....
PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
सील .... UJJAIN

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... [illegible] ....

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... शासकीय ....

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... [illegible] ....

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या .... 2 ....

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है .... 5 ....

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... [illegible] ....

7. अन्य विशेष जानकारी .... nil ....

संस्था/व्याक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय .... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

गौतम [illegible] एवं [illegible]

[illegible] उज्जैन (म. प्र.)

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - G3

महाविद्यालय के लेटर हेड पर

क्रं/............/अका./............../2022 भोपाल, दिनांक 26./04./2022

प्रति,
संचालक
प्रीतम प्राथमिक सहकारी
उपभोक्ता भंडार
उज्जैन

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण संबंधित ।

महोदय / महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है ।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। अतः इन्हे प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके ।

धन्यवाद

संलग्न-

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप G4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

प्राचार्य के हस्ताक्षर [illegible]

सील PRINCIPAL Govt. Girls P.G. College UJJAIN

[illegible] 26/04/2022

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रपत्र - 04

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बन्धित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : उपेक्षा चौहान + छवि शर्मा + आमना ख़ान

महाविद्यालय का नाम : शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

कक्षा: B. Com. I year (C.A.)

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A	[illegible]
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	B	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रुचि, गंभीरता	A	
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	A	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

अधिकृत व्यक्ति के

[illegible] उप.सह. भण्डार प्रा.

[illegible] उज्जैन (म. प्र.)

पदमुद्रा (सील)

दिनांक : 22/06/2022

स्थान : उज्जैन

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

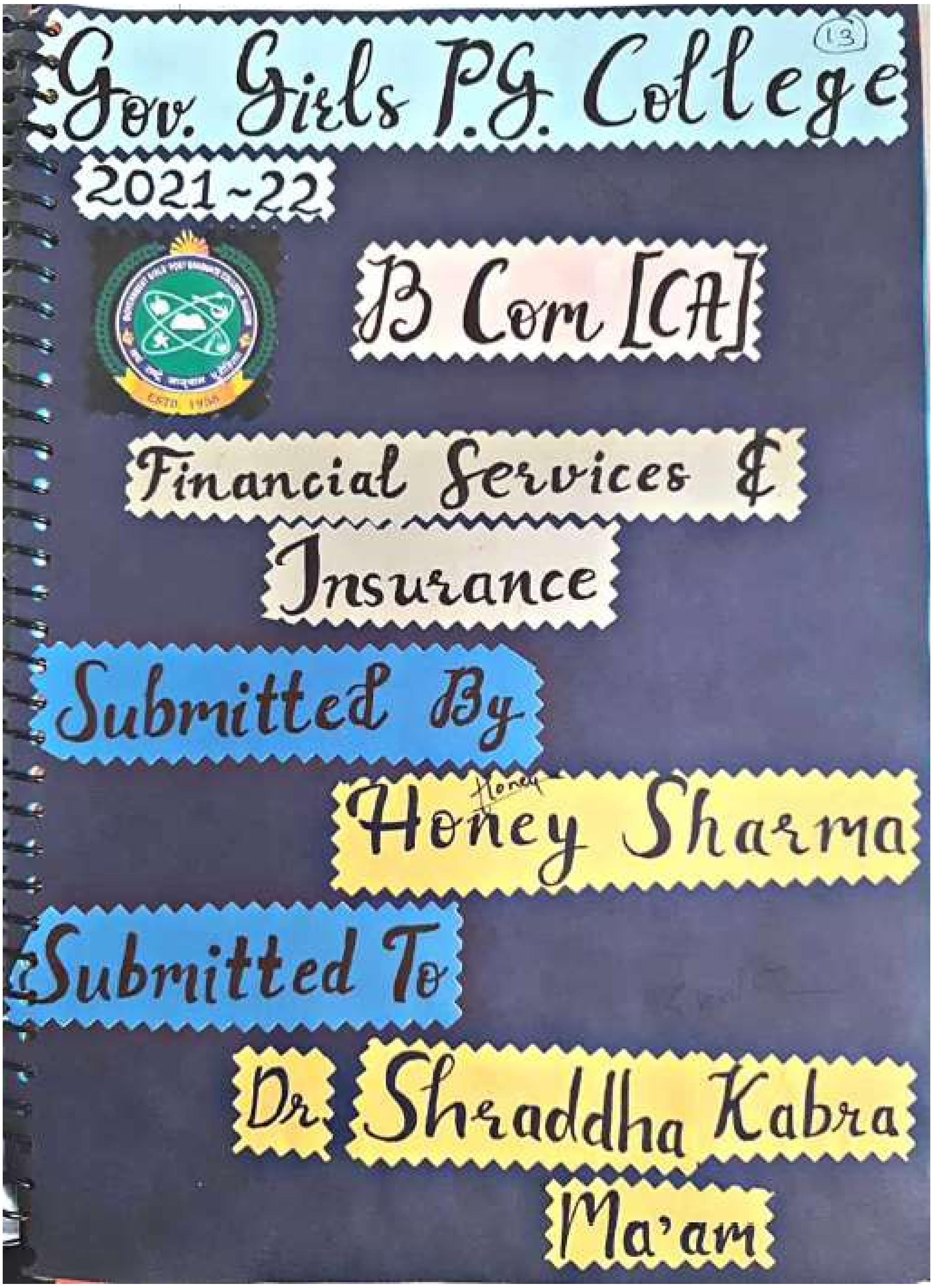

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

ACKNOWLEDGEMENT

I would like to express my thanks to my teacher Dr. Shraddha Kabra Ma'am for giving me a great opportunity to excel in my learning through this project.

I have achieved a good amount of knowledge through the research and the help that I got from my project teacher.

Apart from this, I would like to express thanks to my parents who have supported me and helped me out in this project.

11.7.22

Honey Sharma
B. Com [CA]

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

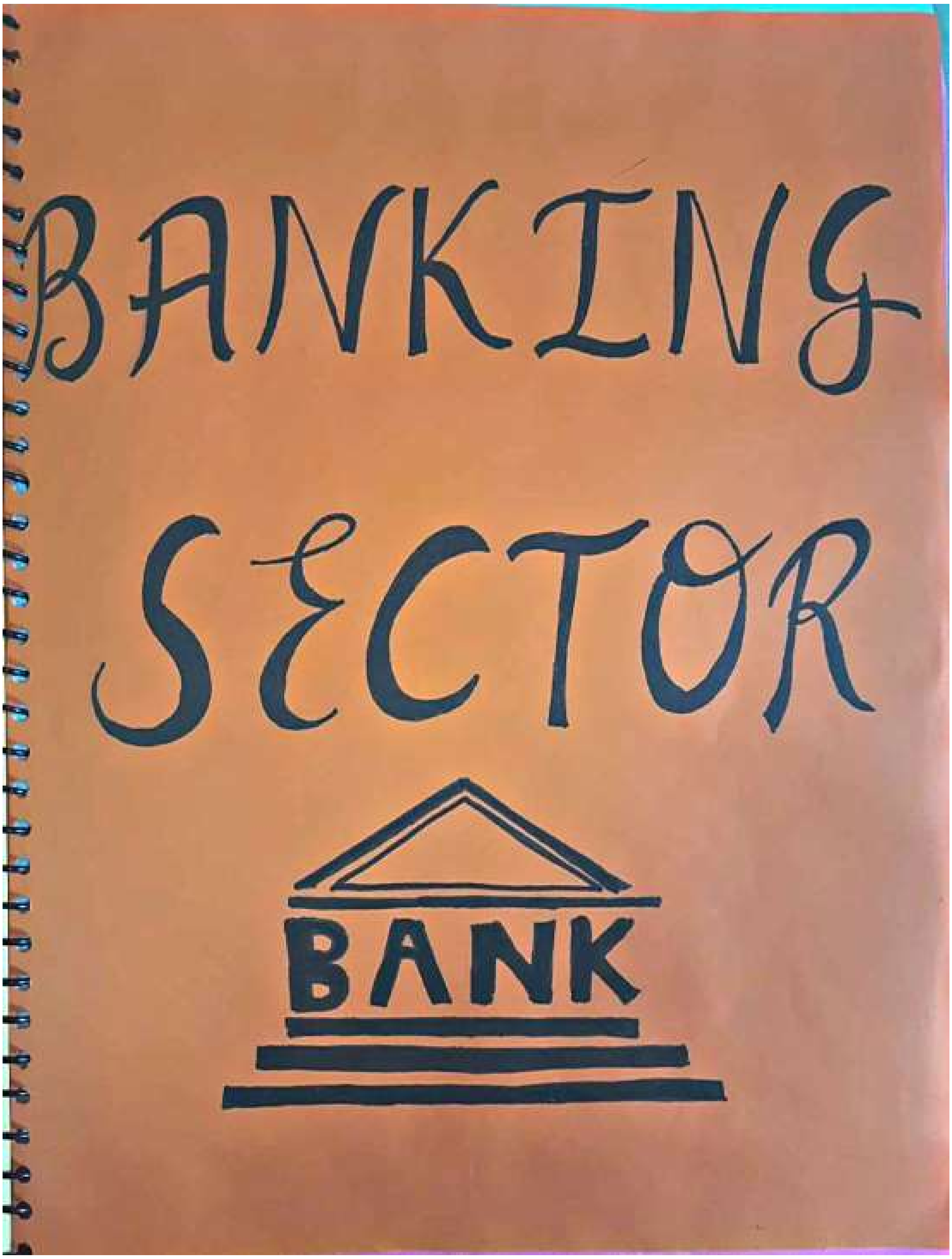

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

सैंपल परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव रिपोर्ट /

- **हॉस्पिटैलिटी ऐंड टूरिज्म मैनेजमेंट**

स्नातक - वाणिज्य
की डिग्री के लिए आंशिक प्रतिपूर्ति
सत्र: 2021-2022

B.COM (Plain) 1st year

विद्यार्थीयो के नाम

1. आशी यादव
2. अदिति राणा
3. भूमि उपाध्याय
4. हर्षिता सांखला
5. कविता ठाकुर

संस्था का नाम

होटल नक्षत्र Inn

पर्यवेक्षक का नाम

श्रीमती अर्चना सिंह चौहान मेम

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन
विक्रम यूनिवर्सिटी

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

घोषणा पत्र

मैं/ हम एतद् द्वारा घोषणा करता/करती/ करते हैं/ हूँ कि यह परियोजना / शिक्षुता / प्रशिक्षुता / सामुदायिक जुडाव रिपोर्ट मेरे / हमारे द्वारा किये गये मूल (Original) कार्य पर आधारित है, जिसमें प्रकाशित एवं अप्रकाशित सामग्री का प्रयोग विधिवत स्वीकृति (Duly acknowledged) उपरांत किया गया है। मैं / हम यह भी घोषणा करते हैं कि प्रस्तुत परियोजना रिपोर्ट किसी अन्य डिग्री / पाठ्यक्रम हेतु पूर्व / वर्तमान में प्रस्तुत नहीं किया गया है।

विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	अनुक्रमांक	हस्ताक्षर(दिनांक सहित)
आशी यादव	बी·कॉम 1st year	21356075	[illegible] 13/07/22
अदिती राणा	बी कॉम 1st year	21343004	Aditi 13/07/22
भूमि उपाध्याय	बी - कॉम 1st year	21343008	B.upadhyay 13/07/22
हर्षिता सांखला	बी - कॉम 1st year	21343013	Harshita 13/07/22
कविता ठाकुर	बी- कॉम 1st year	21356083	Kavita 13/07/22

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

होटल नक्षत्र inn

कार्य पूर्णता प्रमाणपत्र

प्रमाणित किया जाता है कि आशी यादव, अदिति राणा, भूमि उपाध्याय,हर्षिता सांखला, कविता ठाकुर कक्षा बीकॉम प्रथम वर्ष शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय द्वारा परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता /सामुदायिक जुड़ाव ने दिनांक 20-05-22 से दिनांक 13-07-22 तक इस संस्था से संबद्ध / में उपस्थित रहकर हॉस्पिटलिटी एंड टूरिज्म के क्षेत्र मे कार्य किया / प्रशिक्षण प्राप्त किया ।

समस्त 5 छात्राएं अति परिश्रमी, समर्पित और परिणामोन्मुखी हैं, इन्होने संस्था में अपने कार्यकाल के दौरान अच्छा / उत्कृष्ट कार्य किया । हम इनके स्वर्णिम भविष्य की कामना करते हैं।

शुभकामनाओं सहित,

स्थान.. होटल नक्षत्र Inn

दिनांक 13/07/2022

नक्षत्र INN

संस्था की सील

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G1

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्रं /........../अका./........../2022 भोपाल, दिनांक ....

प्रति,

होटल नक्षत्र भवन
200 देवास नगर रिंग रोड. [उज्जैन]

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य / प्रशिक्षण एवं जानकारी संबंधित।

महोदय/महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। कृपया संलग्न प्रपत्र पर संस्था / प्रशिक्षक / व्यवसाय के संबंध में जानकारी उपलब्ध कराने एवं प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु सहमति देने का सादर अनुरोध है।

धन्यवाद

संलग्नक - प्रारूप- G2

प्राचार्य के हस्ताक्षर ....

PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
UJJAIN

सील ....

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप – G2

परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता / शिक्षुता / सामुदायिक जुड़ाव के प्रशिक्षण हेतु

संस्था की जानकारी एवं सहमति पत्र

---

1. संस्थान / प्रशिक्षक / व्यवसाय का नाम एवं पंजीकरण .... होटल नक्षत्र Inn ....

2. संस्था का स्वरूप (निजी / शासकीय / अर्द्धशासकीय / अन्य) .... निजी संस्था ....

3. संस्थान के मार्गदर्शन क्षेत्र का नाम (जिसमें कार्य किया जाता है) .... खंडेलवाल नगर [आगर रोड] उज्जैन

4. संस्थान के अंतर्गत विभिन्न पदों / कार्य करने वाले व्यक्तियों की संख्या .... 43 ....

5. अपेक्षित अधिकतम विद्यार्थी संख्या जिनको संस्थान प्रशिक्षण दे सकता है .... 5 ....

6. संस्थान से प्रशिक्षण उपरांत संगठित/ असंगठित क्षेत्र में रोजगार की संभावना .... संभावना है ....

7. अन्य विशेष जानकारी .... — ....

संस्था/व्यक्तिगत मार्गदर्शन द्वारा, महाविद्यालय .... शा. कन्या स्नातकोत्तर .... के विद्यार्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने की सहमति प्रदान की जाती है।

हस्ताक्षर एवं दिनांक

संस्था प्रमुख/अधिकृत व्यक्ति का नाम

नक्षत्र INN

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - G3

महाविद्यालय के लेटर हैड पर

क्रं/............/अका./............../2022 भोपाल, दिनांक ....

प्रति,

नक्षत्र Inn

20 डेलवाल नगर रिंग रोड [उज्जैन]

विषय: आपके संस्थान/मार्गदर्शन में परियोजना कार्य/प्रशिक्षण संबंधित ।

महोदय / महोदया

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग, भोपाल द्वारा महाविद्यालयीन विद्यार्थियों के लिये विषयान्तर्गत प्रशिक्षण / मार्गदर्शन कार्य करवाने के निर्देश प्रदान किये गये है ।

तत्संबंध में आपका संस्थान / मार्गदर्शन / महत्वपूर्ण है जिसमें हमारे विद्यार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करना चाहते है। अतः इन्हे प्रशिक्षण देने का एवं प्रशिक्षण उपरांत विद्यार्थी से प्रशिक्षण संबंध ज्ञान एवं कौशल की जानकारी, संलग्न प्रतिपुष्टि (फीड बैक) प्रपत्र में उपलब्ध कराने का अनुरोध है, जिसके आधार पर विद्यार्थी का प्रशिक्षण उपरांत मूल्यांकन किया जा सके ।

धन्यवाद

संलग्नक-

1. प्रतिपुष्टि प्रपत्र (प्रारूप G4)
2. प्रशिक्षण हेतु विद्यार्थियों की सूची

1. आशी यादव
2. अदिती राणा
3. भूमि उपाध्याय
4. हर्षिता सांखला
5. कविता ठाकुर

प्राचार्य के हस्ताक्षर ....

सील ....

PRINCIPAL
Govt. Girls P.G. College
UJJAIN

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रारूप - 01

प्रतिपुष्टि प्रपत्र * (Feedback Form)

(परियोजना कार्य / प्रशिक्षुता/ शिक्षुता/ सामुदायिक जुड़ाव)

*सम्बंधित बाह्य संस्था (यदि कोई हो) के संस्था प्रमुख/ अधिकृत अधिकारी/ मार्गदर्शक द्वारा भरा जाए

प्रशिक्षु विद्यार्थी का नाम : आशी , अदिती , भूमि , हर्षिता , कविता

महाविद्यालय का नाम : शा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय , उज्जैन

कक्षा: Bcom (प्रथम वर्ष) Plain.

सेक्शन एवं अनुक्रमांक :

स.क्र.	मूल्यांकन आधार	प्रदत्त मूल्यांकन श्रेणी (A/B/C)#	टिप्पणी
1.	विद्यार्थी की नियमित उपस्थिति	A #	छात्राओ मे कार्य के प्रति अच्छी रुचि दिखाई दी और अनुशासन के साथ एवं हमारे स्टाफ के साथ सहयोग दिया।
2.	विद्यार्थी द्वारा प्राप्त सैद्धान्तिक ज्ञान	B	
3.	कार्यावधि में विद्यार्थी द्वारा अर्जित कौशल, व्यवहारिक ज्ञान	A #	
4.	कार्य के प्रति विद्यार्थी की रूचि, गंभीरता	A #	
5.	कार्यावधि में विद्यार्थी का सीखने के प्रति रवैया (attitude) एवं व्यवहार	A #	
6.	सहकर्मियों, अन्य सदस्यों से सामंजस्य, समूह में कार्य करने की क्षमता	B	
7.	विद्यार्थी की समग्र (Overall) श्रेणी	A #	

श्रेणी : A->उत्कृष्ट, B-> अच्छा, C-> सामान्य

दिनांक :

स्थान : नक्षत्र होटल 20 [illegible] नगर उज्जैन (M.P)

अधिकृत व्यक्ति के हस्ताक्षर

नाम : श्री विजय गेहलोत

पदमुद्रा (सील) नक्षत्र INN

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Research Projects

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Title of the Project

MENSTRUAL HYGIENE IN INDIA

Project report submitted to-

Govt. Girl's P.G. College

Signature (Guide): ______ Signature (Student): ______

Name of the Guide: Name of the student:

Dr. Pratibha Akhand Ayushi D. Mulankar

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

MENSTRUAL HYGIENE IN INDIA

: THE HEALTH AND ENVIRONMENTAL IMPLICATIONS

According to India's 2011 census, 89% of the nation's rural population lives in households that lacks toilet. This absence of proper sanitation presents public health challenges and affects Indian women disproportionately.

An estimated 355 million Indian women and girls must find ways to cope with monthly menstrual hygiene. A majority of rural women in India employ clothes and rags for feminine hygiene.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

MENSTRUATION

Menstruation, also known as a **period** or **monthly,** is the regular discharge of blood and mucosal tissue from the inner lining of the uterus through the vagina. The first period usually begins between

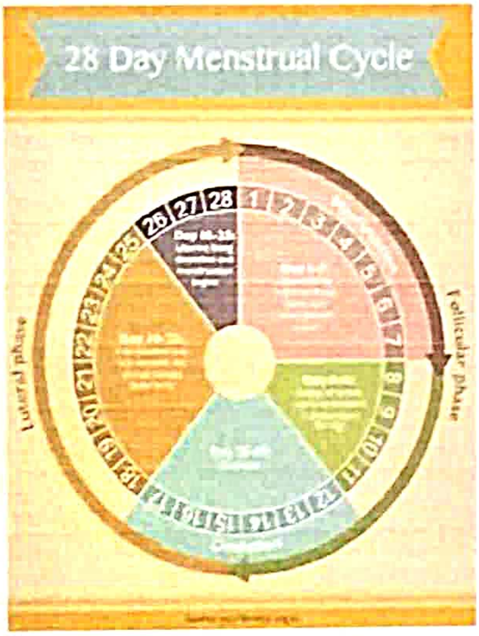

twelve and fifteen years of age, a point in time known as *menarche*. The typical length of time between the first day of one period and the first day of the next is 21-31 days in adults. Menstruation stops occurring after *menopause*, which usually occurs between 45 and 55 years of age. Periods also stop during pregnancy and typically don't resume during the initial months of breastfeeding. Common signs include acne, tender breasts, mood changes, irritability, bloating etc.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Pathology Lab

B.Sc VI Semester (Plain Bio)

Project Report Submitted to – Dr. Pratibha Akhand

Govt. Girls P.G. College, Ujjain

Signature ____________
Name of Guide
Dr. Pratibha Akhand

Signature ____________
Garvita Vamniya

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

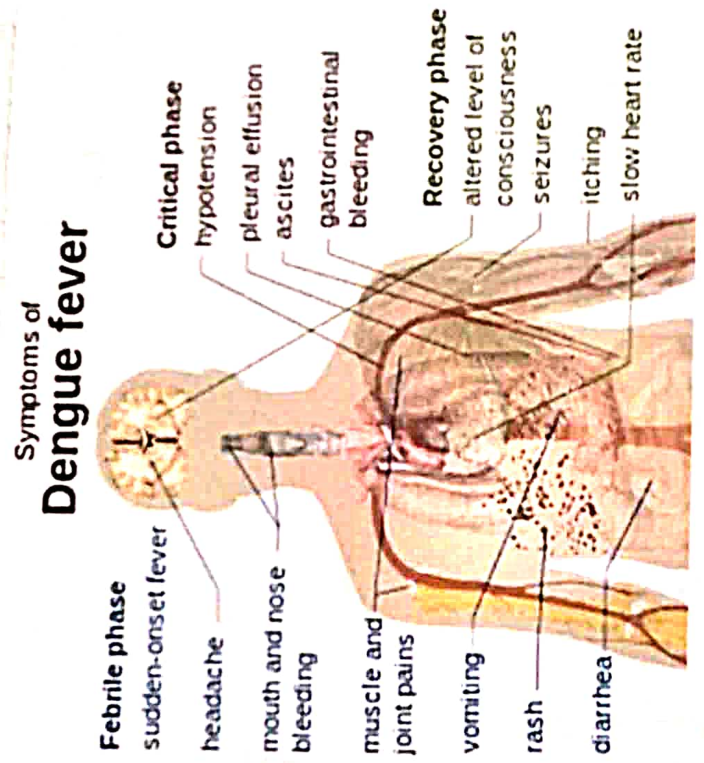

परिशिष्ट "अ"

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anjiwal

डेंगू की रोकथाम, नियंत्रण एवं उपचार के प्रोटोकॉल

प्रायः यह देखा गया है कि डेंगू की बीमारी वर्षा ऋतु [illegible] होती है एवं सर्दी के मौसम आने तक होती रहती है। यह बीमारी डेन नामक वायरस के कारण होती है एवं एडीज मच्छर के द्वारा फैलाई जाती है। इस प्रकार संक्रमित मच्छर से मनुष्य में एवं रोगी व्यक्ति से एडीज मच्छर में बीमारी का संक्रमण होता रहता है। बीमारी किसी भी व्यक्ति को हो सकती है। एडीज मच्छर के काटने से बचाव कर एवं एडीज मच्छर की पैदाईश घरों में रोककर इस बीमारी से बचा जा सकता है। बीमारी होने पर समय से सही उपचार लेकर रोगी ठीक हो सकता है। इस बीमारी में अनावश्यक रूप से बहुत धन खर्च करने की या मात्र डेंगू होने पर अस्पतालों में भर्ती होने की आवश्यकता नही होती है। उपचार से बेहतर है कि बीमारी होने से बचा जावे। इन बीमारियो के नियंत्रण के लिए निम्नानुसार सतर्कता/सुपरविजन/कार्यवाही करने की आवश्यकता है तथा इन बीमारियों के नियंत्रण व उपचार का प्रोटोकॉल निम्नानुसार है:–

डेंगू की जानकारी :–

- डेंगू बुखार डेन नामक वायरस के कारण होता है। ये डेन–1, डेन–2, डेन–3 एवं डेन–4 प्रकार के होते हैं। ये वायरस अक्सर वर्षा ऋतु से सक्रिय रहकर शरद ऋतु तक एडीज मच्छर की सहायता से फैलते हैं।
- **डेंगू बुखार के लक्षण** :– 2–7 दिन बुखार, सिरदर्द, मांसपेशियो मे दर्द, जोड़ों में दर्द, आखों के आसपास दर्द (Retroorbitlal pain)। खसरा के जैसे चकते/दाने छाती और दोनों हाथों मे हो सकते है। बुखार आने एवं इन लक्षणों के पहले ही दिन शासकीय चिकित्सालय मे डाक्टरी सलाह लेकर उपचार प्रारंभ कर देना चाहिए।
- **गंभीर अवस्था** :– नाक, मसूडो, पेट/आंत (Gastrointestinal Tract) से खून का रिसाव होना। गंभीर अवस्था में मरीज पहुंचे इसके लिए आवश्यक है कि सामान्य लक्षणों के उभरते ही चिकित्सकीय सलाह ली जावे।

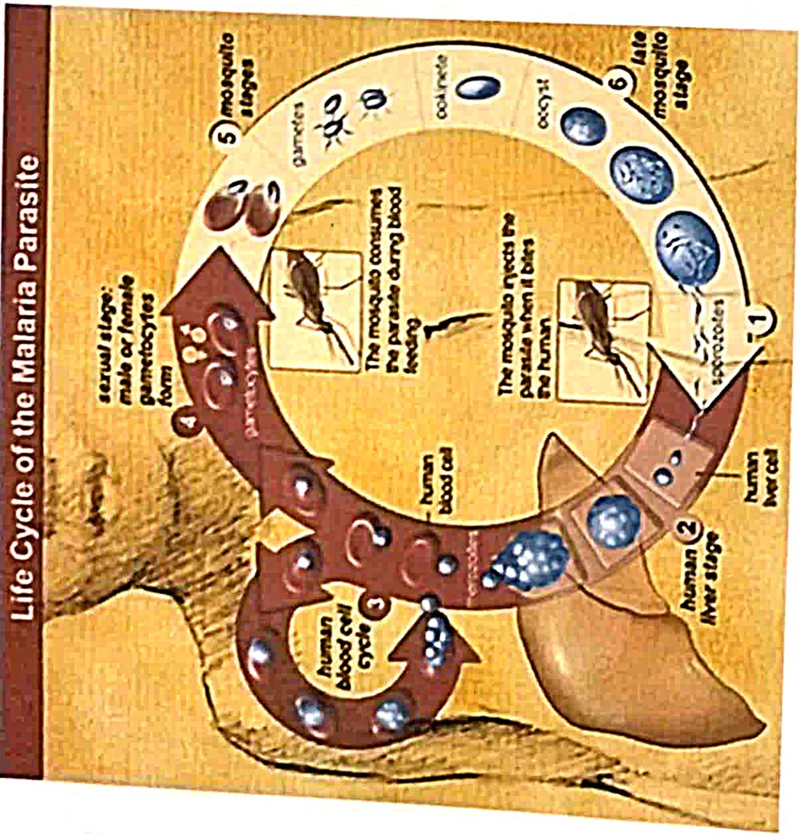

राष्ट्रीय वैक्टर जनित रोग के अन्तर्गत मलेरिया नियंत्रण ह
प्रोटोकॉल/दिशा निर्देश

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. L. Anijwal

मलेरिया के लक्षण –ठण्ड लगकर बुखार आना एवं पसीना होकर बुखार उतरना, त दिन छोड़कर बुखार आना मलेरिया के सामान्य लक्षण है। समय पर इलाज ना लेने प की संभावना भी हो सकती है, अतः निम्न दिशा निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा

उद्देश्य– मलेरिया के मरीज की त्वरित जांच व पूर्ण उपचार से मलेरिया बीमारी का नियं मलेरिया बीमारी के कारण होने वाली मृत्यु की रोकथाम करना।

मलेरिया का संक्रमण काल – जून से अक्टूबर 5 माह का होता है, इस अवधि में जन का करीब 1.20 प्रतिशत बुखार के मरीज होते है। शेष 7 माह मलेरिया का संक्रमण रहता है, इस अवधि में जनसंख्या का करीब 0.8 प्रतिशत बुखार के मरीज होते है। मल बीमारी के नियंत्रण के लिये बुखार के मरीज की खोज कर रक्त पट्टी बनाना एवं जां मलेरिया पाये जाने पर मौलिक उपचार दिया जाना ही प्रमुख उपाय है।

लक्ष्यः–

- प्रत्येक माह मे प्रत्येक ग्राम में जनसंख्या की एक प्रतिशत बुखार के मरीज रक्तपट्टी बनाई जावें।
- सर्वेलेन्स एवं उपचार कार्य निरंतर करें जिससे की उप स्वास्थ्य केन्द्रवार का ए.पी.आ (प्रति हजार जनसंख्या में मलेरिया केस की संख्या) एक से अधिक न हो।

सर्वेलेन्स कार्य – बुखार के मरीजो की खोज करना– यह दो प्रकार से निम्नानुसार कि जाता हैः–

- **एक्टिव सर्वेलेन्स** – ग्राम स्तर तक घर–घर जाकर बुखार के मरीजों की रक्तपट बनाकर लेब में जांच हेतु उसी दिन अथवा अधिकतम तीन दिवस में भेजना व परिण प्राप्त कर मौलिक उपचार देना। रेपिड डायग्नोस्टिक किट से जांच कर मलेरिया मरीज, वाइवेक्स/फेल्सीपेरम का उपचार किया जावे। मरीज/घर के मुखिया क विवरण तथा मोबाईल नम्बर एम 2 फॉर्म में अवश्य लिखना चाहिए।
- **पैसीव सर्वेलेन्स** – स्वास्थ्य संस्थाओं में बुखार के मरीजो की रक्तपट्टी बनाकर 24 घं के अंदर परिणाम देखकर मौलिक उपचार देना।
- इसी आधार पर रक्तपट्टी बनाने के वार्षिक, त्रैमासीक एवं मासीक लक्ष्य उपलब्ध करा गये है, अपने स्तर पर प्रतिमाह समीक्षा करें।
- ग्राम आरोग्य केन्द्र पर आशा के द्वारा प्रति माह में एक हजार की जनसंख्या पर कम से कम 10 रक्त पट्टी बनाना चाहिये, रेपिड डायग्नोस्टिक किट से जांच कर मलेरिय का उपचार उम्र के अनुसार किया जावे। इस हेतु पूर्ण प्रशिक्षण अवश्य देवें।

Water Filtration Plant

B.Sc VI Semester (Plain Bio)

Project Report Submitted to – Dr. Pratibha Akhand

Govt. Girls P.G. College, Ujjain

Signature ____________
Name of Guide
Dr. Pratibha Akhand

Signature ____________
Ankita Panwar

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

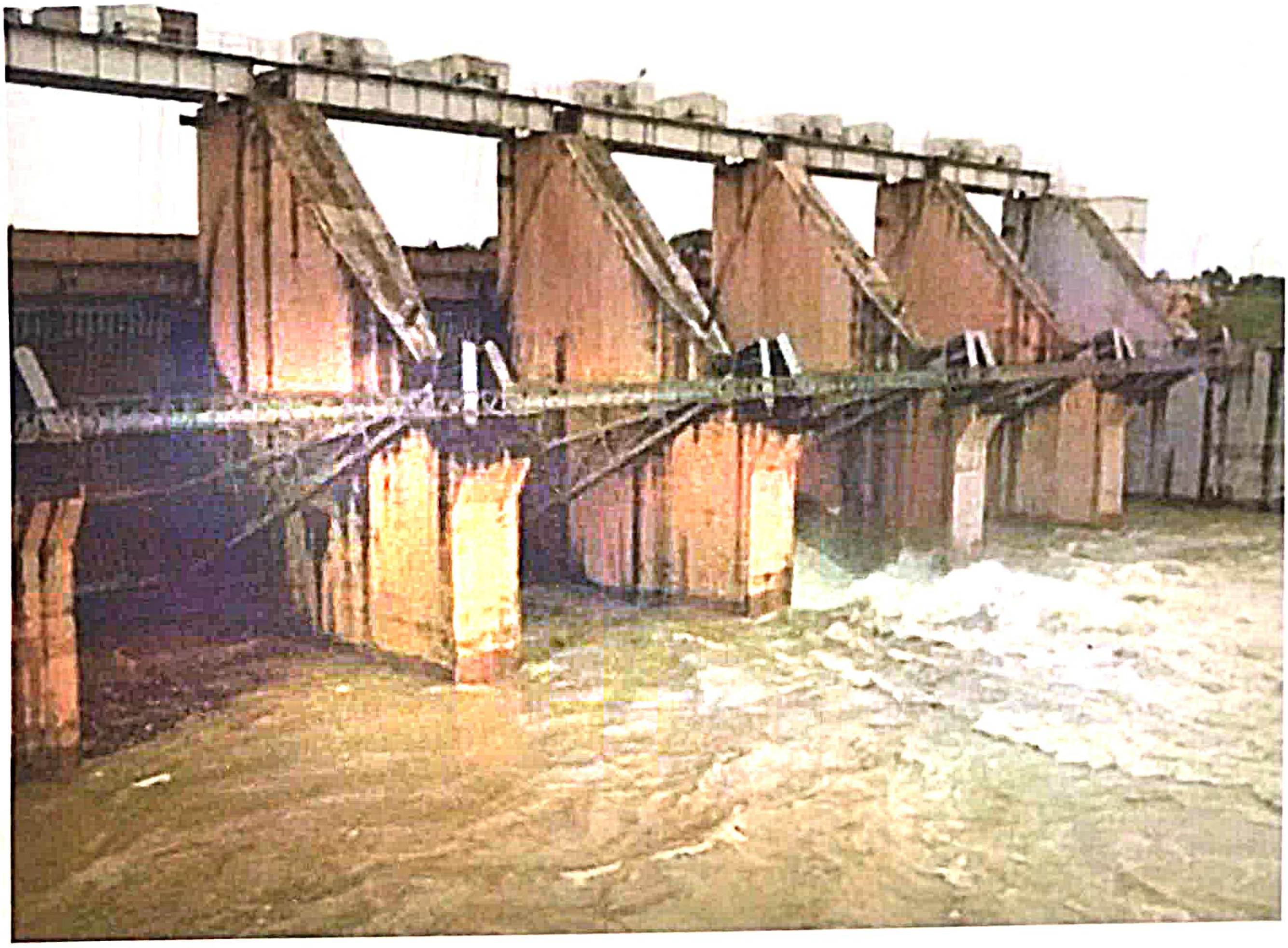

GAMBHIR DAM

KSHIPRA RIVER

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

विधियाँ

इस प्रकार जल की स्वच्छ अथवा प्रदुषण रहित वनाने के लिए निम्न विधियों का प्रयोग किया जाता है । सर्वप्रथम एयरेटेड लैगून का प्रयोग किया जाता है । इस प्रकार सभी विधियों का प्रयोग कर जल को मानवीय व्यवहार में लाने योग्य बनाया जाता है ।

1. ***Airation*** :–

यह *Treatment Plant* की सबसे पहली विधी होती है इस विधी के अन्तर्गत दूषित जल को बड़े लैगून में एकत्र कर विद्युत चलित एयरेटरों के माध्यम से एयरेट किया जाता है । इस प्रक्रिया में 90 प्रतिशत बिओडी समाप्त कर दी जाती है । इस प्रकार जल में ऑक्सीजन की मात्रा अधिक हो जाती है । यह विधी ऑक्सीजन तथा जल भी समीप लाती है अथवा मिश्रित भरती है तथा जल में घुली को निष्कासित करती है कार्बनिक पदार्थ के अपघटन में पश्चात् अपशिष्ट तलहरी में बैठ जाता है ।

ऐथरेशन की इस विधी में जल में 02 मी भागा पर्याप्त होती है ।

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE UJJAIN (M.P.)

GOVERNMENT GIRLS' POST GRADUATE COLLEGE, UJJAIN
वयं राष्ट्रे जागृयाम पुरोहिताः
ESTD. 1958

PROJECT ON

RADIOLOGY

C.T. SCAN, X-RAY, SONOGRAPHY

Guided By:
Dr. Leena Lakhani

Submitted By
Vishakha Soni

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

- A **CT scan**, also known as **computed tomography scan**, makes use of computer-processed combinations of many X-ray measurements taken from different angles to produce cross-sectional (tomographic) images (virtual "slices") of specific areas of a scanned object, allowing the user to see inside the object without cutting. Other terms include computed axial tomography (CAT scanand computer aided tomography.
- Computed tomography (CT) of the body uses special x-ray equipment to help detect a variety of diseases and conditions. CT scanning is fast, painless, noninvasive and accurate. In emergency cases, it can reveal internal injuries and bleeding quickly enough to help save lives.

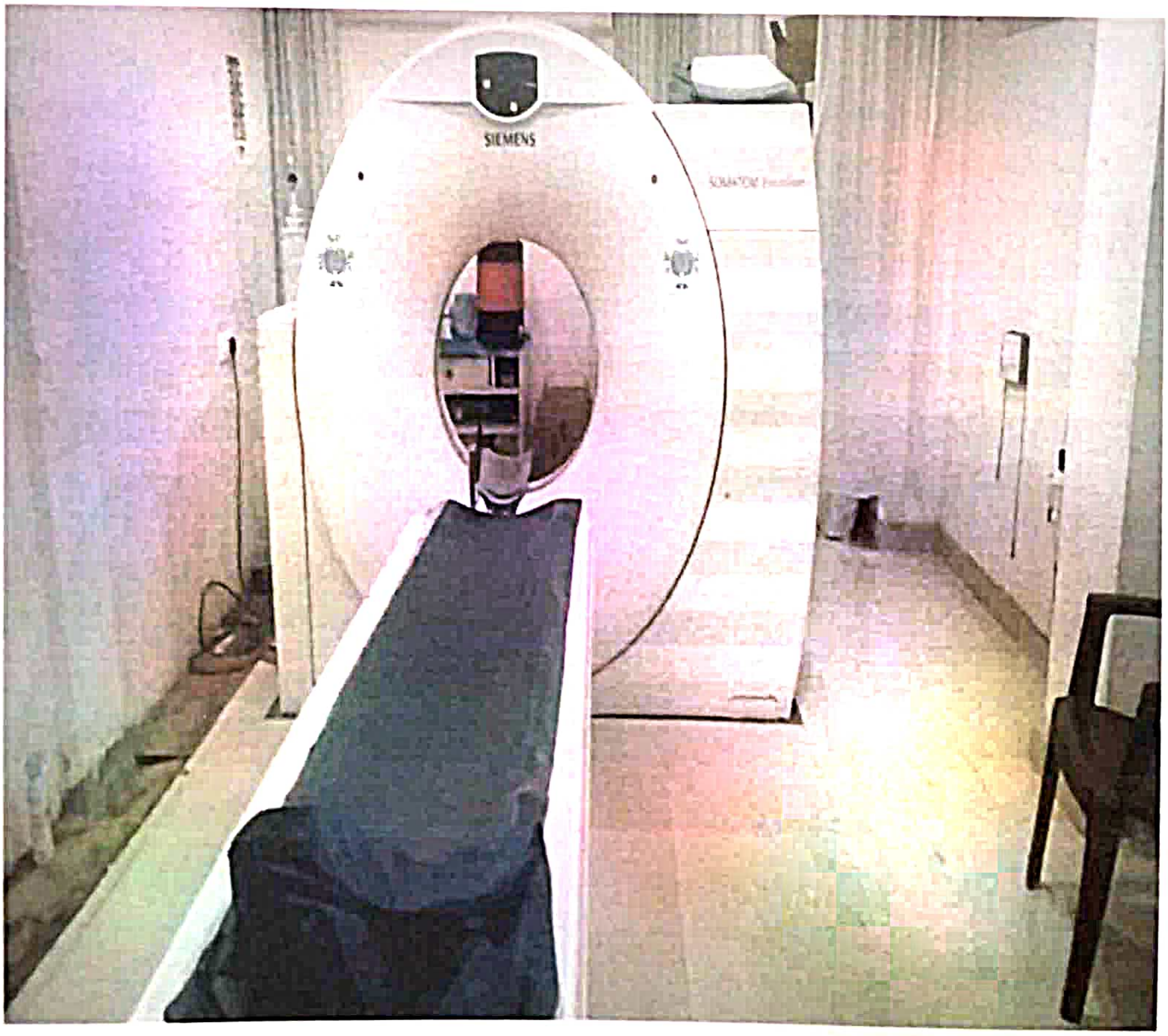

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

X-ray

X-rays make up **X-radiation**, a form of electromagnetic radiation. Most X-rays have a wavelength ranging from 0.001 to 10 nanometers, corresponding to frequencies in the range 30 petahertz to 30 exahertz (3×10^{16}Hz to 3×10^{19} Hz) and energies in the range 100 eV to 100 keV. X-ray wavelengths are shorter than those of UV rays and typically longer than those of gamma rays. In many languages, X-radiation is referred to with terms meaning **Röntgen radiation**, after the German scientist Wilhelm Röntgen who usually is credited as its discoverer, and who named it *X-radiation* to signify an unknown type of radiation. Spelling of *X-ray(s)* in the English language includes the variants *x-ray(s)*, *xray(s)*, and *X ray(s)*.

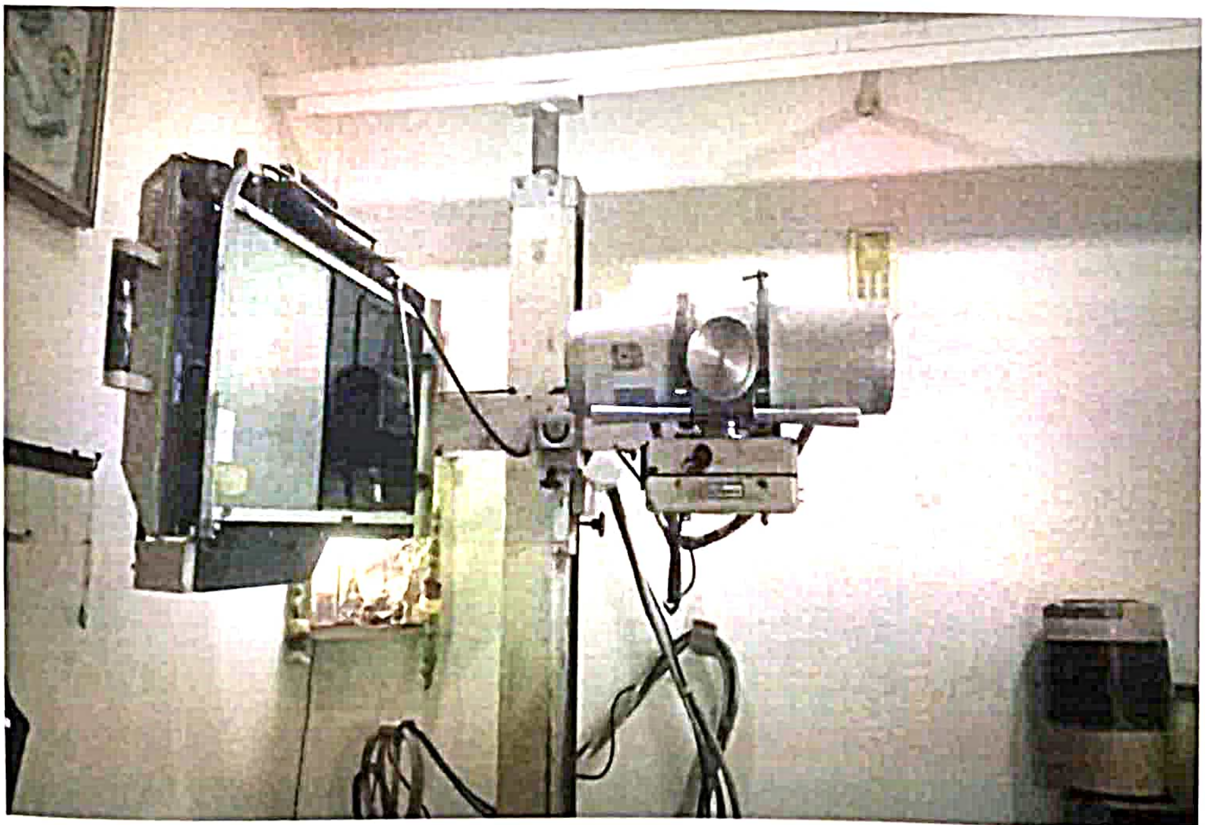

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

परियोजना कार्य का शीर्षक

मिट्टी परीक्षण – सूक्ष्म पोषक तत्व

हस्ताक्षर

निर्देशक

डॉ. प्रतिभा अखंड

हस्ताक्षर

प्रस्तुतकर्ता

स्नेहा गाडरिया

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

मिट्टी

मिट्टी क्या है :–

"**मृदा विज्ञान** भौतिक भूगोल की एक प्रमुख शाखा है जिसमें मृदा के निर्माण, उसकी विशेषताओं एवं धरातल पर उसके वितरण का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है।"

मिट्टी हजारो करोडों वर्ष पूर्व आपदाओं एवं अन्य कणों से टुट–फुट से मिट्टी का निर्माण हुआ है। जिसकी गहराई 6–15 इंच होती है।

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

तथा यह मार्गदर्शन करना कि उर्वरक व खाद का प्रयोग कब और कैसे करे।

- मृदा में लवणता, क्षारीयता तथा अम्लीयता की समस्या की पहचान व जाँच के आधार पर भूमि सुधारको की मात्रा व प्रकार की सिफारिश कर भूमि को फिर से कृषि योग्य बनाने में योगदान करना।
- फलों के बाग लगाने के लिए भूमि की उपयुक्तता का पता लगाना।
- किसी गांव, विकासखंड, तहसील, जिला, राज्य की मृदाओं की उर्वरा शक्ति को मानचित्र पर प्रदर्शित करना तथा उर्वरको की आवश्यकता का पता लगाना।इस प्रकार की सूचना प्रदान कर उर्वरक निर्माण, वितरण एवं उपयोग में सहायता करना।

प्रयोगशाला में मृदा की जाँच –

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

APICULTURE

Bachelor of Science

Project Report Submitted to:

Dr. Pratibha Akhand

Govt. Girls Post Graduate College, Ujjain

Signature (Guide):

Guided By: Dr. Pratibha Akhand

Signature (Student):

Submitted by:

Ms. Sushmita Das

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Social organization of honey bees

Honey bee is a social insect that lives in a colony.

Colony is well organized & well developed in which a highly organized **division of labour** is found.

Polymorphism-

Each beehive harbors a colony of thousands of polymorphic bees belonging to a single family.

The polymorphic individuals are of 3 main types

Out of which there are **2 female castes:**

i. **The *queen*** (fertile female)- single,
ii. ***The workers*** (sterile female)-thousands(up to 60,000)

And **a male caste:**

i. **The drones** (fertile males)- a few hundreds

The queen bee-

She is the Supreme being in a colony, because all the main activities in the hive revolve around her. It is the fertile female produced from fertilized eggs.

The queen can be recognized by her **long abdomen** that

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

LIFE CYCLE OF HONEY BEES

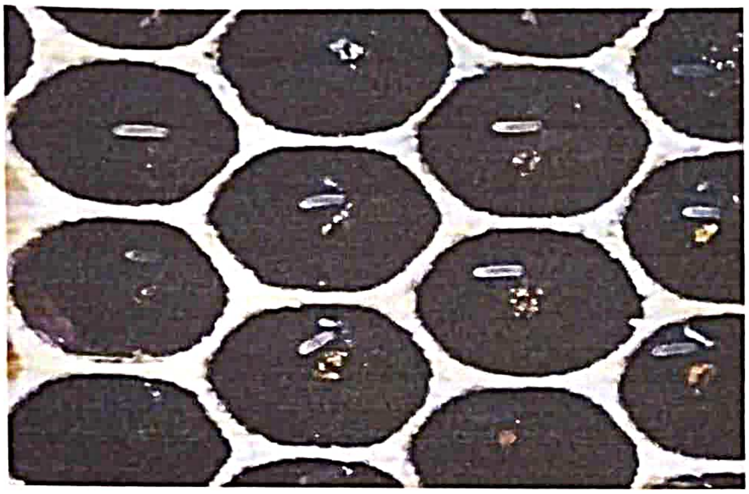

The lifecycle of a honey bee consists of three main stages: the larval, pupal, and adult stages. Within a normal hive situation, a single queen bee lays fertilized and unfertilized eggs. Fertilized eggs can hatch worker and queen bees, unfertilized eggs hatch drone bees. Eggs hatch after about 3 days, but development rates and processes vary among bees within the hive, as well as between species in the genus *Apis.*

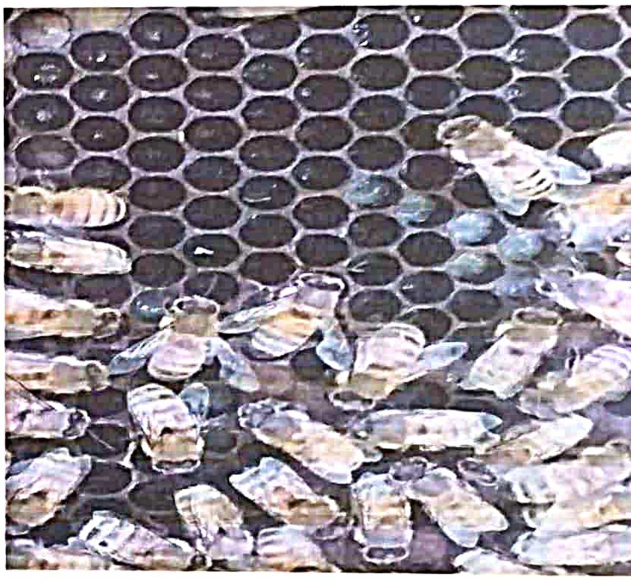

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

शासकीय कन्या सनात्कोत्तर महाविद्यालय उज्जैन

परियोजना कार्य - मधुमेह का आयुर्वेदिक उपचार

मार्गदर्शक
डा. प्रतिभा अखंड
(असि. प्रोफ. जूलॉजी)

प्रस्तुतकर्ता
भावना चौहान

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

मधुमेह (डायबिटिज) के लिए आयुर्वेदिक उपचार व उससे सबंधी जानकारी

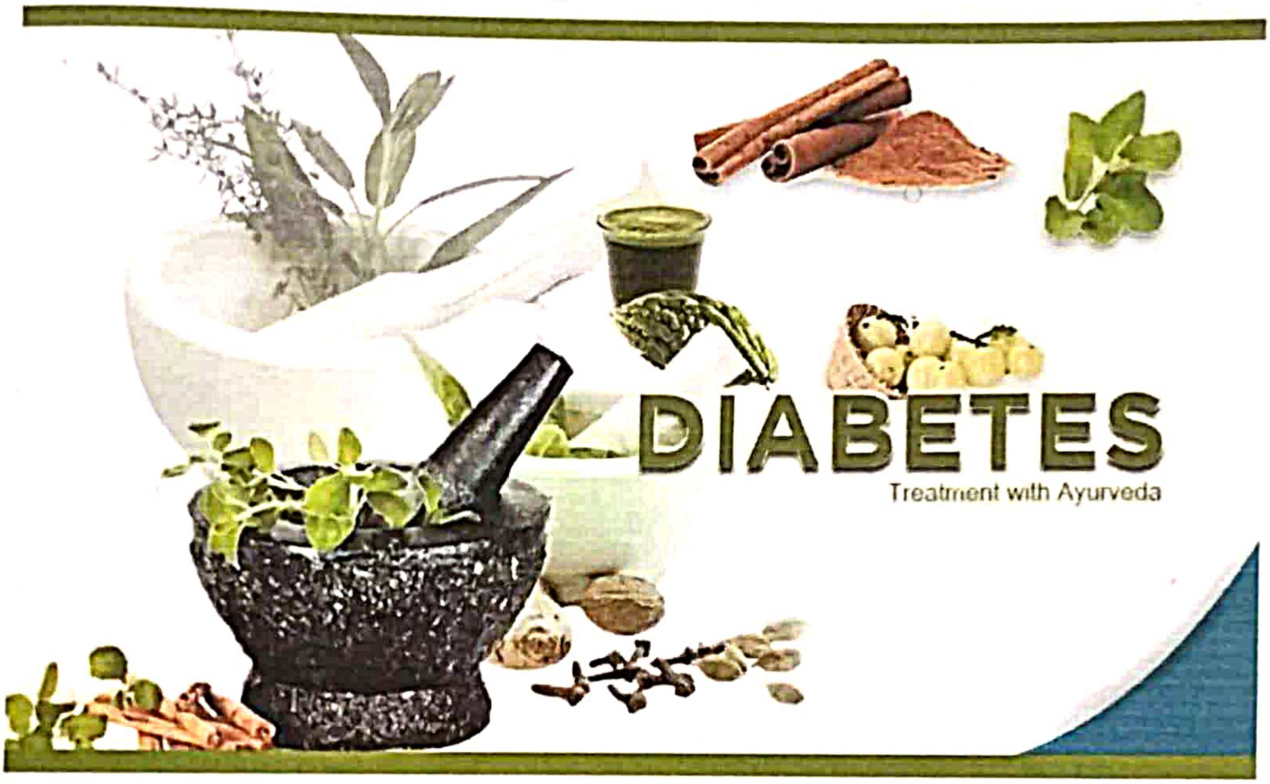

मधुमेह (डायबिटिज):–

डायबिटिज मेलेटस (डीएम), जिसे सामान्यतः मधुमेह कहा जाता है। चयापचय संबंधी बीमारियों का एक समूह है । जिसमें लम्बे समय तक उच्च रक्त शर्करा का स्तर होता है । उच्च रक्त शर्करा के लक्षणों के अक्सर पेषाब आना होता है, प्यास की बढोत्तरी होती है और भूख में वृद्वि होती है । यदि अनुपचारित छोड दिया जाता है, मधुमेह कई जटिलताओं का कारण बन

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

India Diabetes
Men – 11.7 M.
Women – 8.6 M.

भारत में मधुमेह रोगियों की संख्या	
वर्ष	2011 – 61.3 मिलियन
वर्ष	2013 – 65.1 मिलियन
वर्ष	2015 – 69.2 मिलियन

सकता है । तीव्र जटिलताओं मे मधुमेह केटोएसिडोसिस, नानलेटोटिक हाइपरोस्मोलर कोमा या मौत शामिल हो सकती है । गभीर दीर्घकालिक जटिलताओं में हृदय रोग, स्ट्रोक, क्रोनिक किडनी की विफलता, पैर अल्सर और ऑखो को नुकसान शामिल है । मधुमेह के कारण है या तो अग्नाषय पर्याप्त इसुलिन का उत्पादन नहीं करता या शरीरी की कोपिकायें इंसुलिन को ठीक से जवाब नहीं करती जिससे मधुमेह हो जाती है ।

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन

परियोजना कार्य - टीकाकरण

मार्गदर्शक

डा. प्रतिभा अखंड

(असि. प्रोफ. जूलॉजी)

प्रस्तुतकर्ता

अंजलि नाहर

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

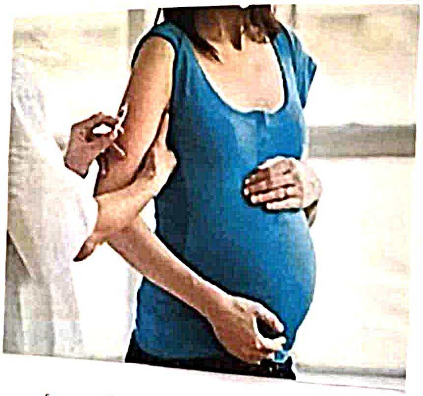

गर्भावस्था में टीकाकरण

गर्भावस्था मे टीकाकरण (टेटनस)

टेटनसः

टेटनस एक जानलेवा बीमारी है। यह टिटेनी नाम के बैक्टीरियम जहर से होती है और ये जहर खुली चौट, घाव, त्वचा पर होने वाली खरौच, कटने, जलने इत्यादि से होता है। टेटनस क संक्रमण फोडे-फुसिंयों पर ही अधिक फैलता है।

गर्भावस्था के दोरान बच्चे की सुरक्षा के लिए टेटनस का इंजेक्शन लगाया जाता है। टूटनेस का टीका होने वाले बच्चे और मॉ को बैक्टीरियम संक्रमण से बचाता है।

टेटनस के टीके से होने वाले बच्चे और गर्भवती महिला की प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है।

गर्भावस्था के दौरान खास तौर पर दो टीके लगाए जाते है जो निम्नलिखित है।

- **टेटनस टॉक्साइड 1**
- **टेटनस टॉक्साइड 2**

गर्भास्थिा के दौराध दो बार टेटनस का टीका लगाया जाता है । पहली बार टीका गर्भावस्था के शुरूआती तीन महिनों के बीच जबकि दूसरा टीका पहले टीके के 1 से 2 महिनों के अंतराल मे लगाया जाता है।

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

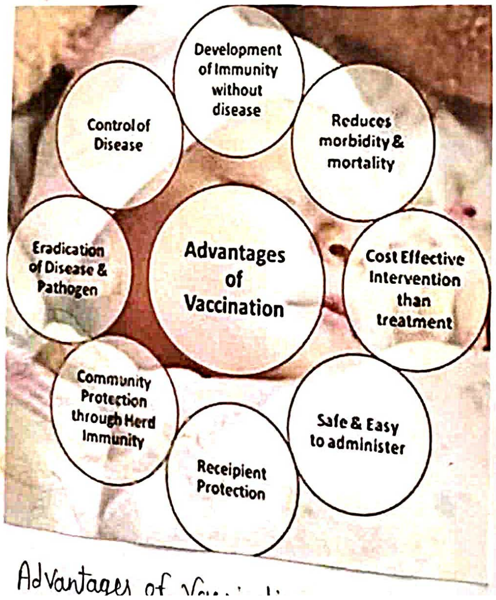

Advantages of

गर्भावस्था मे टीकाकरण क्यो जरूरी है ?

गर्भावस्था मे टीकाकरण बहुत जरूरी है । गर्भावस्था के पहले और इसके दौरान कुछ टीको को लगाने से माँ और होने वाले बच्चे को कई जटिलताओं और रोगों vaccine prevent complication and diseases during pregnancy से बचाया जा सकता है कुछ टीके एसे होते हे जिन्हे गर्भ के दौरान नही लगाना चाहिए ।

टेटधस का टीका तो हय गर्भवती महिला को समय से लगाना चाहिए जिससे प्रसव के दौरान बच्चे को टेटनस का संक्रमण ना हो ।

टीकाकरण से लाभः

I. टेटनस के टीके के कारण बच्चे के जन्म के बाद तक और काफी समय तक सुरक्षित रह सकते है।

II. टेटनस के टीके से समय पर डिलीवरी होती हैऔर प्रसव के दौरान गंभीर समस्या को होने से टाला जा सकता है।

III. समय से पहले डिलीलरी को भी टेटनस के टीके के द्वारा रोका जा सकता है अर्थात् बच्चे का पूर्ण विकास होता है।

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Govt. Girls' P.G. College, Ujjain

PROJECT REPORT
ON
"PATHOLOGY"

Submitted to

ZOOLOGY DEPARTMENT

Guided by
Dr. Pratibha Akhand

Submitted by
Miss: Teena Panwar

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

लैब टेस्ट हिंदी

मेडिकल लैब टेस्ट की जानकारी हिंदी में

होम हमारे बारे में हमसे संपर्क करें टिप्पणी नीति नियम एवं शर्तें ▼

होम ▼

जून २३, २०१

रक्त समूह परीक्षण कैसे होता है - एबीओ स्लाइड विधि

ब्लड ग्रुप - **ब्लड ग्रुप** ब्लड का वर्गीकरण |हमारे रक्त में पाए जाने वाले एंटीजन और एंटीबॉडीज के आधार पर रक्त का समूह होता है |

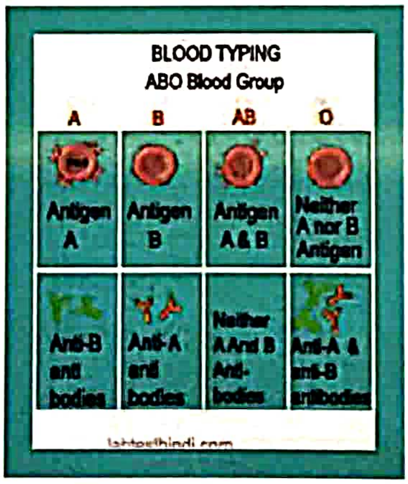

हमारे शरीर के रक्त का समूह निम्नलिखित होते हैं

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

ट्यूब-विधि

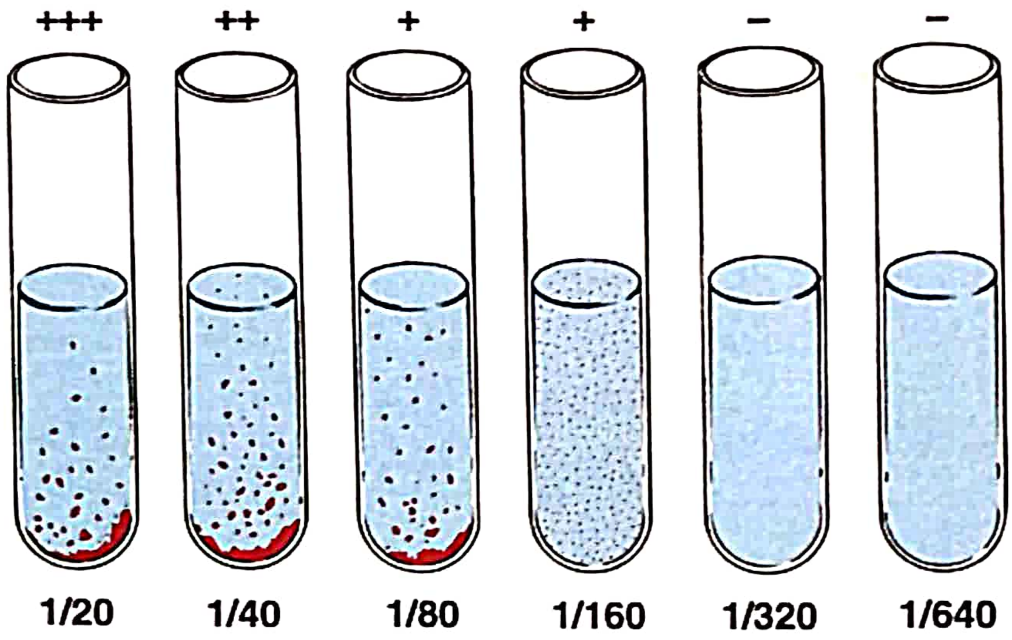

- विडाल टेस्ट एंटीजन सस्पेंशन का उपयोग करने वाले रोगी सीरम का दशमांश सीरम सैंपल का उच्चतम कमजोर पड़ना है जो दृश्यमान एग्लूटीनेशन देता है।
- नमूना जो ओ एग्लूटिनेशंस के लिए 1: 100 या उससे अधिक का दशमांश दिखाता है और एच एग्लूटिनेशन के लिए 1 या 200 या उससे अधिक को नैदानिक रूप से महत्वपूर्ण (सक्रिय संक्रमण) माना जाना चाहिए। ***उदाहरण: उपरोक्त आकृति में, अनुमापांक 160 है।***
- दोनों के बीच 4 गुना वृद्धि का प्रदर्शन नैदानिक है।
- O agglutinin की तुलना में H agglutination अधिक विश्वसनीय है।
- एग्लूटीनिन 1 सप्ताह के अंत तक 2 और 3 वें सप्ताह में तेज वृद्धि के साथ सीरम में दिखाई देने लगता है और टाइट्रे 4 वें सप्ताह तक स्थिर रहता है जिसके बाद यह गिरावट आती है।

विडाल टेस्ट की सीमाएँ

- विडाल परीक्षण समय लेने वाली है (एंटीबॉडी टाइट्रे को खोजने के लिए) और अक्सर जब निदान तक पहुंच जाता है तो एंटीबायोटिक आहार शुरू करने में बहुत देर हो जाती है।

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT. GIRLS PG COLLEGE

UJJAIN (M.P)

Project report on-

PATHOLOGY LEB & NOSE TREATMENT (ENT)

SUBMITTED TO ZOOLOGY DEPARTMENT

Signature of guide :..

Guided by –

DR. PRATIBHA AKHAND

Signature of student :...................

Name of student - SAROJ PATIDAR

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

नाक के महत्वपूण भाग :-

- **बाहय भाग:- नोस्ट्रील, डॉर्सुम, अलई, टिप** आदि मुख्य भागो से मिलकर बना होता है।
- **आंतरिक भाग :- नेसल सेप्टम, D.N.S.(Dariated nosal septam) सेप्टल हिमेटमा, सेपटम ऑब्सिस , सेप्टल paraphora आदि** भागो से मिलकर बना होता है।

Collumaller septum के पीछे **नसल septum,membranou septum होते है।**septal cart. Prep. Plate of ethemoid , vomer bone इसको बनाने में मदद करते है।इसके अलावा **creast of Palatine bone** भी इसे बनने में मदद करती है। **ant nosal spin of maxila** भी इसको बनने में मदद करता है।

Collumaller , septa cart. ,इस एम आर या किसी से भी यह **श रिमूवल** हो सकती है।

इससे **टिप** में **depretion** हो सकता है, **नाक** का आकार बिगड़ सकता है,इसका **support, vomer bone** तथा **Ant.nosal spine of maxila** द्वारा किया जाता है।

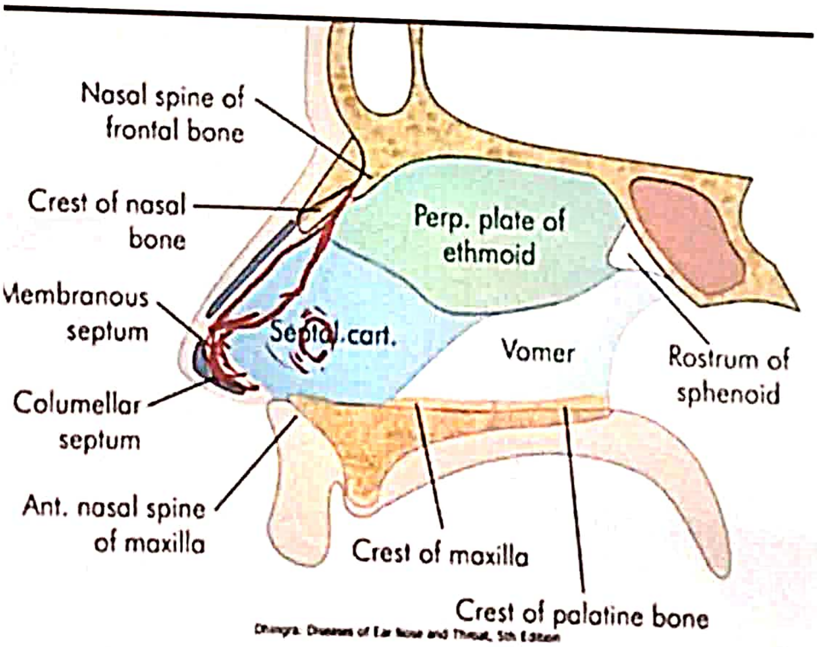

नाक की आंतरिक संरचना

Trama के दौरान ,यदि **front** से चोंट से या **nosalbone** या **vomer desloket** हो जाता है,तब इसकी वजह **septal cart.** भी **desloket** सकता है।

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

बीमारियां:-

- **साइनस-** साइनस बहुत ही कॉमन परेशानी है,इस रोग में **सांस लेने में रुकावट,नाक की हड्डी का बढ़ना** ,इसकी आम समस्या है। इसके अलावा कई बार खोखले चेदी म **बलगम** भर जाता है, जिससे **साइनस** बंद होंजता है,साथ ही **इंफेक्शन** के कारण साइनस की झिल्ली में सूजन आ जाता है,इस वजह से **सिर, गले के उपर के जबड़े में दर्द** होने लगता है।

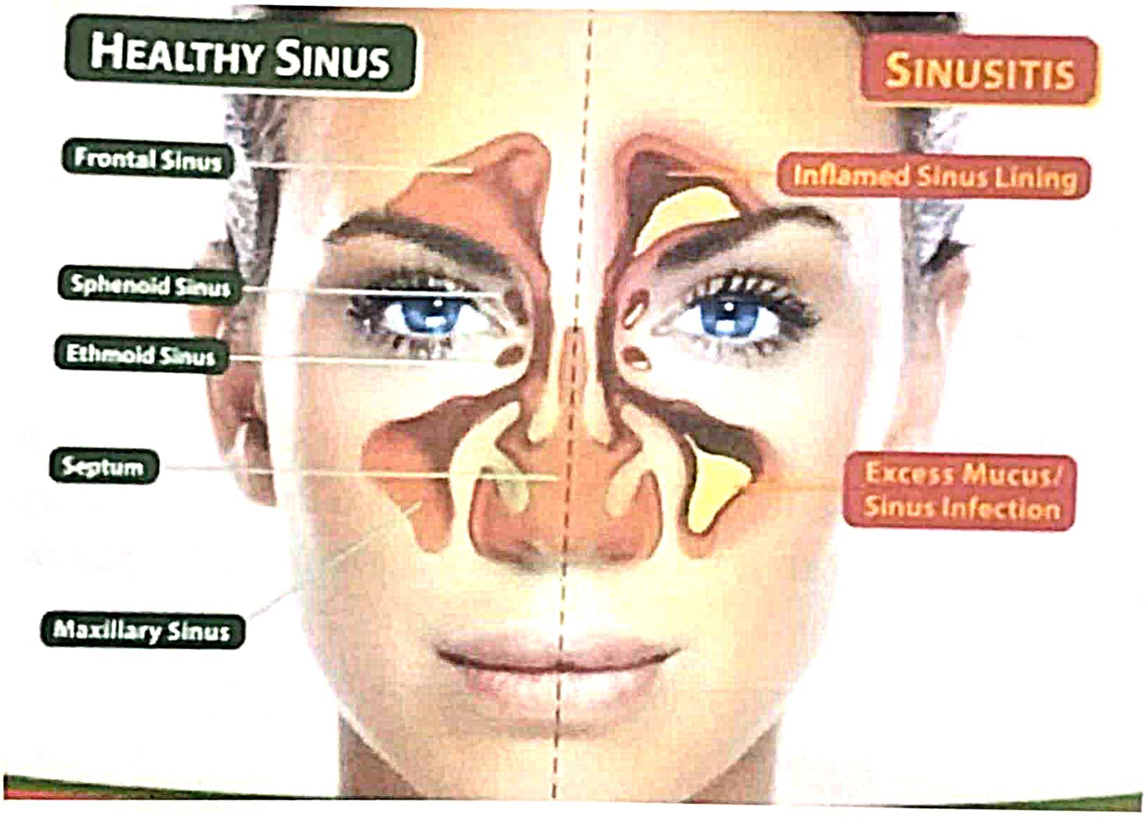

- **नाक की बवासीर-** नाक के अंदर कभी –कभी **सफेद या लाल** रंग के मस्से पैदा हो जाते है, जिसकी वजह से हमेशा जुकाम लगा रहता है।नाक के जिस छेद में मस्से होते है, उस तरफ से सांस लेने में बहुत परेशानी होती है,इसी को **नाक की बवासीर** कहते है।

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

SOIL ANALYSIS

PCM

Project Report Submitted To

Dr. Rashmi Bhargava

GOVERNMENT GIRLS' P.G. COLLEGE,

UJJAIN (M.P.)

Signature (guide)

R. Bhargava ....

Name of Guide:

Dr. Rashmi Bhargava

Signature (student):

Amreen ....

Name of Student:

Amreen Mansuri

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

SOIL PARAMETERS ESTIMATION PROCEDURES

1. Soil pH

The soil pH is the negative logarithm of the active hydrogen ion (H^+) conc. in the soil solution. It is the measure of soil sodicity, acidity or neutrality. It is a simple but very important estimation for soils, since soil pH influences to a great extent the availability of nutrients to crops. It also affects microbial population in soils.

(Remark: The effect of temperature on the pH value of the buffer solution must be considered. The calibration procedure should be done initially and repeated at intervals determined by the desired measuring accuracy and the conditions of use of the electrode system).<u>*The pH probe should be kept overnight in distilled water when using for the first time for best results.*</u> A pH probe has been provided in the minilab. <u>*pH is to be calibrated every time the smart soil pro is switched on.*</u>

Procedure

Calibration:

1) Switch on power button. Wait till "IISS-Bhopal" appears.
2) Press Menu button twice. (All parameters will be displayed on screen.
3) Bring the cursor on pH option from the main menu of smart soil pro (Ignore this if the cursor is already at pH option) and long press ENT button for 5-10 seconds. You will enter into calibration process.

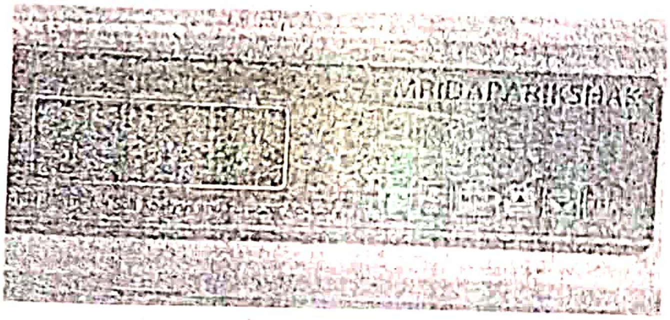

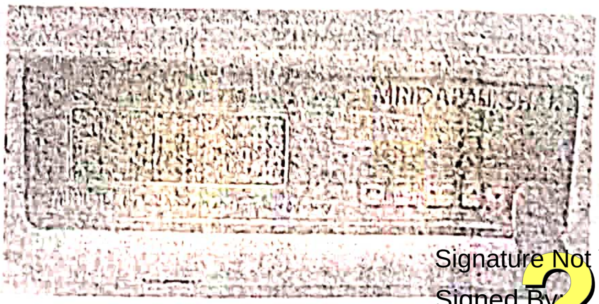

Press ENT button and hold for 5 seconds

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

4) The screen will display "**Put in 4 pH& menu**".

5) Dip the probe in **Bottle No.1** solution (The value of 2.89 or 2.90 or 2.91 should be displayed on screen).

6) Press Menu button (Display will show "**pH calibrated**") and will automatically direct you to main menu. Now smart soil pro is ready to take the reading of pH of soil samples.

pH measurement

1. Before doing pH analysis in smart pro, weigh **10g** of soil sample into 100 ml beaker and add **20 ml** of distilled water. Stir intermittently for 10 minutes.
2. For analyzing the pH of soil sample in smart pro, keep the cursor on pH in main menu and Press ENT.
3. Now select farmer by using up/down key and press ENT.
4. Dip the probe in soil suspension and take the reading of soil pH. (The soil suspension may be stirred again for few seconds before taking the reading.)
5. Properly wash and wipe the probe before taking another reading.
6. Repeat this procedure for analyzing other soil samples. By pressing the RTN button you can directly select the farmer without going back to menu.
7. Now keep aside the sample for thirty minutes till soil particle are settled down, for taking the measurement of EC.

If pH of soil sample is less than 6.0, smart soil pro will display ***"Go for LpH"***. For this go back to menu by pressing MENU and select LpH and press ENT, follow the procedure as given for lime requirement*(refer page no.38)*. If the pH is more than 8.7, go for the Gypsum Requirement results from the main menu.

Note: To check whether the smart soil pro is calibrated properly, use ***Bottle No. 1(pH And Bottle No.2 (pH 7)*** *for checking values respectively.*

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

A Project Report

On

PHARMACEUTICAL INDUSTRY

Project Report

Submitted

To

Govt. Girls P.G. College, Ujjain

R. Bhargava

Signature (Guide)

Name of the Guide

Dr. Rashmi Bhargava

Ayushi.

Signature (Student)

Name of the Student

Ayushi Badgotya

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

COMPANY PROFILE

Super Pharma is an emerging, pharmaceutical company with proven capabilities in the areas of product, manufacturing & marketing. Over the years, Super Pharma has emerged as one of the fastest growing pharmaceutical companies in the region. Our focus on speciality segments in Central India and simultaneous opening of newer markets in other states hhas helped us maintain the growth. We are firmly establishing our brands in each market for sustainted sales. Super pharma has establishing strong capabilities in the International market with exports contibuting a substantial part of the total revenues.

Super pharma was incorporated in 1980 and has since moved up the value chain from being a small manufacture to a vibrant marketing oriented company. Super pharma is now one of the leading pharmaceutical company in the region. Our manufacturing capability includes a wide range of therapeutic products covering segments like Anti-biotic, Anti-TB, Antacids, Haemitinic, Vitamins Cold Cough Anti diarrheas and Painkillers among others.

Giving our strong emphasis on product quality and service, Super pharma has been approved to supply medicines to various Government Institutions like Health Departments and Hospitals in India. Super pharma is also certified supplier to many big institutions within and outside the country. Super pharma is committed to develop new technoligies. We have been able to launch products with enhanced release profiles to ensure better treatment complaince and dosage convenience.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

EXECUTIVE SUMMARY OF PROJECT REPORT PHARMACEUTICAL INDUSTRY

The pharmaceutical industry is a knowledge driven industry and is heavily dependent on Research and Development for new products and growth. However, basic research is a time consuming and expensive process and is thus, dominated by large global multinationals. Indian companies have recently entered the area and initial results have been encouraging.

FUTURE CONCERNS OF PHARMA INDUSTRY

India should become part of PIC/S (Pharmaceutical Inspection Cooperation Scheme). The PIC/S is a non binding, informal cooperative arrangement between Regulatory Authorities in the field of Good Manufacturing Practice of medicinal products for human or veterinary use.

CHALLENGES AND OPPORTUNITIES FOR INDIAN PHARMA INDUSTRY

CHALLENGES

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Title of the Project

Solid Waste Management

Government Girls P.G. College Ujjain , (M.P.)

Signature (Guide)
Dr. G.D. Agrawal

Signature (student)
Muskan Rudrawal

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Introduction:

The Solid waste management is one of the most essential services for maintaining the quality of the life in the urban areas and for ensuring better standard of health and sanitation. In India, this services falls short of the desired level as the system adopted are outdated an inefficient institutional weakness, shortage of human and financial resources, improper choice of technology, inadequate coverage and lack of short and long turn planning are responsible for the inadequacy of service. The city of Ujjain is also having these deficiencies in varying degrees and there is need to make substantial improvement in the SWM practices prevailing in the city to raise the standard of health, sanitation and urban environment keeping pace with the rapid urbanization and growing population. The adverse effect environment due to lack of scientific management of waste disposal is well known.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Changes required to improve waste management in India

Core to the vision for waste management in India is the use of wastes as resources with increased value extraction, recycling, recovery and reuse. ULBs need to be responsible for waste management, with the ULB Commissioner and Chairman directly responsible for performance of waste management systems. Waste management needs to be regarded throughout Indian society as an essential service requiring sustainable financing. The case presented to a ULB for a properly funded system must demonstrate the advantages of sound investment in waste management.

A strong and independent authority is needed to regulate waste management if SWM is to improve in India. Without clear regulation and enforcement, improvements will not happen. Strong waste regulations can drive innovation.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT. GIRLS PG COLLEGE

UJJAIN (M.P)

Project report on-

WATER TREATMENT PLANT PROCESS

SUBMITTED TO CHEMISTRY DEPARTMENT

Signature of guide :..................................

Guided by –

DR. G.D.AGRAWAL

Signature of student :..........................

Name of student - PAYAL SHARMA

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

INTRODUCTION

Water Treatment is any process that improves the quality of water to make it more acceptable for a specific end-use. The end use may be drinking, industrial water supply, irrigation, river flow maintenance, water recreation or many other uses, including being safely returned to the environment. Water treatment removes contaminants and undesirable components, or reduces their concentration so that the water becomes fit for its desired end-use. This treatment is crucial to human health and allows humans to benefit from both drinking and irrigation use. Water treatment plants are still being used throughout the country.
The term treatment means separation of solids and stabilization of pollutants. In turn stabilization means the degradation of organic matter until the point at which chemical or biological reactions stop. Treatment can also mean the removal of toxic or otherwise dangerous substances (for e.g. heavy metals or phosphorous) which are likely to distort sustainable biological cycles, even after stabilization of the organic matter.
They typically consist of several steps in the treatment process. These include:

a) Collection

b) Screening and Straining

c) Chemical Addition

d) Coagulation and Flocculation

e) Sedimentation and Clarification

f) Filtration

g) Disinfection

h) Storage

i) and finally Distribution

General Parameters to measure organic pollution.COD (Chemical Oxygen Demand) is said to be the most general parameter to measure organic pollution. COD describes how much oxygen is required to oxidise all organic and inorganic matter found in the wastewater sample. BOD (Biological Oxygen Demand) describes what can be oxidized biologically,

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

Usually BOD is measured as BOD5 meaning that it describes the amount of oxygen consumed over a five-day measurement period. It is a direct measurement of the amount of oxygen consumed by organisms removing the organic matter in the waste. SS (Suspended Solids) describes how much of the organic or inorganic matter is not dissolved in water and contains settle-ablesolids that sink to the bottom in a short time and non-settle-able suspended solids. It is an important parameter because SS causes turbidity in the water causing clogging of filters etc. The mentioned parameters are measured in 'mg/l'.

CHEMICAL OXYGEN DEMAND (COD):

The **chemical oxygen demand** (**COD**) is an indicative measure of the amount of oxygen that can be consumed by reactions in a measured solution. It is commonly expressed in mass of oxygen consumed over volume of solution which in SI units is milligrams per litre (mg/L). A COD test can be used to easily quantify the amount of organics in water. The most common application of COD is in quantifying the amount of oxidizable pollutants found in surface water (e.g. lakes and rivers) or wastewater. COD is useful in terms of water quality by providing a metric to determine the effect an effluent will have on the receiving body, much like biochemical oxygen demand (BOD).

BIOCHEMICAL OXYGEN DEMAND (BOD):

Biochemical Oxygen Demand (**BOD**) is the amount of dissolved oxygen needed (i.e. demanded) by aerobic biological organisms to break down organic material present in a given water sample at certain temperature over a specific time period. The BOD value is most commonly expressed in milligrams of oxygen consumed per litre of sample during 5 days of incubation at 20 °C and is often used as a surrogate of the degree of organicpollution of water.

BOD can be used as a gauge of the effectiveness of wastewater treatment plants. BOD is similar in function to chemical oxygen demand (COD), in that both measure the

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

MANUFACTURING OF ORS AT ZURICH HEALTH CARE

Govt.Girls P.G. College Ujjain (M.P.)

Signature of Guide :

....

Signature of Student :

Khushboo

....

Name of Guide :

Dr. Gopal Das Agrawal

Name of Student :

Khushboo Sharma

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

Mehndi Design

Govt. Girls P.G. College

Signeture.................. Prof. Rekha Sharma

Signeture.................. Amatulla Rangwala

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Introduction

32 Simple Mehndi Designs For Beginners Step By Step

When I was a little girl, I would always ask my mom and aunt to put mehndi on my hands whenever I see them putting beautiful mehndi design on various occasions. I was always attracted by the color and the amazing design that could be conceived out of it. Little did I know that girls by nature develop an intimate bond with mehndi or more specifically henna.

But my penchant for this particular form of traditional body art grew so much that over the time I practiced this art and very soon I became a popular mehndi artist in my circle.

Whether it's my friend's wedding or we have a family wedding, I'm the first person bride looks for as she feels I'm her ultimate savior on her mehndi ceremony.

Mehndi In India

Having said that let's have a quick knowledge transfer on how mehndi paved its way into Indian culture.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

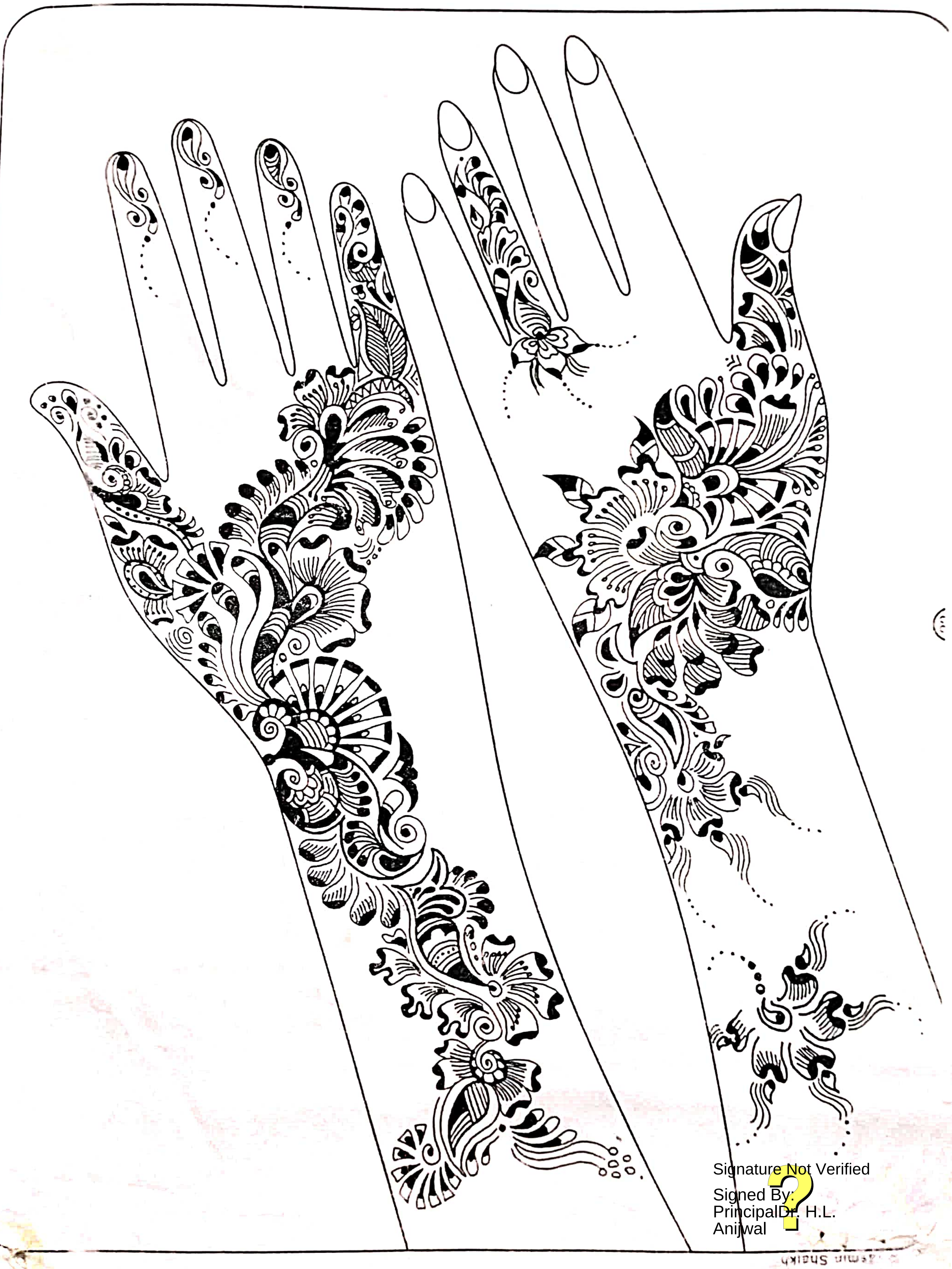

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

HAPPINESS IS HOMEMADE

CRAFT WORK

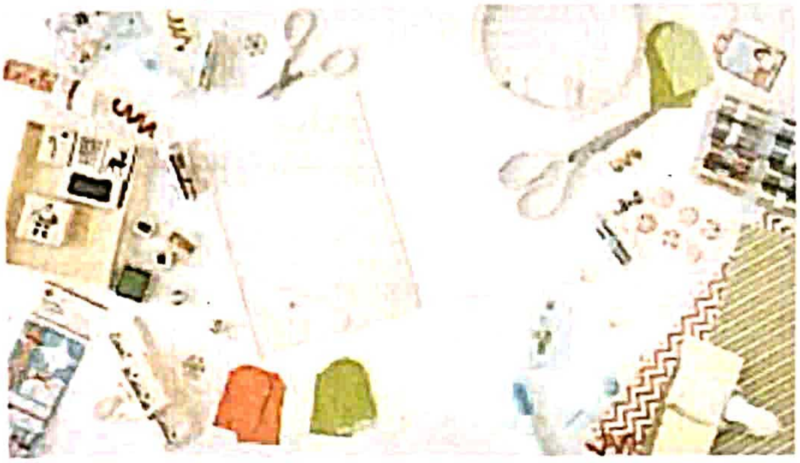

GOVT.GIRLS P.G COLLEGE

SIGNATURE______________ SIGNATURE______________

MRS. REKHA SHARMA MAM FATEMA ATTARWALA

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Leaf: Wind and glue a loose coil. Pinch on opposite sides of the coil, and curl the two points in opposite directions.

Step 5: Making Scrolls

Each of the scroll shapes starts with one or more windings. Pinching and curling are also used to form the shapes. Practice making each shape before trying a quilling project.

Heart scroll: Pinch the paper strip in the middle. Wind each end toward the middle. The coils are allowed to spring apart and are usually left unglued. *The scroll may be glued where the coils meet.*

V scroll: Pinch the paper strip in the middle. Wind each end away from the crease. *A closed V scroll can be made by gluing the middle of the V together.*

S scroll: Wind one end of the paper strip just past the center. Release and turn the strip. Wind the other end just past the center, and release.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

V: Fold a very short strip of paper in half. Curl the ends away from the fold.

Step 6: Using Coils and Scrolls

The *real art* of quilling is when you combine a variety of quilling shapes to make pictures and decorations. Make six *eye coils* or *teardrop coils* and glue them together to form a flower with a *tight coil* center, or make a vine with a strip of green paper and several *teardrop coils*. The possibilities for combinations are endless.

Assemble your designs on wax paper, using a toothpick to apply the glue. After a design is complete, you can use it to decorate anything— a gift tag, card, picture, pendant, napkin ring, jewelry box, etc. Use glue to attach your decoration.

Tip: For your first coils, start with 1/8" paper strips that are 4" to 6" long and form closed coils that are 3/8" to 1/2" in diameter. The closed coils can be shaped into teardrop, eye, petal or leaf shapes and combined to form any number of designs.

Step 7: Quilling Projects

Choose the quilling project pattern that you want to use. Each pattern lists the width, length, and color of the required paper strips, the shapes used, and an outline of the pattern. Make the shapes and assemble the design. These projects are just some simple examples of how to use quilling. After you complete these projects, you can come up with your own ideas and designs. One of the favorite uses of quilling is as a border

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

HANDICRAFT

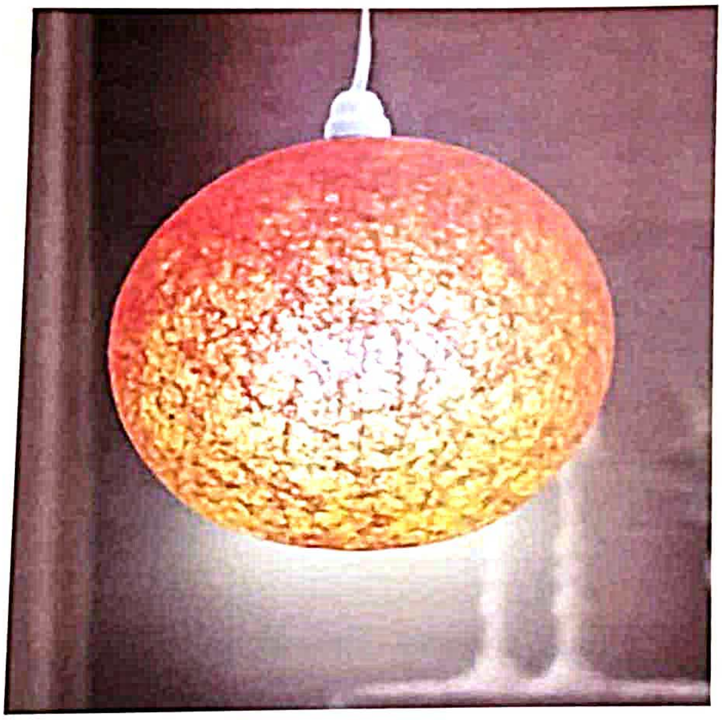

Govt. Girls P.G. College

Signature..................

Signature..................

Prof. Rekha Sharma

Batul Burhani

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

METHOD

Steps1

Get your supplies. For the most basic cushion, you'll need fabric, a foam pad (or pre-existing cushion), cotton batting, a zipper, sewing machine, and matching thread. Pretty simple, right? You'll also need a few basic tools, including scissors, a measuring tape, a ruler, an iron, and straight pins.Be sure to choose a sturdy upholstery fabric; cushions suffer a lot use and damage, meaning that not just any fabric will hold up. If you're not reupholstering a cushion you already have, choose a sturdy, heavy-weight cushion that is comfortable for sitting (not just what's on sale). Your bum will appreciate the extra few dollars.

Step-2

Take your measurements. If you're reupholstering a pre-existing cushion, start by removing the cover and cutting the seams. Measure the original piece of fabric, and get the same amount of your new fabric to reupholster it. You'll need two pieces of fabric: the top piece (just the length by the width) and the bottom piece (the length, width, and depth - or sides -). If you're making a cushion from scratch, you'll need three basic measurements: the length, the width, and the depth.To find the length, measure the longest side and add 1 extra inch. To find the width, measure the shorter side and add 1 extra inch. To find the depth, measure the height, double this measurement, and add 1 inch (2.5 cm). For example, if the height is 4-inches, double this to get 8-inches, and add 1 additional inch for a total of 9-inches.

Step-3

Prepare your fabric. If you've bought brand new fabric that is not pre-washed, you should wash your fabric (according to package instructions) to prevent it from shrinking later on. Lay your fabric out flat, and cut it to size according to your measurements. If necessary, use your iron to remove any wrinkles that might exist.

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

FLOWER VASE

INTRODUCTION

A **vase** is an open container. It can be made from a number of materials, such as ceramics , glass, non-rusting metals, such as aluminum, brass, bronze or stainless steel. Even wood has been used to make vases, either by using tree species that naturally resist rot, such as teak, or by applying a protective coating to conventional wood. Vases are often decorated, and they are often used to hold cut flowers.

Vases generally have a similar shape. The foot or the base may be bulbous, flat, carinate,[1] or another shape. The body forms the main portion of the piece. Some vases have a shoulder, where the body curves inward, a neck, which gives height, and a lip, where the vase flares back out at the top. Some vases are also given handles.

Various styles and types of vases have been developed around the world in different time periods, such as Chinese ceramics and Native American pottery. In the pottery of ancient Greece "vase-painting" is the traditional term covering the famous fine painted pottery, often with many figures in scenes from Greek mythology. Such pieces may be referred to as vases regardless of their shape; most were in fact used for holding or serving liquids, and many would more naturally be called cups, jugs and so on. In 2003, Grayson Perry won the Turner Prize for his ceramics, typically in vase form.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

IRON DEFECIENCY ANEMIA

GOVERNMENT GIRLS PG COLLEGE UJJAIN

PROJECT

SUBMITTED BY: KHADIJA DEWASWALA

GUIDED BY: Dr REKHA SHARMA MAM

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

ROLES OF IRON

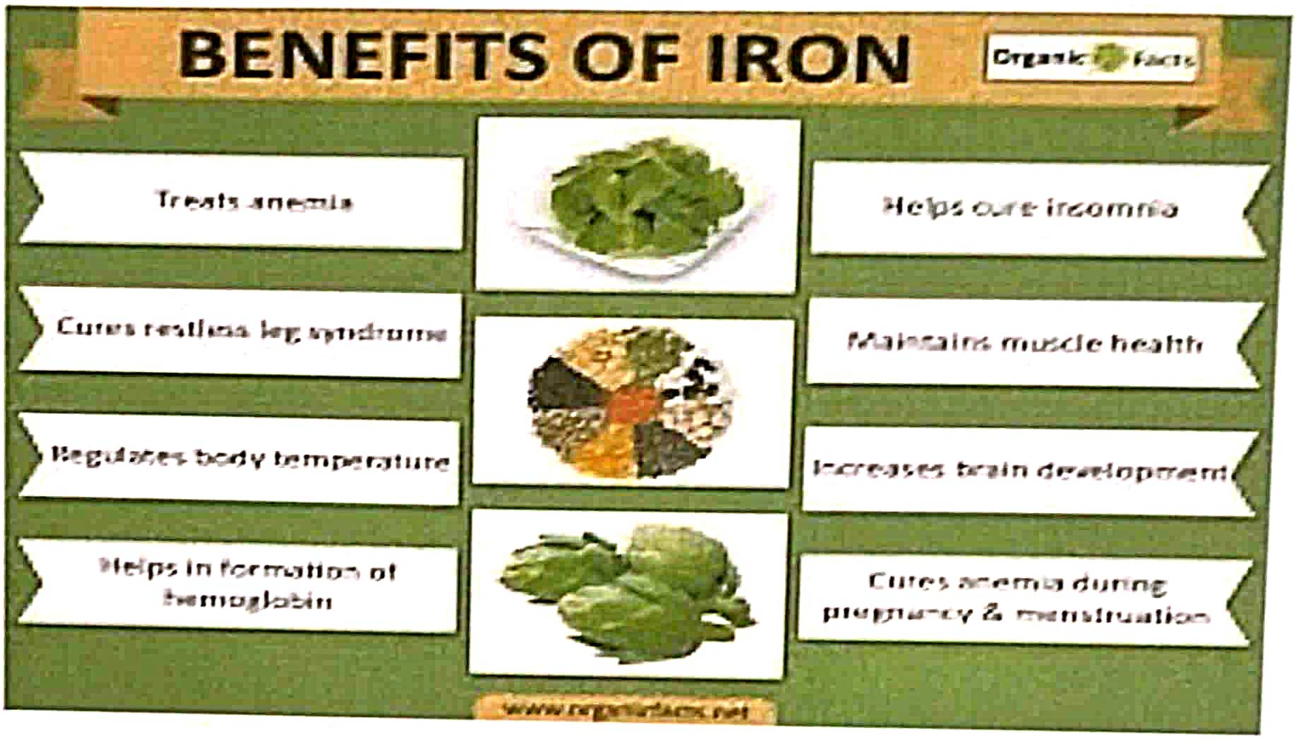

1) ***Hemoglobin formation*:**

The main health benefit of a diet high in iron is the formation of hemoglobin. Hemoglobin is the carrier of oxygen throughout the body and gives the dark red color to the blood.

2) ***Oxygen carrier*:**

Iron acts as a carrier of oxygen and helps transfer oxygen from one body cell to another.

3) ***Muscle Function*:**

Iron is a vital element for muscle health and is found in myoglobin, a muscle protein. Myoglobin carries oxygen from hemoglobin and diffuses it throughout muscle cells. This is required for contraction of muscles.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

SURVEY OF PEOPLE SUFFERING FROM ANEMIA IN UJJAIN

A survey on the weekly Iron and Folic Acid Supplementation programme was conducted in Ujjain districts during January 2017 covering 700 cases.

A total of 300 male and 600 female were included. Anemia is higher in women as compared to men. The survey revealed that about 98% adolescents, pregnant women and lactating mothers in the district were anemic. As many as 52.1% of women were unaware of the need of additional dietary demand during gestation and lactation the survey found.

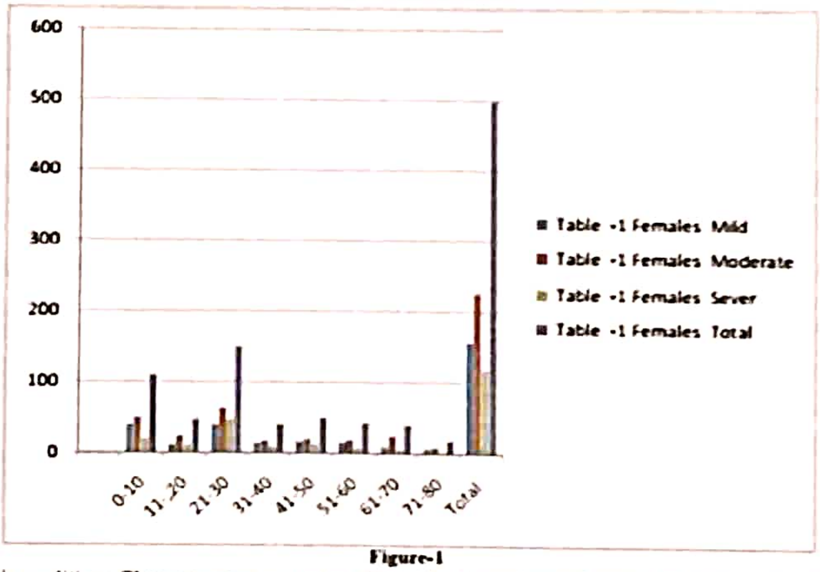

Figure-1

Female anaemic conditions. The commonest age group affected by Anaemia was found 21-30 compared to other age group

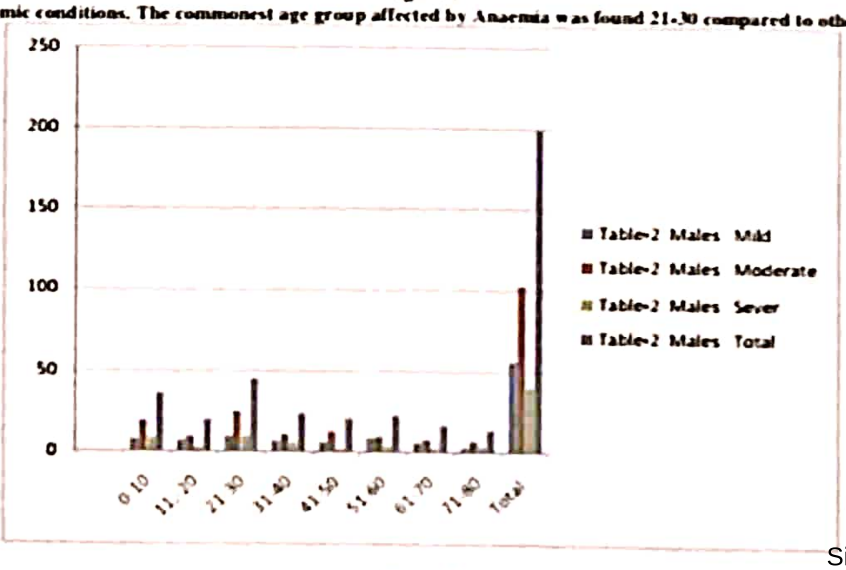

Figure-2

Male anaemic conditions, the commonest age group affected by Anaemia was found 21-30 compared to other age group

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

एन.सी.सी. प्रोजेक्ट

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन

GOVERNMENT GIRLS' POST GRADUATE COLLEGE, UJJAIN
ESTD. 1958

शिक्षक (निर्देशक)	हस्ताक्षर विद्यार्थी
डॉ. रेखा शर्मा	दीपिका विश्वकर्मा

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

NCC CREATES WORLD RECORD ON INTERNATIONAL DAY OF YOGA : 21 JUNE 2015

Press Information Bureau

National Cadet Corps (NCC), the premier youth organisation of the Nation Created a record for the largest Yoga performance simultaneously at multiple venues by a single uniformed youth organization.

The cadets performed the Asanas as per the protocol given by the ministry of Ayush from 0700 AM to 0735 AM at all venues including Rajpath in New Delhi. The performance of Yoga by more than 9,50,000 NCC cadets on International day of yoga was conducted pan India at 1804 venues, including Leh in the North, Dwarka in the West, Tezu (Arunachal Pradesh) in the East, Nagarcoil (Kanyakumari) in the South and in the Islands of Andaman & Nicobar and Laksadweep, which was a phenomenal achievement by itself.

INDORE (MIT)
1803 CDTS

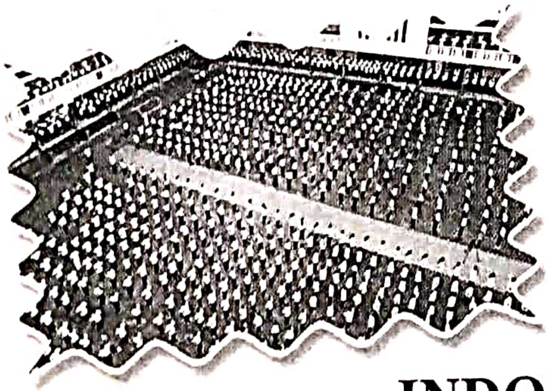

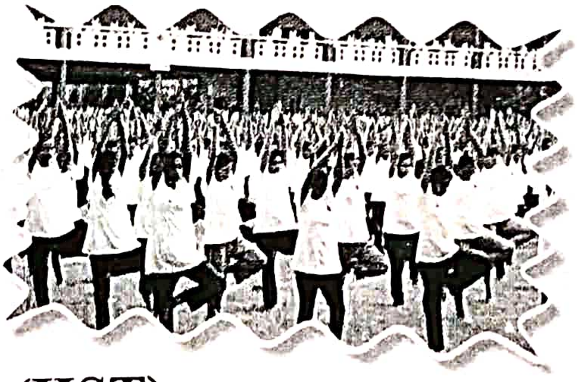

INDORE (IIST)
1730 CDTS

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

INCENTIVE FOR CADETS

The contribution of the NCC towards the development of the youth is recognized all over the country. Many ex-cadets of the NCC are today holding senior positions in political field, civil services, Armed Forces, media and business, in fact, in every walk of life. The Govt recognizes that the cadets need to be duly rewarded for the valuable time they devote in the NCC, so that the Nation too can benefit from the qualities imbibed by them through NCC training. Accordingly, a number of incentives are given to NCC cadets by the Central Govt, State Govts and by Private Companies as well. These incentives are in the form of concessions in employment and the academic field; as also, scholarship, cash awards, prizes, medals and trophies.

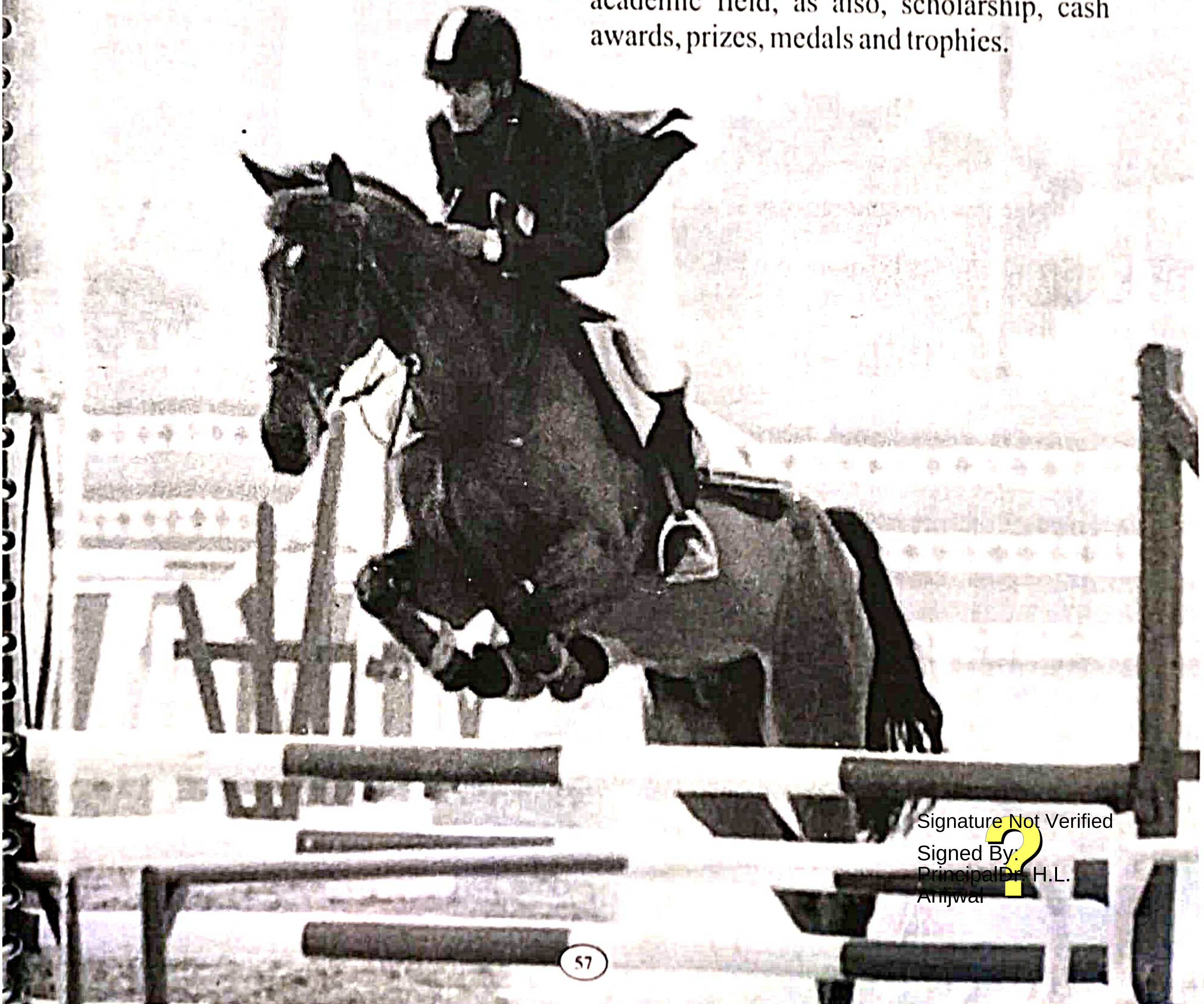

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Ahijwal

PROJECT REPORT

ON

BLOCK PRINTING

Project report submitted to

Govt. Girls P.G College, Ujjain

Signature (guide)

Ass. Prof. Rekha sharma

Signature (student)

Fatema chakkiwala

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

This is an ancient technique, dating back at least to the ancient civilizations of India, Egypt, China, and Assyria, but used widely throughout history around the world.

History of Block Printing

The earliest known examples of **block prints** come from China over 2,000 years ago. From there, it spread to India. It didn't reach Europe until hundreds of years later. Block printing continued to be commonly used in Asia until the 19th century, when it was replaced by modern developments in print-making. At first, block printing was only used for artwork printed on fabric. Later, it was also applied to paper.

The Value of Block Printing

Imagine for a moment that you live in the year 1,000 C.E. and you have an idea you want to write down and share with others. Maybe you have important news to spread, or just a really funny anecdote. But you have no internet, no computers, and no copy machines. You are left with two options:

1. Write your document over and over, a tedious and time-consuming task, or
2. Create a block print, where you produce the page once on a block of wood and print it as many times as desired.

Block Printing in Olden Types

Records indicate that in the 12th century, numerous places in India, namely in the south, western and eastern coasts of India became renowned for their excellent printed cotton. The brush or kalam (pen) was used on the southeastern coast, and the resist

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

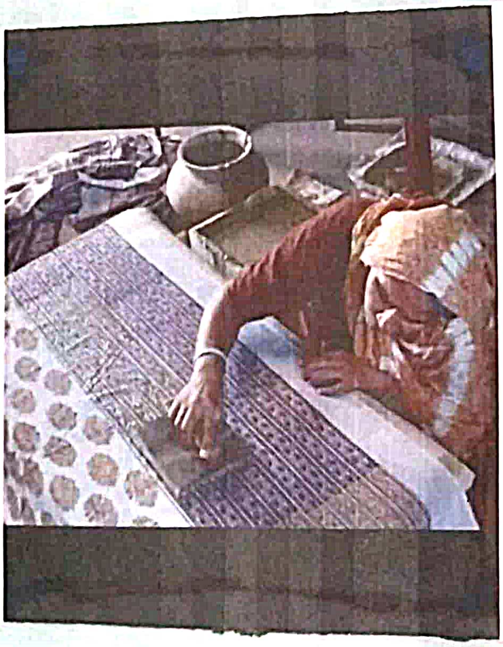

STAMPING METHOD.

Types of block printing

1. Wooden Block Printing.

Woodblock printing is a technique for printing text, images or patterns used widely throughout East Asia and originating in China in antiquity as a method of printing on textiles and later paper. As a method of printing on cloth, the earliest surviving examples from China date to before 220 AD, and woodblock printing remained the most common East Asian method of printing books and other texts, as well as images, until the 19th century. *Ukiyo-e* is the best known type of Japanese woodblock art print. Most European uses of the technique for printing images on paper are covered by the art term woodcut, except for the block-books produced mainly in the 15th century.

The wood block is carefully prepared as a relief pattern, which means the areas to show 'white' are cut away with a knife, chisel, or sandpaper leaving the characters or image to show in 'black' at the original surface level. The block was cut along the grain of the wood. It is necessary only to ink the block and bring it into firm and even contact with the paper or cloth to achieve an acceptable print. The content would of course print "in reverse" or mirror-image, a further complication when text was involved. The art of carving the woodcut is technically known as *xylography*, though the term is rarely used in English.

For color printing, multiple blocks are used, each for one color, although overprinting two colors may produce further colors on the print. Multiple colors can be printed by keying the paper to a frame around the woodblocks.

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Fabric Surface Decoration

Project Report Submitted To:

Govt. Girls P.G. College, Ujjain

Signature (Guide)

Signature (Student)

Name of The Guide:
Dr. Rekha Sharma Madam

Name of The Student :
Sakina Bombaywala

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Introduction

The present-day range of fabrics is immense, from natural fabrics such as cotton, wool or silk to man-made fabrics based on polyester, polyamide and other human processed fabrics. The diversity of the fabrics as well as design was always intrigued by new looks ruled by different outfits and extravagant costumes which gave rise to the elaborate fashion industry of today. The fast pace fashion industry takes advantage not only of the great fabric variety but also of the textile printing possibilities which were not always readily available as they are today.

Surface Design encompasses the coloring, patterning, and structuring of fiber and fabric. This involves creative exploration of processes such as

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

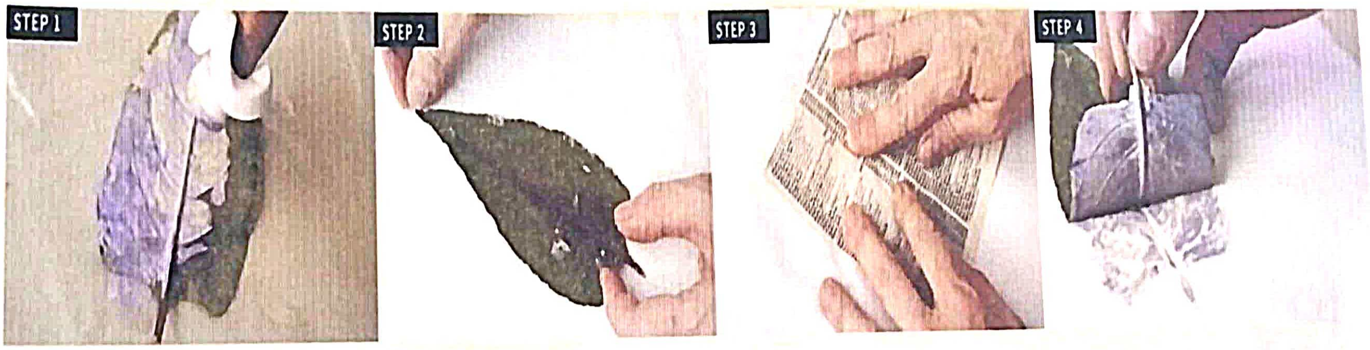

Exploring the Possibilities:

Printing with Fruits, Vegetables, and Flowers

Remember potato printing in kindergarten? Well, it isn't just for kids. You can successfully use all sorts of fruits and vegetables for printing on fabric using medium- or heavybody paints and artist acrylics mixed with textile medium. Some items I've found particularly successful are slices of rutabaga,

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

चित्रकला परियोजना कार्य

“ब्यूटी पार्लर के रूप में रोजगार के अवसर”

(चित्रकला)

महाविद्यालय का नाम

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

हस्ताक्षर निर्देशक | **हस्ताक्षर विद्यार्थी**

निर्देशक का नाम
प्रो. रंजना वानखेड़े मेडम

विद्यार्थी का नाम
शुभाली जैन

K Bharadwaj

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

Date ___/___/___
Page ______

ब्यूटीशियन कितने प्रकार के होते हैं

जैसा कि beautician के Course में ब्यूटी पार्लर से संबंधित बहुत से कामों को सिखाया जाता है। इसके अलावा बहुत सारे Specialized Course हैं जिन्हें करके आप किसी एक क्षेत्र मे एक अच्छे स्पेशलिस्ट बन सकते हैं।

इसके अंतर्गत आने वाले ~~क~~ प्रमुख स्पेशलिस्ट निम्नलिखित हैं।

* Hairstylist
* Wedding stylist
* Beautician
* Cosmetologist
* Celebrity stylist
* Nail technician.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Date __/__/__
Page ____

थ्रेडिंग (Threading)

थ्रेडिंग बालों को हटाने का एक तरीका है। जिसका उपयोग ज्यादातर भौंहे, होंठों के उपर और निचले हिस्से, ठोडी और गाल पर किया जाता है। खास तौर से ये आइब्रो को शेप देने का तरीका है। इस से आइब्रो के अनचाहे बालो को हटाया जाता है और इसे एक सुन्दर शेप दिया जाता है। आज के मोडर्न टेक्नीक्स के जमाने मे भी ये प्राचीन तकनीक महिलाओ की पहली पसंद है।

थ्रेडिंग मे इस्तेमाल किये जाने वाले प्रोडक्ट्स

- 40 नम्बर का थ्रेड
- टेलकम पाउडर
- कॉटन (रुई)
- कैंची
- मोस्चोराइजर क्रिम

थ्रेडिंग करने की विधि :

1. थ्रेडिंग बनाने के पूर्व अस्ट्रीजेंट लोशन का उपयोग कर हाथों की बैक्टिरिया को दूर करते हैं।

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

ढोकरा कला--भरेवा शिल्पकारो की हत्कंपन का मूर्तरूप

एम ए .चतुर्थ सेमेस्टर

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर -
-महाविद्यालय, उज्जैन, म प्र

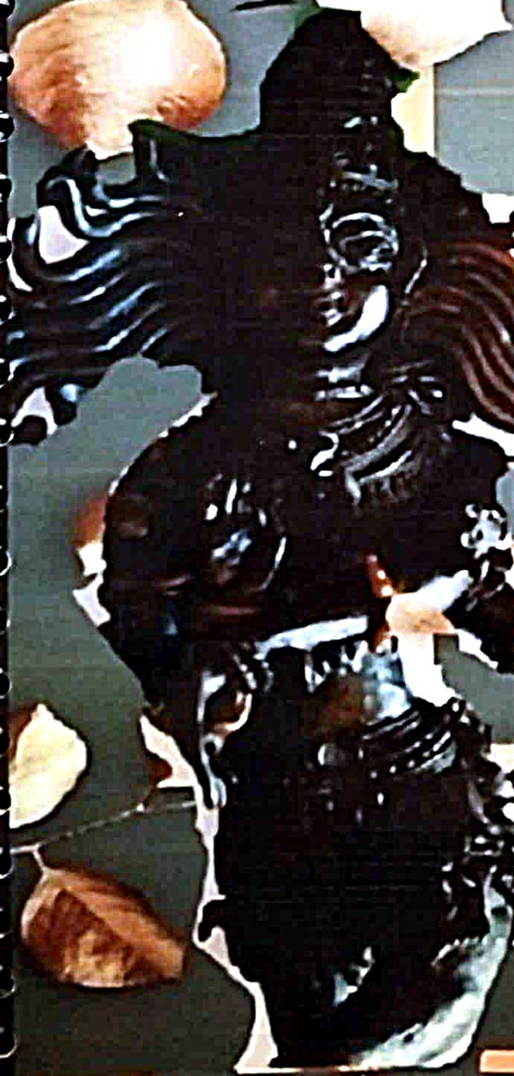

हस्ताक्षर (निर्देशक)	हस्ताक्षर (विद्यार्थी)
	फाल्गुनी
निर्देशक (विभागाध्यक्ष) का नाम-	विद्यार्थी का नाम -
डॉ रंजना जी वानखेडे	कु फाल्गुनी अग्रवाल

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anjiwal

ढोकरा कला – भारेवा शिल्पकारो की हत्कंपन का मूर्तरूप

परिचय:

स्थानीय रूप से 'भराई काम' के रूप में जाना जाता है, ढोकरा खोई हुई मोम की ढलाई की प्राचीन तकनीक का उपयोग करके पीतल को तराशने की कला है। पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और मध्य प्रदेश में प्रचलित, यह धातु शिल्प विभिन्न जनजातियों के भीतर अपने शुद्ध लोक रूपांकनों और आकृतियों में अभिव्यक्ति के विभिन्न रूप पाता है।ढोकरा में आदिवासी प्रभाव

गोंडों की एक उप-जनजाति बैतूल का भारेवास समुदाय अभी भी आस-पास के गांवों जैसे आंवला, तिगरिया, बरखेड़, चुनाहाजुरी और कमलेशरा में इस शिल्प को सुधारने और समृद्ध करने के लिए अपने सभी प्रयास कर रहा है। अपनी संस्कृति से जुड़े, कलाकारों ने पारंपरिक रूप से दूल्हे द्वारा पहना जाने वाला खंजर, उसके माता-पिता द्वारा दुल्हन को उपहार में दिए गए तेल के दीपक और आदिवासी देवताओं के लिए सामान जैसी औपचारिक वस्तुएं बनाईं। जनजातीय समुदाय के बीच शिल्प से जुड़ा सबसे लोकप्रिय अनुष्ठान नवविवाहितों के घर में उनकी नई यात्रा के लिए आशीर्वाद देने के लिए देवता को स्थापित करना है। सरल से जटिल के साथ, आज कारीगरों ने नवीन डिजाइनों और रूपांकनों के साथ शिल्प को और अधिक आकर्षक बनाने के लिए कई नए तरीके खोजे हैं। प्रत्येक टुकड़ा एक कहानी कहता है, जो आमतौर पर प्रकृति और आदिवासी मान्यताओं से प्रेरित होता है। इसलिए, ढोकरा का हर टुकड़ा कीमती, सुंदर और अद्वितीय है!

राज्य अपनी समृद्ध कला और शिल्प के माध्यम से अपनी सांस्कृतिक विविधता के बारे में बात करता है। नाजुक बुनाई से लेकर उत्कृष्ट कलाकृतियों की एक अच्छी श्रृंखला तक, अतुल्य भारत के दिल में कई विशिष्ट शिल्प और प्रतिभाशाली शिल्पकार हैं, जो अनगिनत उत्कृष्ट कृतियों को बनाने के लिए अपनी आत्मा और दिल देते हैं। ढोकरा एक ऐसी आकर्षक कला है जो राज्य में काफी लोकप्रिय है। यह स्थानीय आदिवासी समुदाय द्वारा बैतूल जिले में व्यापक रूप से प्रचलित है। यह एक अलौह (लौह या स्टील के अलावा) धातु मोल्डिंग शिल्प है, जिसे खोया-मोम कास्टिंग तकनीक का उपयोग करके बनाया गया है।

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

परियोजना का शीर्षक
मूर्तिकला

चित्रकला

Submitted To Dr. Ranjana Wankhede

शासकीय कन्या महाविद्यालय उज्जैन(म .प्र.)

हस्ताक्षर(मार्गदर्शक)

मार्गदर्शक का नाम

रंजना वानखेडे

हस्ताक्षर(विद्यार्थी)

विद्यार्थी का नाम

नेहा जाट

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

हड़प्पा कालीन मूर्तिकला

1. हड़प्पा सभ्यता में मृण मूर्तियों[मिट्टी की मूर्ति], प्रस्तर मूर्ति तथा धातु मूर्ति तीनों गढ़ी जाती थी।

2. मिट्टी की मूर्तियां लाल मिट्टी एवं क्वार्टज नामक प्रस्तर के चूर्ण से बनाई गई कांचली मिट्टी से बनाई जाती थी।

3. धातु मूर्तियों के निर्माण के लिए हड़प्पा सभ्यता में मुख्यतः तांबा व कांसा का प्रयोग किया जाता था।

4. सेलखड़ी पत्थर से बनी मोहनजोदड़ो की योगी मूर्ति[अध खुले नेत्र, नाक के अग्रभाग पर टिकी दृष्टि, छोटा मस्तक व सवरी हुई दाढ़ी] इसकी कलात्मकता का प्रमाण है।

5. मोहनजोदड़ो से प्राप्त एक नर्तकी की धातु मूर्ति[कासा] भी मूर्ति कला का बेजोड़ नमूना है।

6. हड़प्पा कालीन दायमाबाद [महाराष्ट्र] से प्राप्त बैलगाड़ी को चलाते हुए गाड़ीवान की मूर्ति भी मूर्ति कला का उत्कृष्ट उदाहरण है।

7. मिट्टी की मूर्तियों में हड़प्पा काल मैं मुख्यतः सीटियां, झुंझुने , खिलौने और वृषभ आदि बनाए गए।

हड़प्पा सभ्यता की मूर्तियां

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

गांधार शैली

1. यह विशुद्ध रूप से बौद्ध धर्म से संबंधित धार्मिक प्रस्तर मूर्ति कला शैली है ।
2. इसका उदय कनिष्क प्रथम(पहली शताब्दी) के समय में हुआ तथा तक्षशिला, कपिशा, पुष्कलावती, बामियान- बैग्राम आदि इसके प्रमुख केंद्र रहे।
3. गांधार शैली में स्वात घाटी के भूरे रंग के पत्थर काले स्लेटी पत्थर का इस्तेमाल होता था।
4. गांधार शैली के अंतर्गत बुद्ध की मूर्तियां या प्रतिमा आसन या स्थानक दोनों मुद्राओं में मिलती है।
5. गांधार मूर्तिकला शैली के अंतर्गत भगवान बुद्ध प्रायः वस्त्र युक्त, घुंघराले बाल व मूंछ सहित, ललाट पर उर्णा , सिर के पीछे प्रभामंडल तथा वस्त्र सलवट या चप्पल युक्त विशेषताओं से परिपूर्ण है।
6. गांधार कला शैली में बुद्ध मूर्ति कि जो भव्यता है उससे भारती कला पर यूनानी एवं हेलेनिस्टिक प्रभाव पड़ने की बात स्पष्ट होती है।

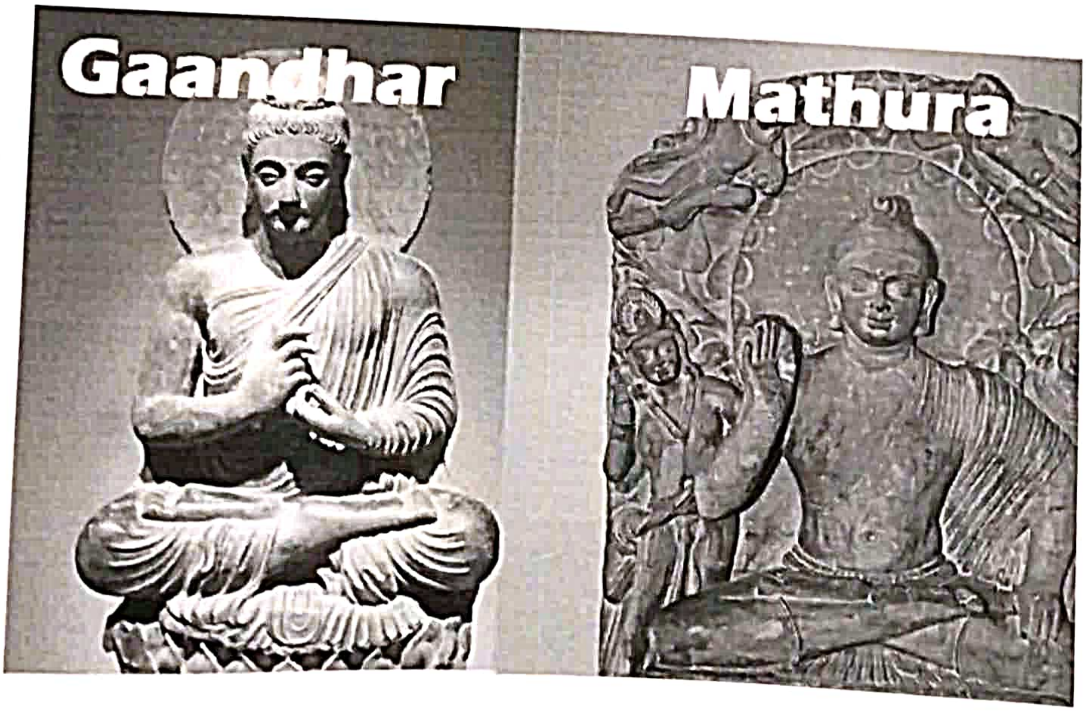

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Title of Project

Professional Painting Work

Submitted to

Dr. Ranjana Wankhade

GOVT. GIRLS DEGREE COLLEGE, UJJAIN (M.P.)

(Guide)

Submitted By :-

Heena Purohit

Dr. Ranjana Wankhade
H.O.D.
Drawing & Painting
G.D.C. Ujjain (M.P.)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

पेड़–पौधों का अध्ययन

पेड़–पौधों हमारे जीवन का आवश्यक अंग है। ये अनेक प्रकार के होते है। कुछ बहुत बड़े, कुछ बहुत ही छोटे। इनके आकार के आधार पर इन्हें चार वर्गो में वर्गीकृत किया गया है।

ऊँचे काष्ठीय तनों के पौधे वृक्ष कहलाते है, जैसे –आम, सेब आदि। अत्यन्त छोटे पौधों को शाक (Herbs) कहते है। जैसे– बंदगोभी, पालक और पुदीना आदि। कठोर, तने वाले छोटे पौधे झाड़ी .(Shrubs) कहलाते है, जैसे–गुलाब, तुलसी, चमेली आदि।

कुछ पौधों के तने बहुत कमजोर होते है। इनको आधार की आवश्यकता होती है। इन्हें आरोही (Climbers) कहते है, जेसे–मटर, अंगूर, मनी प्लांट आदि है।

कुछ पौधे भूमि पर उगते है, कुछ पानी में, कुछ पहाड़ों की ढालानों पर और कुछ रेगिस्तानों में भूमि पर उगने वाले पौधों को स्थलीय पौधे (Terrestrial Plants) कहते है, जैसे– आम, सेब, केला, गुलाब, नारियल आदि। कमल, वाटरलिली, वाटर हाइसिंथ, हाइड्रिला आदि जलीय पौधों (Aquatic plants) के अन्तर्गत आते है। फर, शीशम, चीड़ तथा स्प्रूस पर्वतीय पौधे (mountain plants) कहलाते है। रेगिस्तानों में उगने वाले पौधों में कांटे होते हैं, जैसे – खजूर, कैकटस (catus), कंटीलीनाशपाती (prickly pear) आदि।

पेड़–पौधों की ड्राइंग के लिए उनका अध्ययन आवश्यक है। तने और शाखाओं की बनावट, पत्तियों, फल और फूलों के आकार पर ध्यान देना चाहिए। बड़े वृक्षों की ड्राइंग दूर से बनाई जाती है, इसलिए उनकी आकृति ऐसी होना चाहिए कि उसे देखकर पेड़ की पहचान हो सके। पहले एक रफ आकार बनाएं और बाद में डिटेल्स निकालें। पेड़–पौधों के प्राकृतिक रंगों पर विशेष ध्यान दे।

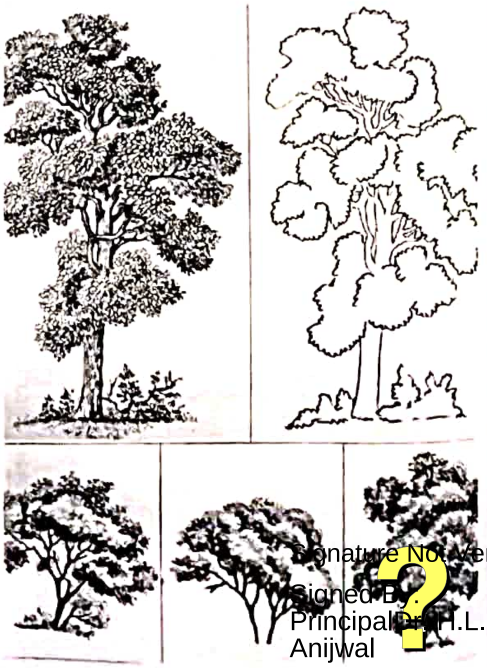

Signature Not Verified
Signed By: Principal Dr. H.L. Anijwal

फल तथा सब्जियों का चित्रण

भोज्य पदार्थो में फलों का विशेष महत्व है। आम, अमरूद, केला, अंगूर, अनन्नास, संतरा, चीकू, अनार, सेब, नाशपाती, खरबूजा, तरबूज, पपीता, जामुन, बेर आदि फल ताजी अवस्था में उपलब्ध होते है।

फल सूखी अवस्था में भी इस्तेमाल किए जाते है जिन्हें ड्राई फ्रूट या मेवा कहते है। काजू, किशमिश, चिलगोजा, बादाम, अखरोट, छुआरा, पिस्ता, नारियल आदि प्रमुख ड्राई फ्रूट है।

पौंधों के विभिन्न अंग सब्जियों के रूप में प्रयोग किए जाते है। मूली शल्जम, गाजर, शकरकन्द, चुकन्दर आदि जड़े है। आलू, अदरक, अरवी, जमीकन्द, प्याज, लहसुन आदि कंद का रूप है। पत्तियों के रूप में पालक, मेथी, बथुआ, सरसों सोया, पत्तागोभी होती है। कचनार, फूलगोभी आदि पुष्प कलिकाएं है। टमाटर, बैंगन, तोरोई, भिंडी, केला, कटहल आदि फल का स्वरूप है।

फल और सब्जियों के आकार, टेक्सचर और रंग का अध्ययन करना चाहिए। अधिकांश फल और सब्जियों की आकृतियां, अण्डाकार, गोलाकार, त्रिभुजाकार, वर्गाकार या आयताकार होती है। ड्राइंग करने से पूर्व रफ आकार बनाएं और बाद में उसे सही रूप दें। ड्राइंग ठीक हो जाने के बाद रंगों की तरफ ध्यान देना चाहिए। फल और सब्जियों का सम्पूर्ण सौन्दर्य उनकी आकृति की वास्तविकता के साथ–साथ प्राकृतिक रंगों पर भी आधारित है। हल्के रंगों से शुरूआत करे और धीरे–धीरे रंगों को गहरा करते जाएं। प्रकाश और छाया के साथ–साथ हाइलाट के इस्तेमाल से चित्रण में आकर्षक, सौन्दर्य तथा वास्तविकता की झलक उत्पन्न होती है।

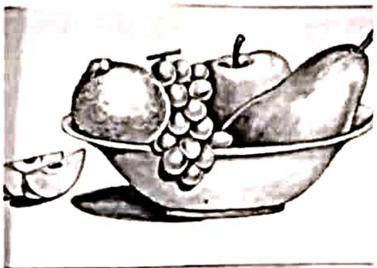

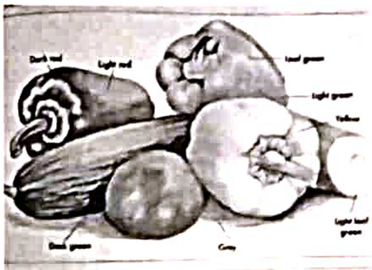

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anjwal

Stitching & Sewing

Submitted To Ranjana Wankhede

Govt. Girls P.G. College

Seen
K Bharadwaj

Sign- [signature] Student sign- Dubey

Ranjana Wankhede Priyanshi Dubey

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

PART-A

- **NAME OF THE PROJECT WORK**

Stitching or Sewing

- **WHAT IS YOUR AIM TO CHOOSE THIS COURSE**

This is very interesting and attractive course by which we have a knowledge of different types of dresses and clothes. In future, with perfect knowledge and experience we can also become a good ent

- **PROJECT IS RELATED TO**

Self Employment.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

PART-B

- **DETAILS OF THE EXPERIENCE OF THE STUDENT DURING THEORY AND PRACTICAL CLASSES.**

This project works helps me in enhancing my knowledge of sewing or stitching very clearly and in detail through theory classes which is taken in the institute where I learned this art. Practically I learned to sew some common clothes which were worn by little childrens; with step by step learned to stitch frock, salwar suits, Lahanga choli, etc etc. Though Practical & theory both the classes are effective and I gained lot from this institution

- **GUIDANCE AND FACILITIES PROVIDED DURING COLLEGE EDUCATION**

Our college provides us various facilities which helps us in our study and as well in comple-

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

STITCHING

SEWING

SUBMITTED TO RANJANA WANKHERE

GOVT. GIRLS P.G COLLEGE

Sign -

Student Sign - Giribala

RANJANA WANKHERE

GIRIBALA CHONGTHAM

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L Anjiwal

GUIDEINCE AND FACILITIES PROVIDED DURING COLLEGE EDUCATION.

Our college provides us various facilities which helps us in our study and as well in completing this project work such as there is a big library in which lots of books are available of different Subjects that helps us in preparing notes and deep study. There is also and computer system in our department from that also we take lots of knowledge and can see different technique of paintings on youtube while inter-net connected.

The teacher or guide also appointed for us to do any work like in college fun-ction for studies and project work.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

JHABLA

PAJAMA

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

• 20th CENTURY AND TODAY

Sewing underwent further developments during the 20th century. As sewing machines became more affordable to the working class, demand for sewing pattern grew. Women had become accustomed to seeing the latest fashions in periodicals during the late 19th and early 20th centuries, increasing demand for sewing patterns yet more. American tailor and manufacture Ebenezer Butterick met the demand with paper pattern that could be traced and used by home sewers. Several pattern companies soon established themselves. Today, the low price of ready made clothing in shops means that home sewing in confined largely to hobbyists in western countries

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT.GIRL'S P.G. COLLEGE UJJAIN (M.P.)

Project Report On

Topic :- Medicinal Uses And Economic Importance of Fennel (Saunf)

Herbal Preparation of Fennel Ark

Group:- Pharmaceutical Chemistry

Signatureofguide:-..............
Name of guide -**Mr.DharmeshRathore**.

Signature of student:..............
Name of student: **Vinita Panchal**

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Fennel (saunf)

Foeniculum vulgare

Classification

Kingdom Plantae – Plants

Subkingdom Tracheobionta – Vascular plants

Superdivision Spermatophyta – Seed plants

Division Magnoliophyta – Flowering plants

Class Magnoliopsida – Dicotyledons

Subclass Rosidae

Order Apiales

Family Apiaceae – Carrot family

Genus Foeniculum

Species Foeniculum vulgare

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

The health benefits of fennel include relief from anemia, indigestion, flatulence, constipation, colic, diarrhea, respiratory disorders, and menstrual disorders. It also aids in eye care. Fennel, which has the scientific name Foeniculum vulgare miller, or its essence, is widely used around the world in mouth fresheners, toothpaste, desserts, antacids, and in various culinary applications.

Fennel Nutrition Facts

According to the USDA National Nutrient Database for Standard Reference, fennel bulb is a good source of energy, vitamin C, dietary fiber, potassium and other essential minerals like calcium, phosphorus, and sodium. It provides iron, magnesium, zinc, niacin, and vitamin K. It also contains estrogen, B-vitamins, beta carotene, vitamin A, flavonols.

Fennel is a diuretic, which means that it increases the amount and frequency of urination, thereby helping the removal of toxic substances from the body and helping in swelling. It also increases the production and secretion of milk in lactating mothers and since this milk contains some properties of fennel, it is an anti-flatulent for the baby as well. It strengthens hair, prevents hair loss, relaxes the body, sharpens memory, and has a marvelous cooling effect in summer. This can be achieved if the pale, greenish-yellow water, in which it is soaked, is ingested with a bit of sugar and black salt.

Phytochemistry of fennel

Phytochemical research carried out on Foeniculum vulgare has led to the isolation of fatty acids, phenolic components, hydrocarbons, volatile components, and few other classes of secondary metabolites from its different parts . Mostly these phytochemicals are found in essential oil . Some of the phytoconstituents of F. vulgare were find application as coloring and antiaging agents . They also have noteworthy biological and pharmacological activities

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Govt. Girls P.G. College

Ujjain (M.P.)

Project On

Topic : Medicinal Uses & Effectiveness of safed Musli & Method of Preparation of Safed Musli Powder

Group : Pharmaceutical Chemistry

Submitted To :-

Signature of Guide...............................

Name of Guide : Mr. Dharmesh Rathore Sir

Submitted By :-

Signature of Student........Shaikh

Name of Student : Shireen Shaikh

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Uses And Effectiveness Of Safed Musli

1. As a principal ingredient in Anyurvedic, Unani and Allopathy application.
2. As an aphrodisiac agent and Vitalizer.
3. As a general sex tonic.
4. As a curative for pre-natal and post-natal problems in woman and useful for brain development in children.
5. As an effective safe alternative to Viagra.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

PREPRATION OF SAFED MUSLI POWDER

- **Safed Musli Churna (Powder) :-**

  a. Take ½-1 teaspoon of Safed Musli Powder.

  b. Have it with honey or lukewarm milk, twice a day.

Medicinal Uses And Effectiveness Of Safed Musli

- **Muscle Building :-**

  Although not enough evidence is available, a dietary supplement of Safed Musli might help in the building of muscles by improving the level of growth hormone in exercise-trained people.

- **Improving sexual performance (Scientific View) :-**

  Safed Musli might help improve sexual performance by increasing libido. It also helps enhance testosterone levels.

  A study states that Safed Musli can also be used to prevent premature ejaculation as well as to improve the sperm count. Another study states that it enhances strength and stamina. Thus, Safed musli is used a good aphrodisiac and a revitaalizer agent.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT.GIRL'S P.G. COLLEGE

UJJAIN (M.P.)

Job Oriented Project Report On

Topic :- Herbal Preparation of Moringa Oleifera

Group:- Pharmaceutical Chemistry

Signatureofguide:-..............
Name of guide -**Mr.DharmeshRathore.**

Signature of student:..............
Name of student: **Arti Sarel**

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Moringa oleifera

(Drumstick tree)

Scientific classification -

Kingdom - Plantae

Division - Angiosperms

Class - Dicotyledons

Order - Brassicales

Family - Moringaceae

Genus - *Moringa*

Species - *M. oleifera*

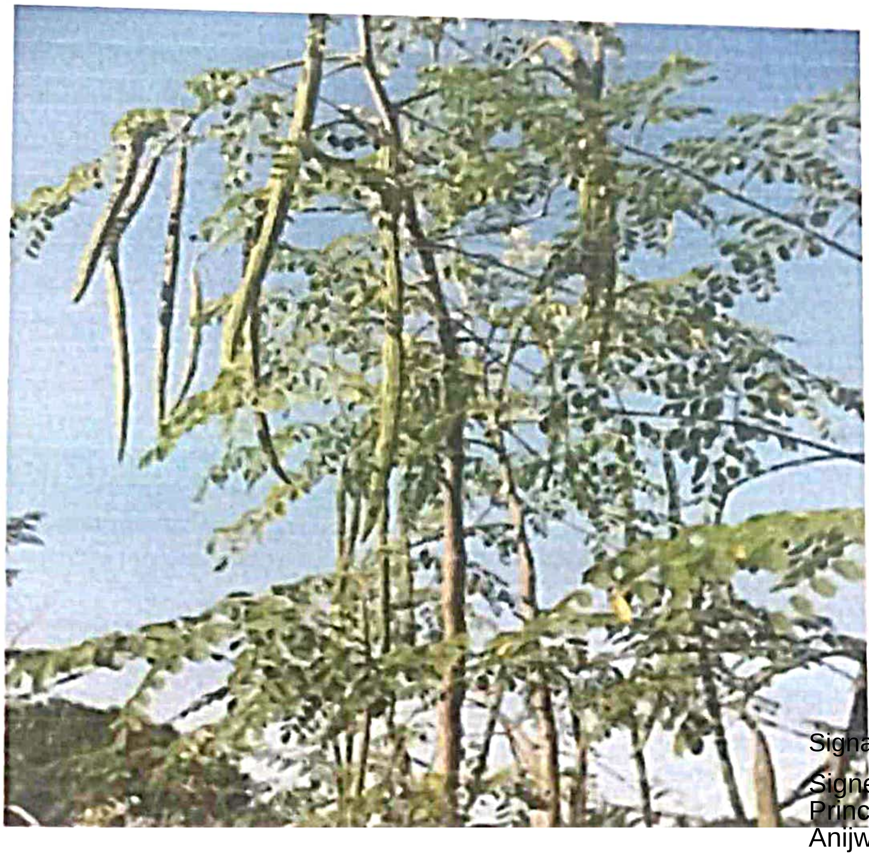

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Moringa oleifera

(Drumstick tree)

Scientific classification -

Kingdom - Plantae

Division - Angiosperms

Class - Dicotyledons

Order - Brassicales

Family - Moringaceae

Genus - *Moringa*

Species - *M. oleifera*

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

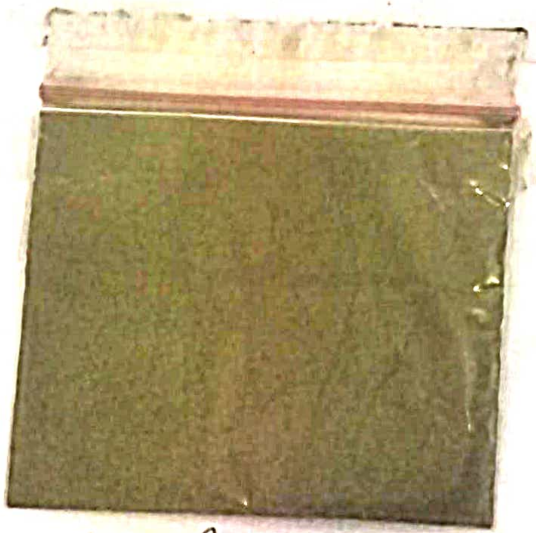

Moringa Powder

14. Treating mood disorders. -Moringa is thought to be helpful in treating depression, anxiety, and fatigue.

15. Treating asthma. - Moringa may help reduce the severity of some asthma attacks and protect against bronchial constrictions. It has also been shown to assist with better lung function and breathing operations.

16. Preventing and treating cancer. -Moringa extracts contain properties that might help prevent cancer developing. It also contains niazimicin, which is a compound that suppresses the development of cancer cells.

17. Treating stomach complaints. - Moringa extracts might help treat some stomach disorders, such as constipation, gastritis, and ulcerative colitis. The antibiotic and antibacterial properties of moringa may help inhibit the growth of various pathogens, and its high vitamin B content helps with digestion.

18. Protecting and nourishing skin and hair. - Moringa seed oil is beneficial for protecting hair against free radicals and keeps it clean and healthy. Moringa also contains protein, which means it is helpful in protecting skin cells from damage. It also contains hydrating and detoxifying elements, which also boost the skin and hair.

It can be successful in curing skin infections and sores.

Preparation of *Moringa* Powder :-

1.To make moringa powder at home first you need to shade dry the leaves. Once you get some fresh leaves wash them thoroughly .

2.Once they are dried remove them from the stem into a large plate and them spread it out.

3.Take grinder just fill it up with the dried leaves and run the grinder until the leaves are powderd.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

GOVT.GIRL'S P.G. COLLEGE UJJAIN (M.P.)

Project Report On

Topic :- Medicinal Uses and economical importance of Chandan and herbal preparation of chandan

Group:- Pharmaceutical Chemistry

Signatureofguide:-..............

Name of guide -**Mr.DharmeshRathore.**

Signature of student: Kusum Rathor.............

Name of student: **Kusum Rathor**

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Chandan

(Santalum album)

Classification:

Kingdom : plantae

Divison : spermatophyta

Class : dicotyledonae

Order : santalales

Genes : santalum

Species : santalumalbum

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Economical importance of Chandan :_

1.the fragrant heartwood found in the stem and the root is the most economically important part of the tree.

2. The wood is converted into chips and steam distilled to produce oil.

3. The sapwood which is also called white wood is used for product agarbattis fragrances of sandalwood is due to Santanol a polythenol.

4. Both the wood and oil are used in medicine sandalwood is knows to dissipate the effect of hot sun or fever satiate thirst and leaves a cool but refreshing feeling the wood ground into paste gives relief is applied on local inflammation on bails on forehead in fever and on skin diseases.

5. Sandalwood decoction is given to cure defects of genitourinary tract in migraine sandal paste or oil may be applied in nostrils for relief and cure sandal paste is beautyaid too.

6. Sandalwood chips are generally used for making agarbattis seasoned sapwood may be curved into curios tays carom coins and lacquerware.

7. The perfumery preparations called attars are also prepared by hydrodistillating the volatile essence of flowers onto sandal oil.

8. In medicine it finds use as an antiseptic, antipyretic,antiscabietic, diuretic, expectorant, stimulant and for treatment of bronchitis, dysuria, gonorrhoea and urinary infections.

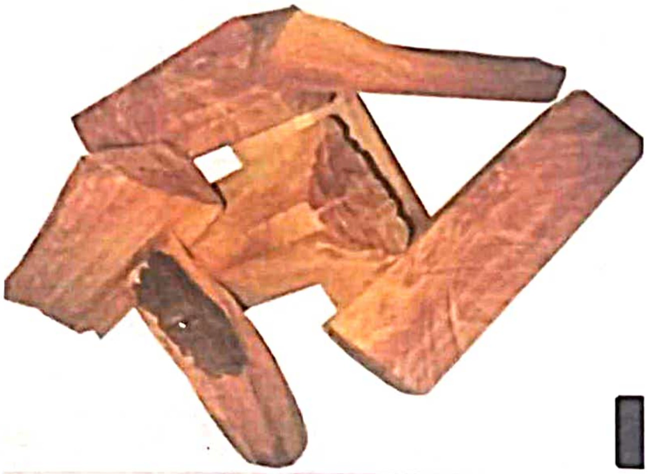

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Govt. Girls P.G. College

Ujjain (M.P.)

Project On

Topic : Medicinal Uses & Effectiveness of Orange & Preparation of Orange Peel Powder

Group : Pharmaceutical Chemistry

Submitted To :-

Signature of Guide..............................

Name of Guide : Mr. Dharmesh Rathore Sir

Submitted By :-

Signature of Student..............

Name of Student : Arshi Khan

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

4. Store your sun-dried orange peel powder in an airtight jar.

5.

<u>**Orange Peel Good for Skin**</u>

Many people throw out orange peels once they're done eating or juicing an orange. But did you know that orange peels are a powerhouse of nutrients and antioxidants. The orange peels even have a higher vitamin C content than the fleshy inside!

Let's look at the beneficial nutrients in orange peels and the benefits they offer for skin:

Nutrient in Orange Peel	Benefit for Skin
Vitamin C	Protects skin from free radical damage. Keeps acne at bay and promotes a healthy skin glow.
Calcium	Helps in renewing wornout cells and prevents DNA damage. Good for healing dry, flaky and itchy skin.
Potassium	Hydrates dehydrated skin. Helps

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

	preserve moisture.
Magnesium	Prevents oxidative stress in skin cells, for youthful, glowing skin.

Uses In Orange Peel Powder

- **Get Glowing Skin :-**
  Orange peel powder is a wonderful ingredient which, when incorporated in regular face packs or facial masks, can add a natural glow to our skin. Regular application or orange peel powder to skin can provide significant protection from damaging UV rediation and help us get rid of ugly sun tans.
- **Lighten Your Skin Tone :-**
  Being loaded with citric acid, orange peel powder works as natural bleach for our skin. So, it can be effectively used for lightening the skin tone. Mix orange peel powder with some water and squeeze half of a lemon into it. Now, use this concoction for facial steam and see the changes!
- **Unclog Skin Pores :-**
  If you have an oily skin, the chances are big that you suffer from clogged pores and develop a lot of blackheads. a mask prepared by orange peel powder and yogurt can bring you amaing results. It will not only unclog your skin pores by pulling dirt and excess oil out, but will also diminish your existing blackhead.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

TYPES OF TABLETS

PROJECT REPORT SUBMITTED TO

DEPARTMENT OF PHARMACEUTICAL CHEMISTRY

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE UJJIAN

SIGNATURE(GUIDE)

NAME OF THE GUIDE

DHARMESH RATHORE

SIGNATURE(STUDENTS)

NAME OF THE STUDENT

PALLAVI MALVIYA

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Introduction

Tablet is defined as a compressed unit solid dosage form containing medicaments with or without excipients.

According to the Indian pharma copoeia , pharmaceutical tablets are solid,flat or biconvex dishes,unit dosage from,prepared by compressing a drugs or a mixture of drugs,with or without diluents.

They vary in shape and differ greatly in size and weight,depending on amount of medicinal substance and the intended mode of administration

Classification of tablets

A tablet has following types :-

(A)tablets for ingestion orally

:compressed tablets example paracetamol tablet

: muliti compressed tablet

: repeat action tablets

:delayed action example enterice coated tablets

:sugar and chocolate coated tablets example multivitamin tablet

: Film coated tablets example metronidazole tablet

:Chewable tablets examples antacid tablets

(B) For oral cavity

:buccal tablets example.vitamin C tablets

:sublingual tablet example . Vicks menthat tablet

:Trouches or lozenges

:Dental cone

(C)Tablets administered by other route

:implantation tablet

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

:vaginal tablet example clotrimazole tablet

(D) tablets used to prepare solution

:Effervescent tablet example dispirin tablet (Aspirin)

:Dispensing tablet example enzyme tablet (Digiplex)

:Hypodermic tablet

:Tablet triturates example enzyme tablet (Digiplex)

* Tablets for ingestion orally

[A] Compressed tablet or standard compressed tablet :- These are standard uncoated tablet made by compression using wet granulation , direct compression or double compression.

: Provide rapid disintegration and drug release

: Mostly intended to exert local local action in GIT

: Typically include water insoluble drugs such as antacids and adsorbents.

:other drugs having systemic effect have some aqueous solubility,dissolve from tablet and disintegrate tablet fragments in GT contents and are then absorbed and distributed in the body.

(B)There are 2 classes of multiple compressed tablet.

1: layered tablet.

2: compression coated table

Both types may be either two component or three component system:two or three layer tablet a tablet within a tablet or a tablet within a tablet within a tablet.

:Both types usually undergo a light compression as each component is faid down,with the main compression being the final one.

(C) repeat- action tablets

. repeat-action tablets are layered or compression coated tablets in which the outer layer or shell rapidly disintegrates in the stomach. The components of the inner layer or inner tablet are insoluble in gastric media , but soluble in intestinal media. Ex.Dexchlor tablets.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Government Girls P. G. College Ujjain M. P

Demineralised Water Plant

Project Report Submitted to

Department of pharmaceutical chemistry

Signature of (Guide)

....

Name of the Guide

Mr. Dharmesh Rathore

Signature (Student)

....Diksha..........

Name of Student

Diksha Magar

Roll No:-15143404

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

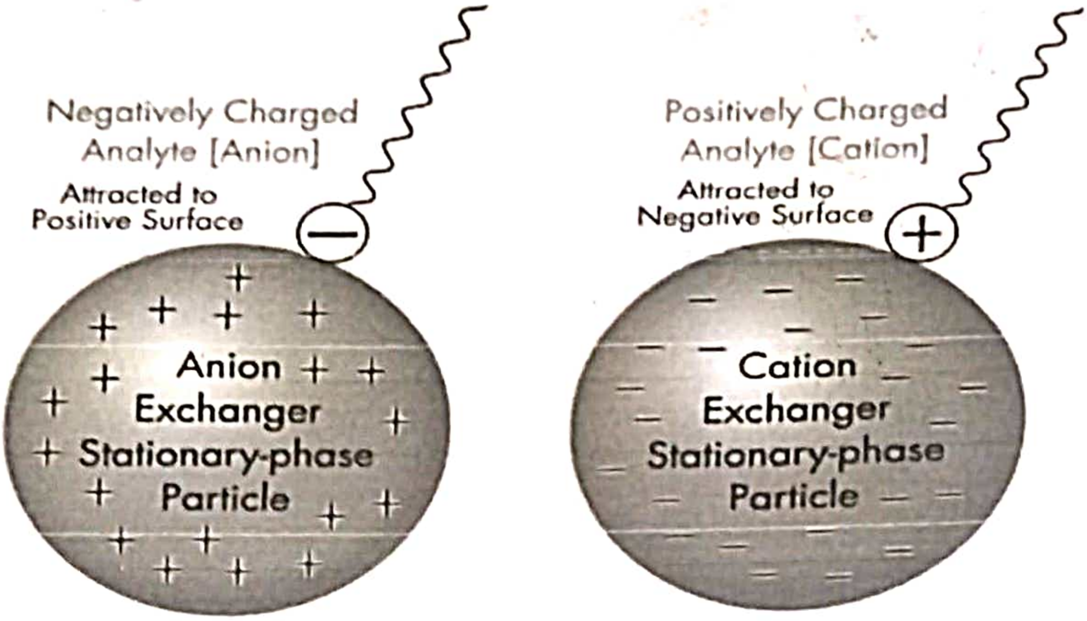

Ion Exchange Resins

There are two basic types of resin - cation-exchange and anion-exchange resins. Cation exchange resins will release Hydrogen (H^+) ions or other positively charged ions in exchange for impurity cations present in the Water. Anion exchange resins will release hydroxyl (OH^-) ions or other negatively charged ions in exchange for impurity anions present in the Water.

The application of ion-exchange to Water treatment and purification. There are three ways in which ion-exchange technology can be used in Water treatment and purification :

first, cation-exchange resins alone can be employed to soften Water by base exchange; secondly, anion-exchange resins alone can be used for organic scavenging or nitrate removal; and thirdly, combinations of cation-exchange and anion-exchange resins can be used to remove virtually all the ionic impurities present in the feedWater, a process known as deionization. Water

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

deionizers purification process results in Water of exceptionally high quality

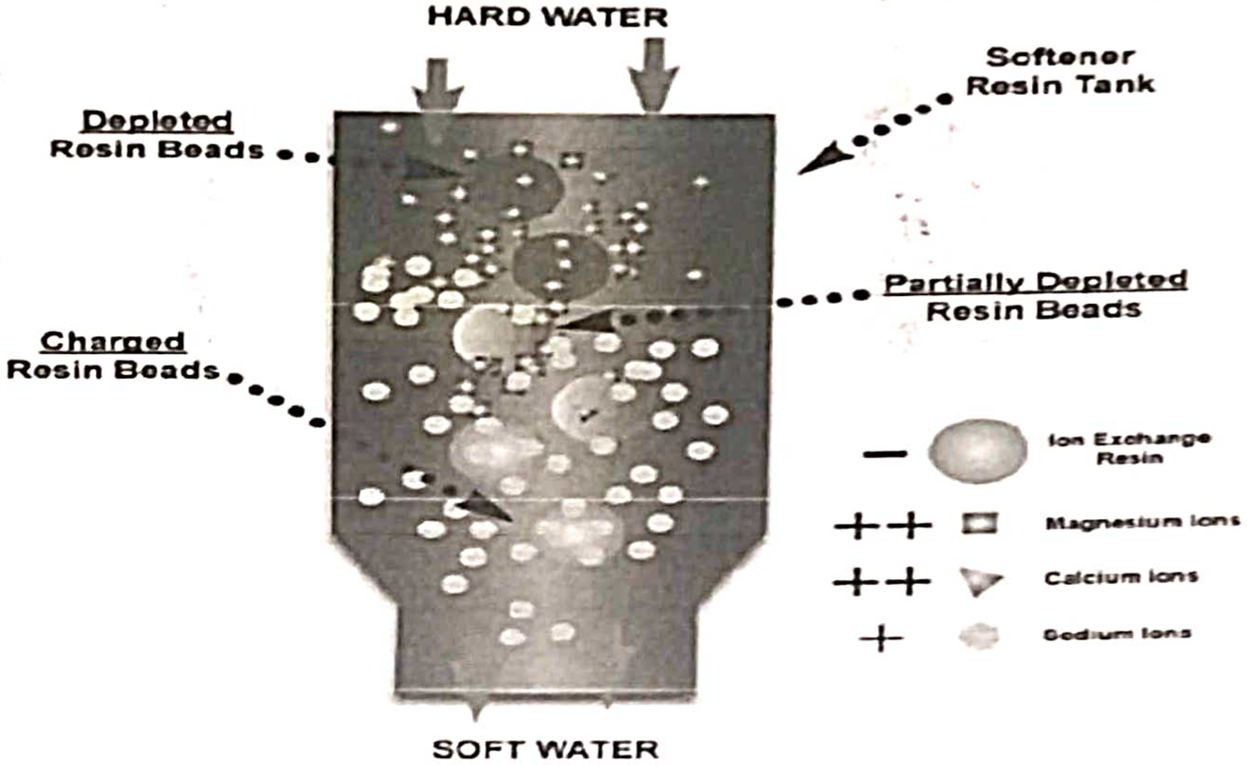

Deionization

For many laboratory and industrial applications, high-purity Water which is essentially free from ionic contaminants is required. Water of this quality can be produced by deionization.The two most common types of deionization are :

- Two-bed deionization
- Mixed-bed deionization

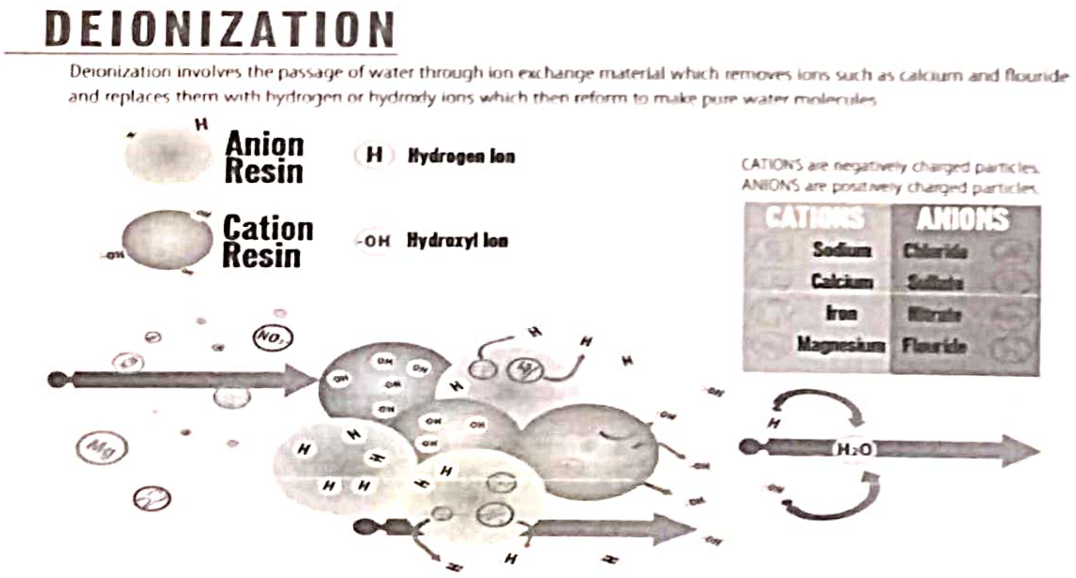

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Govt. Girls P.G. College Ujjain M.P.

SUSPENSION PREPARATION

Project Report Submitted to

Department of Pharmaceutical Chemistry

Signature of guide

....

Name : Dharmesh Rathore Sir

Signature (student)

....

Bhavna Sharma

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Oral suspension

Externally applied suspension

Parenteral suspension

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Flow chart of formulation of suspension

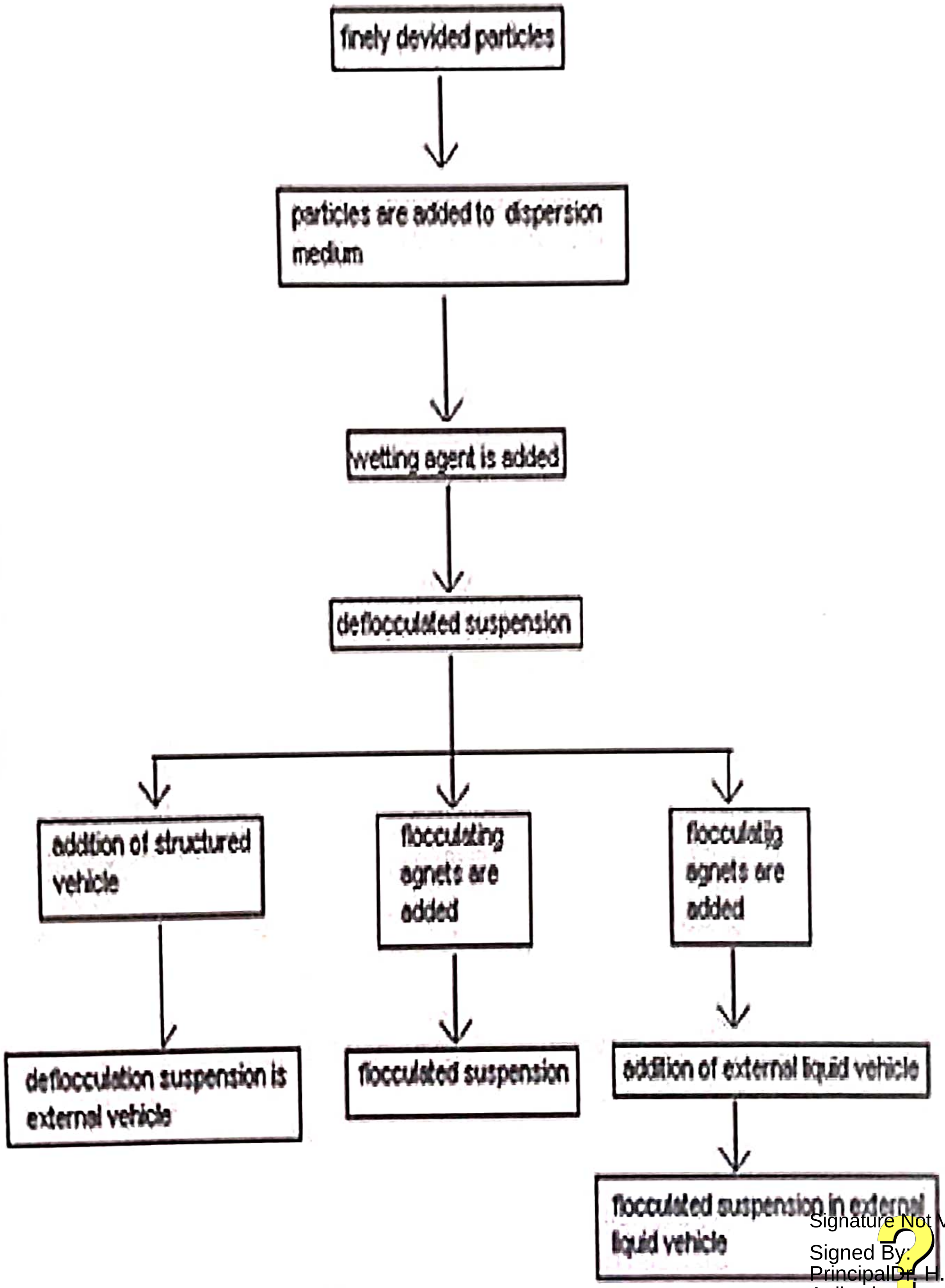

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Kinds of Tablet Coating

Project report submitted to:

Department of pharmaceutical chemistry

Govt. girls P.G. College Ujjain

Signature of guide.......

Name of the guide-

Mr. Dharmesh Rathore

Signature of student.......

Name of the student-

Nikhat Khan

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

The purpose of tablet coating

To protect the medicinal agent against destructive exposure to air, humidity or light.

- To offer a physical and/or chemical protection to the drug.
- To mask the unpleasant taste and odours of the drug.
- To improve the appearance and aid identification of the product.
- To provide special characteristics of drug release (e.g., enteric coatings).
- To protect the tablet from humidity and other types of adverse conditions.
- To lubricate the tablet that will help in ease of swallowing.
- To build a barrier between the API and the GI tract.
- To control and sustain the release of the drug from the dosage form.
- To provide aesthetics or distinction to the product.
- To add another drug which creates problems of incompatibility.
- To protect the acid-labile API from the gastric environment.
- To enhance the mechanical strength of the dosage form.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Types of tablet coating

Sugar coating -

Compressed tablets may be coated with coloured or uncoloured sugar layer. The coating is water soluble and quickly dissolves after swallowing. The sugar coat protects the enclosed drug from the environment and provides a barrier to objectionable taste or order. The sugar coat also enhances the appearance of the compressed tablet and permit imprinting manufacturing's information. Sugar coating provides a combination of insulation, taste masking, smoothing the tablet core, colouring and modified release. The disadvantages of sugar coating are the time and expertise required in the coating process and thus increases size, weight and shipping costs.

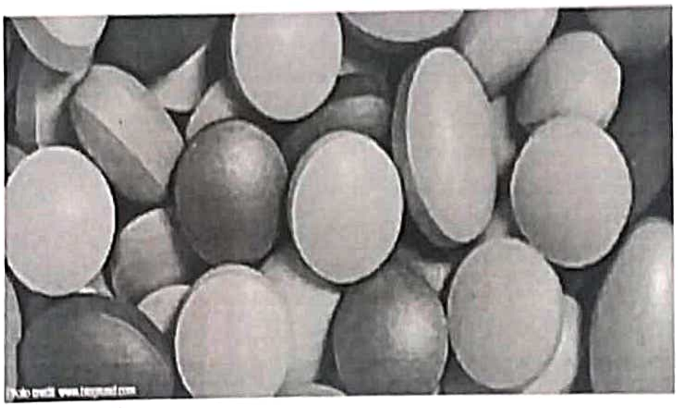

The coating process involves the repetitive application of a sucrose-based solution in the coating pan or drum to cover the tablet. Four process steps are commonly employed, in the following order:

- **Sealing (Waterproofing)** – sealing involves hardening the external surface of the tablet by providing a moisture barrier.
- **Grossing (Smoothing)** – this is often carried out in stages. The first step is to build up the shape and size of the tablet, and the second involves smoothing out the coated area while increasing the size of the tablet to the required dimensions.
- **Colouring** – provides the tablet the appropriate colour for the end product
- **Polishing** – finishes the tablet by polishing to give the tablet a glossy and professional appearance.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Govt. Girl's PG College

Dashera Maidan, Ujjain (M.P.)

Project Report on –

Sonography

Submitted to:

Biotechnology Department

Signature (Guide) ......

Signature (Student)... Shilpa

Dr. Leena Lakhani Madam
Miss Sheeba Khan Madam

Shilpa Paliwal

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Imaging

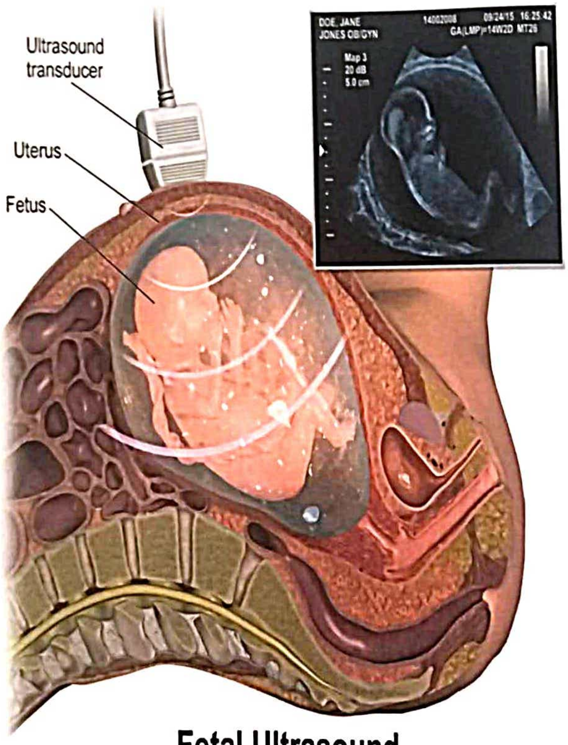

Fetal Ultrasound

The potential for ultrasonic imaging of objects, with a 3 GHZ sound wave producing resolution comparable to an optical image, was recognized by Sokolov in 1939 but techniques of the time produced relatively low-contrast images with poor sensitivity. Ultrasonic imaging uses frequencies of 2 megahertz and higher; the shorter wavelength allows resolution of small internal details in structures and tissues. The power density is generally less than 1 watt per square centimetre, to avoid heating and cavitation effects in the object under examination. High and ultra high ultrasound waves are used in acoustic microscopy, with frequencies up to 4 gigahertz. Ultrasonic imaging applications include industrial non-destructive testing, quality control and medical uses.

Processing and Power

High-power applications of ultrasound often use frequencies between 20 kHz and a few hundred kHz. Intensities can be very high; above 10 watts per square centimeter, cavitation can be inducted in liquid media, and some applications use up to 1000 watts per square centimeter. Such high intensities can induce chemical changes or produce significant effects by direct mechanical action, and can inactivate harmful microorganisms.

Physical therapy

Ultrasound has been used since the 1940s by physical and occupational therapists for treating connective tissue: ligaments, tendons, and fascia (and also scar tissue). Conditions for which ultrasound may be used for treatment include the follow examples: ligament sprains, muscle strains, stendonitis, joint inflammation, and scar tissue adhesion.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Interaction of Ultrasound with Tissue

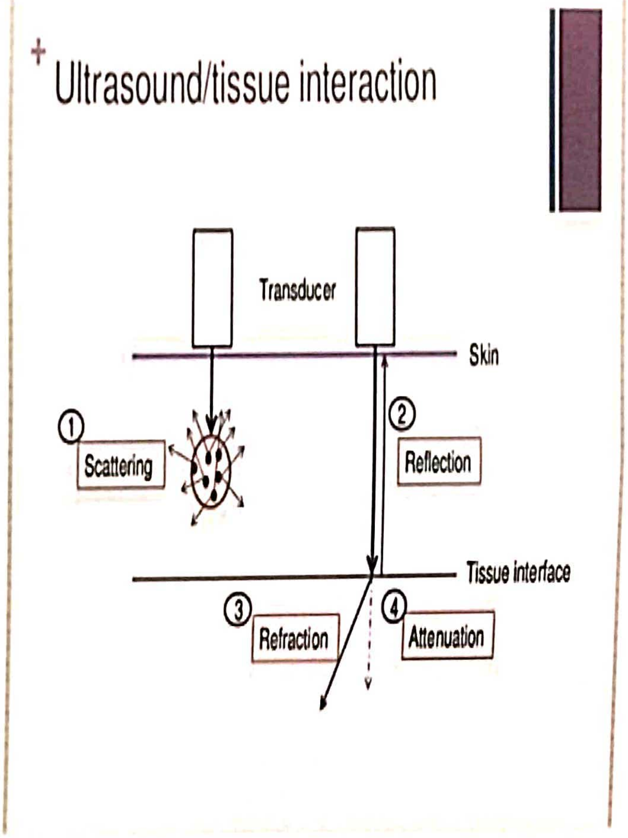

Biomedical applications

Ultrasound also has therapeutic applications, which can be highly beneficial when used with dosage precautions .Relatively high power ultrasound can break up stony deposits or tissue, accelerate the effect of drugs in a targeted area, assist in the measurement of the elastic properties of tissue, and can be used to sort cells or small particles for research.

Ultrasonic impact treatment

Ultrasonic impact treatment (UIT) uses ultrasound to enhance the mechanical and physical properties of metals. It is a metallurgical processing technique in which ultrasonic energy is applied to a metal object. Ultrasonic treatment can result in controlled residual compressive stress, grain refinement and grain size reduction. Low and high cycle fatigue are enhanced and have been documented to provide increases up to ten times greater than non-UIT specimens. Additionally, UIT has proven effective in addressing stress corrosion cracking, corrosion fatigue and related issues.

When the UIT tool, made up of the ultrasonic transducer, pins and other components, comes into contact with the work piece it acoustically couples with the work piece, creating harmonic resonance. This harmonic resonance is performed at a carefully calibrated frequency, to which metals respond very favorably.

Depending on the desired effects of treatment a combination of different frequencies and displacement amplitude is applied. These frequencies range between 25 and 55 kHz, with the displacement amplitude of the resonant body of between 22 and 50 µm (0.00087 and 0.0020 in).

UIT devices rely on magnetostrictive transducers.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

HERBAL ANTI MICROBIAL TEST, IMMOBILIZATION AND SPOT AGAR TEST

Project report submitted to:

Bio-Technology Department

Govt.Girls.P.G.College Ujjain (M.P)

Signature (guide): ....

Name of the guide: Dr. Leena Lakhani mam

Miss Sheeba khan

Singnature(students)............

Name of student: Alefiya Kapdawala

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

that garlic water has been used in typhoid and meningitis, its fume in whooping cough, garlic wicks in yeast infections and garlic soup in pneumonia. Garlic's this specialty possibly sourced from allicin components and being effective even against some organisms resistant to antibiotics necessitates its more use in standard medicinal applications. It is stated that garlic has very wide spectrum against gram positive and gram negative Pasteurella, Coryne and Micro-bacteria and this effect is seen in the bulb of garlic at the most. Furthermore, antibacterial spectrum of various garlic species shows difference. Antibiotic effect of garlic in watery extracts drops fast especially, at high temperatures. One of substances having strong antibiotic effect in it is allican. Degrading with cysteine stops antibiotic effect without return. Oxygen must be available for the continuation of antibacterial effect of garlic and its active substance Allicin.

Effect against viral infections: In laboratory study, it has been shown that garlic is effective both against influenza B and also herpes simplex viruses. At the last, no matter infection becomes bacterial or viral, garlic mobilizes immune system and empowers the defense ability of the body against infectious organisms.

Effect on fungal infections: Treatment of fungal infections are difficult like in viruses and medicines used for this aim are generally toxic and a resistance can develop against the medicine in long term. It's stated that garlic, which consists of allicin being a fungistatic substance, has proved itself against micro-organisms such as *Candida*, *Aspergillus* and *Cryptococci* as an effective anti-fungal substance. Chinese people state that intravenous garlic extract application against deathful and rarely seen fungal infections

PROTOCOL OF STUDYING ANTI MICROBIAL AND ANTI BACTERIAL PROPERTIES OF GARLIC AGAINST PSEUDOMONAS SPECIES.

1. **PREPERATION OF AQUOUS GARLIC EXTRACT**

- Fresh bulbs of garlic are peeled weight and washed (200 gm).
- Surface sterilizes the cloves by immersing them in 70% ethanol for 60 sec.
- Evaporate the residual ethanol on surface in laminar air flow.
- Homogenize aseptically in sterile mortar and pistal
- Filter through sterile cheese cloth
- 100% concentrate of the extract is obtained.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

AGAR SPOT TEST

OBJECTIVE - to perform spot agar test for antibacterial activity.

REQUIRMENTS- MRS media, Petri plates, conical flasks, distilled water, electronic balance, forceps, loop.

BACTERIAL STRAINS

Pseudomonas

Lactobacillus fermenter

Lactobacillus lactus

Lactobacillus kesai

Streptococcous aureus

E.coli

Procedure

- Prepare MRS media agar plates.
- Spot inoculate the MRS agar plate with different strains of Lactobacilli.
- The plates are incubated at 37^0C for 24 hours.
- The plates are then overlaid with 7ml of soft agar containing pseudomonas (0.75%) and incubated at 37^0 for 24 hours.
- Formation of clear zone Prepare MRS media agar plates.
- Spot inoculate the MRS agar plate with different strains of Lactobacillus of growth of inhibition around Lactobacillus colonies and their diameters were recorded.
- Only Lactobacilli which shows inhibitory activity against pseudomonas in agar spot were selected for further analysis.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

"MICROBIAL SUSCEPTIBILITY (phosphate solubilizing bacteria)" AND "PROBIOTICS"

Project report submitted to:

Dr. Leena Lakhani mam

Biotechnology Department

Govt.Girls.P.G.College Ujjain (M.P)

Signature (guide): ....

Name of the guide: Dr. Leena Lakhani mam

Miss Sheeba khan

Singnature(students)...............

Name of student: Mamta Patidar

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

DISC DIFFUSSION METHOD-

- Discs were made by using whattmen filter paper.
- Then we divided the contaminated Petri plates into three parts:- control, reference & test.
- Then we take a disc with the help of forceps & introduced in reference & test respectively.
- Then placed in contaminated Petri plates.
- The plates were inverted and incubated over night at $37^0\ C$

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

- Then we observed inhibition zone around the discs..

RESULT – Pineapple & lemon juice act as probiotic drinks.

DISSCUSION- In other words probiotics are bacteria which help in natural balance of organism (micro flora) in the intestine.

The normal human digestive tract contains about 400 types of bacteria that reduce the growth of harmful bacteria .

The largest group of probiotic bacteria in the intestine is lactic acid bacteria in which *lactobacillus acidophilus* found in yogurt with live culture.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE,Ujjain (M.P.)

Project Report on
Quality Analysis of Milk

Submitted to Biotechnology Department

SIGNATURE (Guide)

Name of Guide:- Dr. Leena Lakhani
Miss. Sheeba Khan

Signature of Student

Name of Student :- Savita Rathore

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Introduction

Definition Milk may be defined various ways.

From a physiological stand point **Milk is the secretion of the normally functioning mammary gland of the females of all mammals, which is produced for some time following parturition for the nourishment of the young of the species during the initial period of growth.**

Milk and Dairy Product

Chemically speaking, milk is a complex fluid in which more than 100 separate chemical compounds have been found. Its major components are water, fat, lactose, casein, whey proteins, and minerals (or ash) in amounts varying with the milk of various species of animals. However, for any given species, the range of values for the constituents of milk is fairly constant.

Constituents of Milk

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

Milk is composed of water, milk fat, and MSNF. The MSNF consists of protein, lactose, and minerals. These solids are also referred to as skim solids, or serum solids. The term total solids refer to the serum solids plus the milk fat.

Milk processing

Milk is a valuable nutritious food that has a short shelf-life and requires careful handling. Milk is highly perishable because it is an excellent medium for the growth of microorganisms – particularly bacterial pathogens – that can cause spoilage and diseases in consumers. Milk processing allows the preservation of milk for days, weeks or months and helps to reduce food-borne illness.

The usable life of milk can be extended for several days through techniques such as cooling (which is the factor most likely to influence the quality of raw milk) or fermentation. Pasteurization is a heat treatment process that extends the usable life of milk and reduces the numbers of possible pathogenic microorganisms to levels at which they do not represent a significant health hazard. Milk can be processed further to convert it into high-value, concentrated and easily transportable dairy products with long shelf-lives, such as butter, cheese and ghee.

Processing of dairy products gives small-scale dairy producers higher cash incomes than selling raw milk and offers better opportunities to reach regional and urban markets. Milk processing can also help to deal with seasonal fluctuations in milk supply. The transformation of raw milk into processed milk and products can benefit entire communities by generating off-farm jobs in milk collection, transportation, processing and marketing.

Collection and transport

In developing countries, most milk is produced by small-scale producers who are widely dispersed in rural areas, while the majority of markets are in urban areas. The logistical challenge of linking producers to markets is compounded by the highly perishable nature of milk, which calls for streamlined collection and transport. When the price of milk is low, or transport is not viable, any surplus milk that is not suckled by the offspring or consumed by the producer may be wasted.

Collection systems vary significantly according to the prevailing conditions. A system commonly used by small-scale producers in developing countries consists of simple collection points with shade, to minimize the temperature rise of milk.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

HOSPITAL POLLUTION MANAGEMENT

Project report submitted to:

Dr. Leena Lakhani mam

BIOTECHNOLOGY DEPARTMENT

Govt.Girls.P.G.College Ujjain (M.P)

Signature (guide): ....

Name of the guide: Dr. Leena Lakhani mam

Miss Sheeba khan

Singnature(students)..........

Name of student: Hema Bhagoria

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

waste like items contaminated with blood and body fluids including cotton, dressings, soiled plasters etc.

<u>Red bag contain</u>

Microbiological and technological waste, Soiled wasteand solid waste like Waste generated from disposable items other than the waste sharps such as tubing, catheters, intravenous sets etc.

<u>White bag contain</u>

Waste sharp and solid waste like Needles, syringes, scalpels, blades, glass, disposable items treated catheters, intravenous sets and Kitchen waste was collected separately.

<u>RESULTS AND DISCUSSION</u>

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

➢ ***EXTERNAL COLLECTION AND TRANSPORTATION***-

The hospital waste producer is responsible for safepackaging and adequate labeling of waste to be transported off-site and for authorization of its destination. The vehicle should carry, in a separate compartment, empty plastic bags, protective clothing, cleaning equipment, tools, and disinfectant, together with special kits for dealing with liquid spills. The vehicle for risk waste collection should not have a compaction system.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

Govt. Girl's PG College

DASHERA MAIDEN, UJJAIN (M.P.)

Project report:

X-RAYS TECHNOLOGY

Submitted to:

BIOTECHNOLOGY DEPARTMENT

Signature (guide)......

Dr. Leena Lakhani
Ms. Sheeba khan

Signature (student)........

vaidehi vyas

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

x-rays Discovered by Wilhelm Conrad roentgen

On this day in 1895, Physicist Wilhelm Conrad roentgen (1845-1923) becomes the first person to observe x-rays, a significant scientific advancement that would ultimately benefit a variety of fields, most of all medicine, by making the invisible visible. Rontgen's discovery occurred accidentally in his Wurzburg, Germany, lab, where he was testing whether cathode rays could pass through glass when he noticed a glow coming from a nearby chemically coated screen. He dubbed the rays that caused this glow x-rays because of their unknown nature. Rontgen's discovery was labeled a medical miracle and x-rays soon became an important diagnostic tool in medicine, allowing doctors to see inside the human body for the first time without surgery. The very first noble prize in physics, in 1901.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Types of x-rays

Medical science recognizes different types of x-rays. These are as follows:-

TEETH AND BONES X-RAYS- these x-rays give a high level of detail about bones, teeth, and supporting tissues of the mouth. These x-rays enable dentists to look at the tooth roots, the status of the developing tooth, and health of the bony areas.

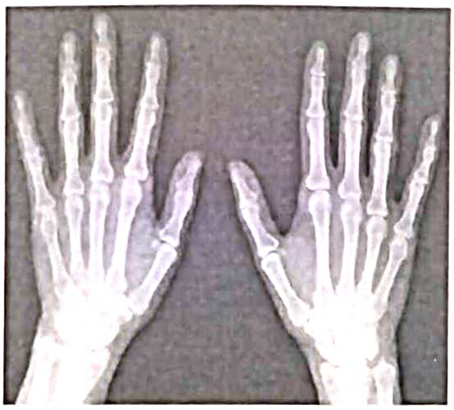

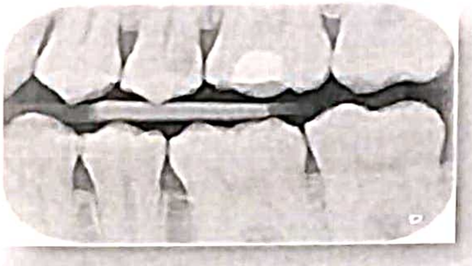

Bones x-rays **Teeth x-rays**

CHEST X-RAYS- A small test that uses radiation to produce images of the bones, tissues, and organs of the body. The doctor prescribes a chest x-ray for a number of reasons like shortness of breath, fever, chest pain, and persistent cough. It is a quick and effective test that aids in analyzing the health of some of the most vital organs.

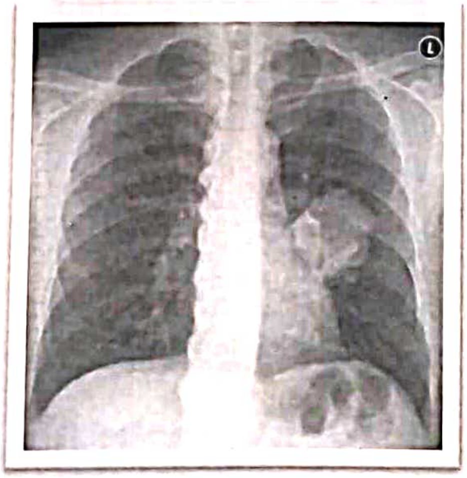

Chest x-rays

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

PATHOLOGICAL PRACTICES

Government Girls P.G. College
Dusshera Maidan, Ujjain (M.P)

Signature Guide: -

Name of the Guide: -
Dr. Leena Lakhani

Signature Student:-

Name of the Student: -
Miss Trishla Pathak

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

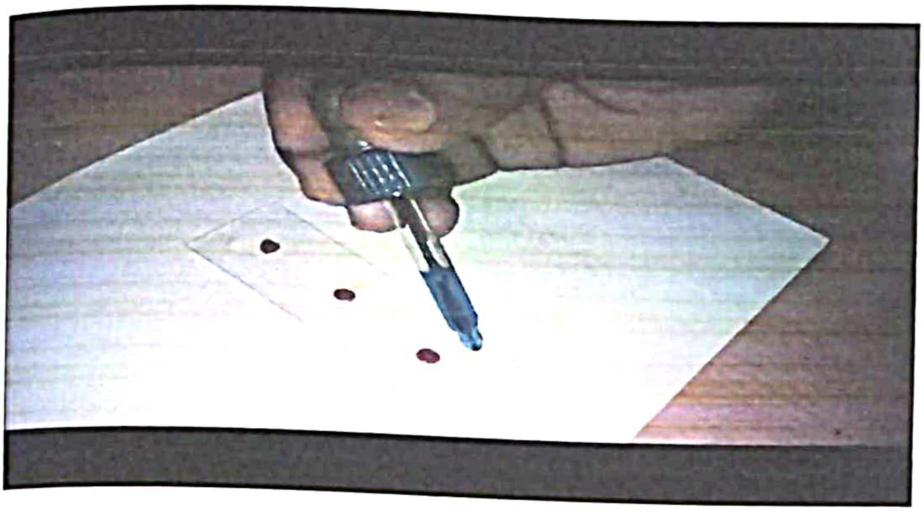

FiG:- Conduction Blood Group Detection Test

Observation –
Clump formation does not occur in first two slides whereas in the last slide it does occurs.

Result -
No clumping in first two slides show that the blood group is O and third slide clumping depicts the presence of positive (+) rhesus factor. Thus the blood group is **0+**

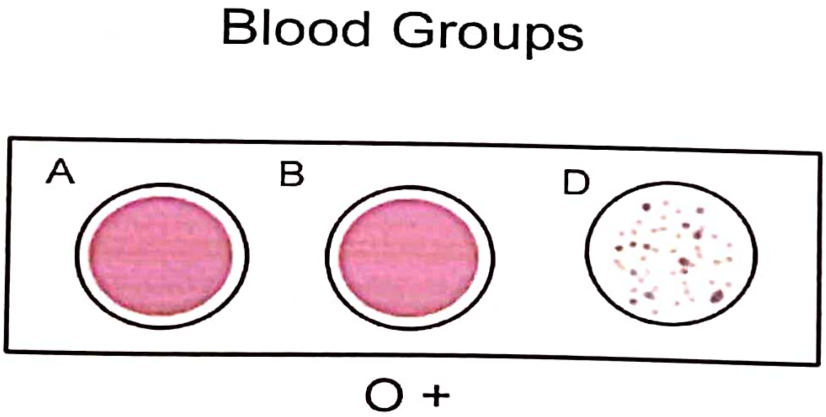

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

The W.B.C. counting is done manually with the help of a **haemocytometer.**

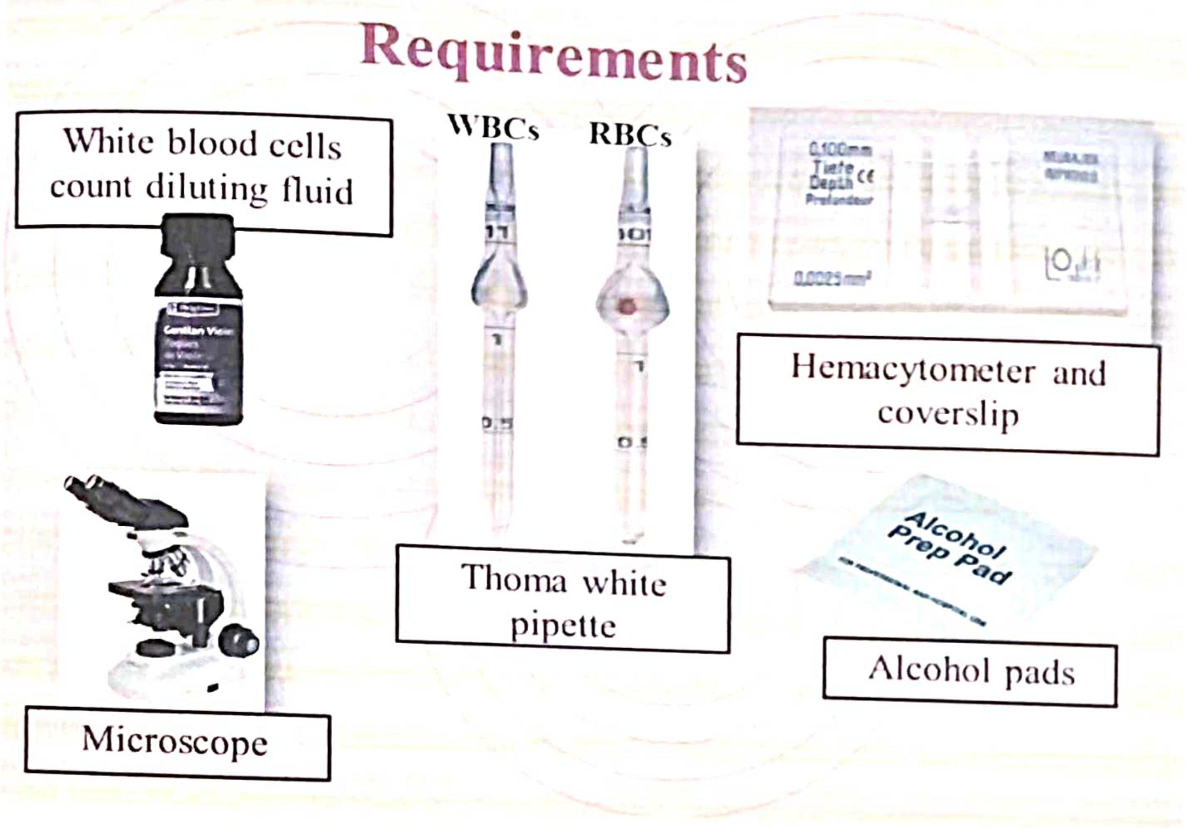

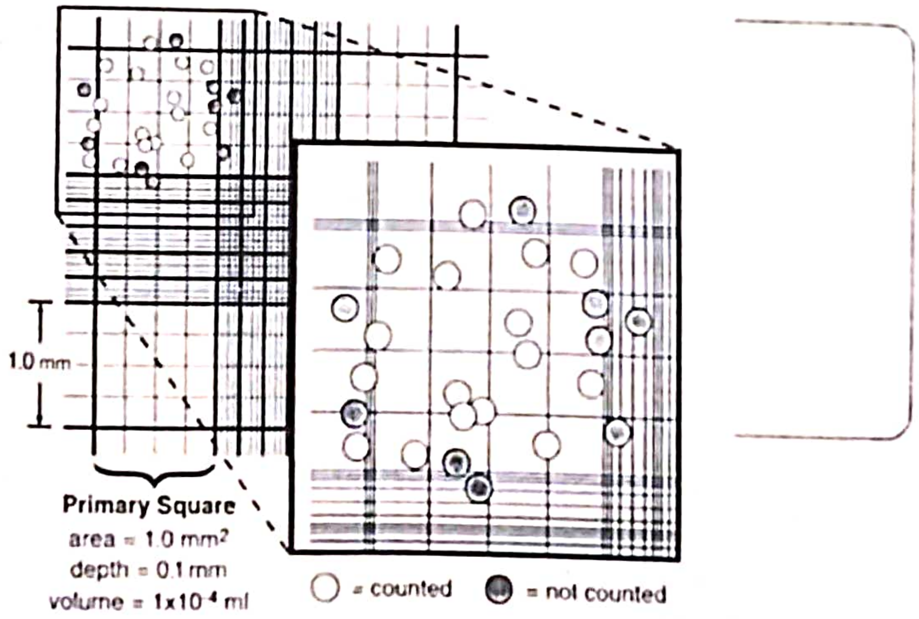

FiG:- WBC Chamber – Expanded view

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

NURSING CARE

Government Girls P.G. College
Dusshera Maidan, Ujjain (M.P)

Signature Guide:-

Name of the Guide: -
Dr. Leena Lakhani

Signature Student:-

Name of the Student: -
Miss Aruna Jawariya

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Types

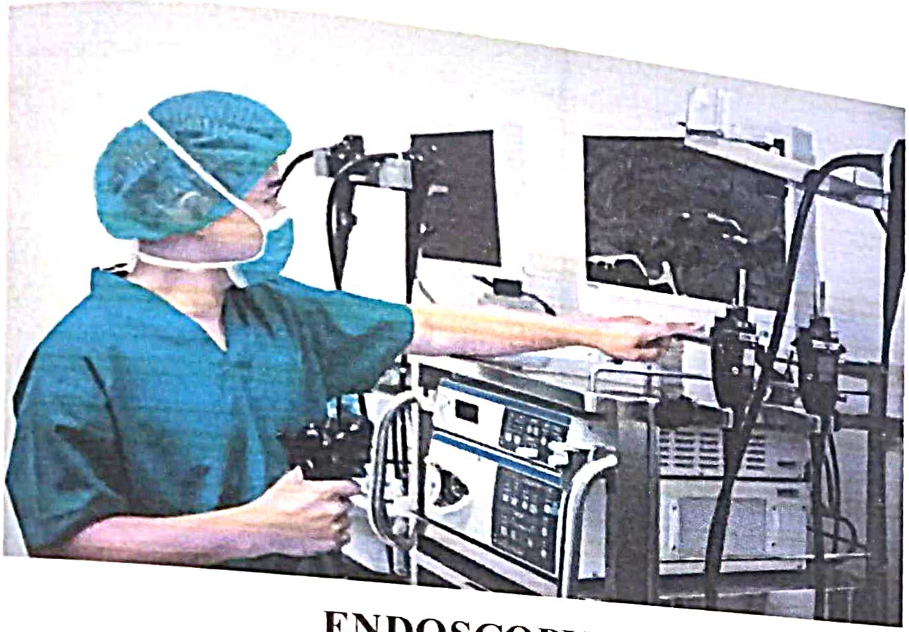

ENDOSCOPY

Endoscopy can be useful in a wide array of medical situations.

Endoscopy is useful for investigating many systems within the human body; these areas include:

- Gastrointestinal tract: esophagus, stomach, and duodenum (esophagogastroduodenoscopy), small intestine (enteroscopy), large intestine/colon (colonoscopy, sigmoidoscopy), bile duct, rectum (rectoscopy), and anus (anoscopy).
- Respiratory tract: Nose (rhinoscopy), lower respiratory tract (bronchoscopy).
- Ear: Otoscopy
- Urinary tract: Cystoscopy
- Female reproductive tract (gynoscopy): Cervix (colposcopy), uterus (hysteroscopy), fallopian tubes (falloposcopy).
- Through a small incision: Abdominal or pelvic cavity (laparoscopy), interior of a joint (arthroscopy), organs of the chest (thoracoscopy and mediastinoscopy).

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

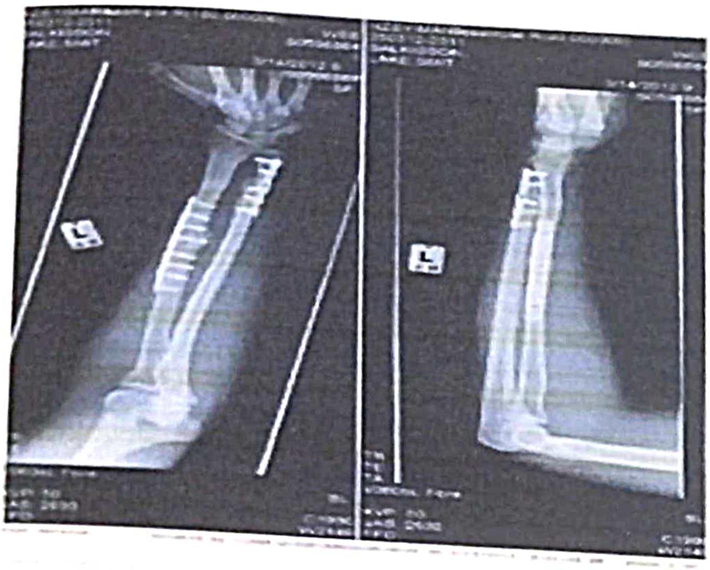

- An arm radiograph, demonstrating broken ulna and radius with implanted internal fixation.

- **Projectional radiography** is the practice of producing two-dimensional images using x-ray radiation. Bones contain much calcium, which due to its relatively high atomic numberabsorbs x-rays efficiently. This reduces the amount of X-rays reaching the detector in the shadow of the bones, making them clearly visible on the radiograph. The lungs and trapped gas also show up clearly because of lower absorption compared to tissue, while differences between tissue types are harder to see.
- Projectional radiographs are useful in the detection of pathology of the skeletal systemas well as for detecting some disease processes in soft tissue. Some notable examples are the very common chest X-ray, which can be used to identify lung diseases such as pneumonia, lung cancer, or pulmonary edema, and the abdominal x-ray, which can detect bowel (or intestinal) obstruction, free air (from visceral perforations) and free fluid (in ascites). X-rays may also be used to detect pathology such as gallstones (which are rarely radiopaque) or kidney stones which are often (but not always) visible. Traditional plain X-rays are less useful in the imaging of soft tissues such as the brain or muscle. One area where projectional radiographs are used extensively is in evaluating how an orthopedic implant, such as a knee, hip or shoulder replacement, is situated in the body with respect to the surrounding bone. This can be assessed in two dimensions from plain radiographs, or it can be assessed in three dimensions if a technique called '2D to 3D registration' is used. This technique purportedly negates projection errors associated with evaluating implant position from plain radiographs.
- **Dental radiography** is commonly used in the diagnoses of common oral problems, such as cavities.
- In medical diagnostic applications, the low energy (soft) X-rays are unwanted, since they are totally absorbed by the body, increasing the radiation dose without contributing to the

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Govt. Girl's PG College

Dashera Maidan, Ujjain (M.P.)

Project Report on –

Electrocardiography (ECG)

Submitted to:

Biotechnology Department

Signature (Guide) .....

Dr. Leena Lakhani Madam
Miss Sheeba Khan Madam

Signature (Student)...

Nidhi Sikarwar

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

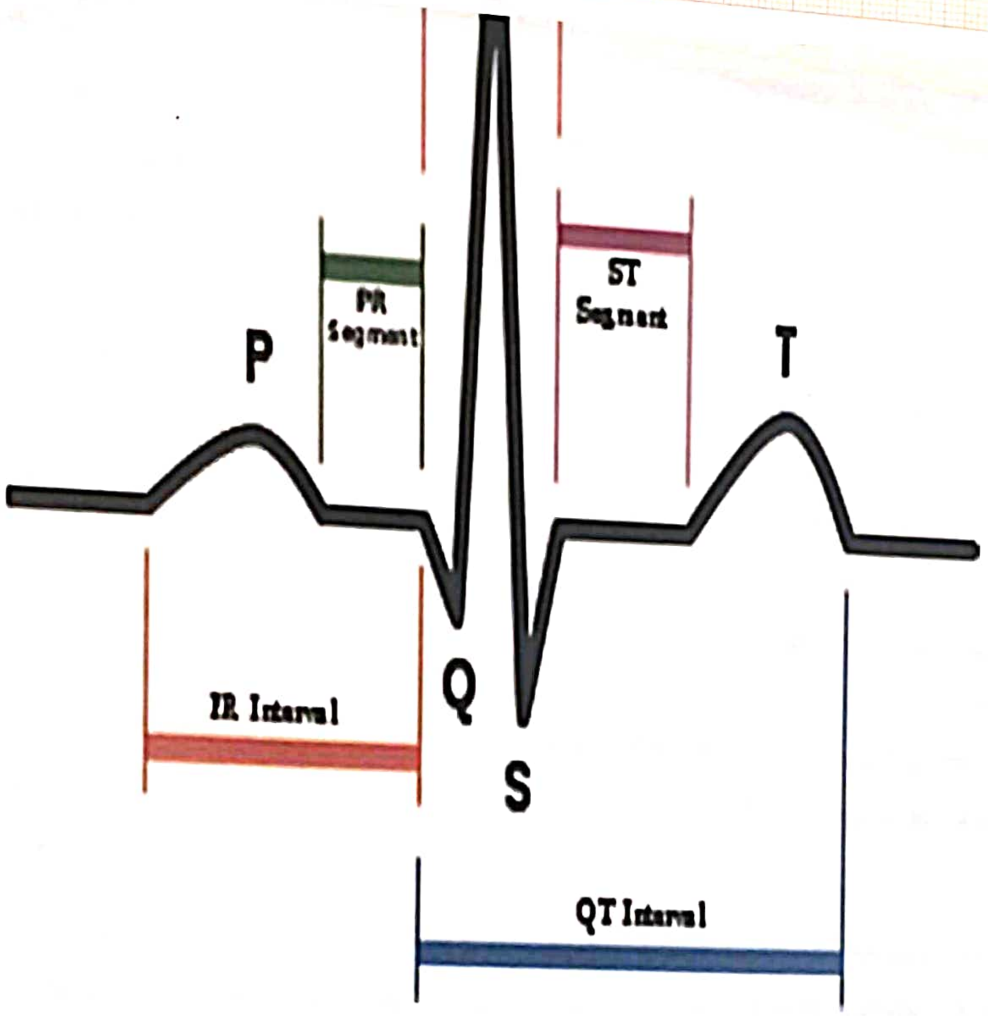

ECG of a heart in normal sinus rhythm.

ICD - 10-PCS	R94.31
ICD – 9 – CM	89.52

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.J. Anijwal

Electrocardiograph

Electrocardiographs

An Electrocardiographs is a machine that is used to perform electrocardiography, and produces the electrocardiogram. The fundamental component to electrocardiograph is the Instrumentation amplifier, which is responsible for taking the voltage difference between leads and amplifying the signal. ECG voltages measured across the body are on the order of hundreds of microvolts up to 1 millivolt.

Early electrocardiographs were constructed with analog electrons and the signal could drive a motor to print the signal on paper. Today, electrocardiographs use analog-to-digital converters to convert to a digital signal that can then be manipulated with digital electronics. This permits digital recording of ECGs and use on computers.

Typical design for a portable electrocardiograph is a combined unit that includes a screen, keyboard, and printer on a small wheeled cart. The unit connects to a long cable that branches to each lead which attaches to a conductive pad on the patient.

Lastly, the electrocardiograph may include a rhythm algorithm that produces a computerized interpretation of the electrocardiogram. The results from these algorithms are considered "preliminary" until verified and modified by someone trained in interpreting electrocardiograms. Included in this analysis is computation of common parameters that include PR interval, QT duration, corrected QT duration, PR axis, QRS axis, and more. Though the basic principles of that era are still in use today.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Govt. Girl's PG College

DASHERA MAIDEN, UJJAIN (M.P.)

Project report:

X-RAYS TECHNOLOGY

Submitted to:

BIOTECHNOLOGY DEPARTMENT

Signature (guide)………

Dr. Leena Lakhani

Ms. Sheeba khan

Signature (student)…….

Shanu Tiwari

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

X-Ray Machine

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Time- temperature variation for film developing

- The developing chemicals reduce the exposed silver halides in the emulsion to metallic silver, which is black. The increasing intensity of light from the intensifying screens causes more of the silver halides to turns to metallic silver, thus giving the various shades of gray and black on the developed radiograph.
- Two forms of developing chemicals are used, one a liquid and the other a powder. Liquid chemicals are more convenient, the powder variety disseminate powder dust throughout the room.
- The developing solutions should be tightly covered when not use to reduce oxidation. The solution should be discarded and replaced after three months of use because oxidation and accumulation of gelatin sludge and other impurities will cause poor development. A more practical method of determining it the developing solution should be discarded is to notice the color. As the solution weakens it the first turns yellow then brown. When it turns brown, indicating exhaustion, it should be replaced.
- X-ray film should be quickly removed from the developer and, in one motion placed into the post-developer water rinse. The developing solution should not be allowed to drip from the film back into the developer tank. developing solution on the film will be nearly exhausted and a certain amount of developer should be removed each time to reduce the level so that developer replenisher solution may be added periodically. This keeps the developer at the proper level and at the correct chemical strength.

Reloading the cassette

- During the time that the x-ray film is in the developer the cassette should be reloaded as previously described.

Post development rinse

- The post-development rinse, which ordinarily will take 30 seconds, should be circulating clean water. The rinsing process can be shortened by continually agitating the film. After the rinse is completed the film should be drained to prevent excess dilution of the fixer.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Government Girls PG College Ujjain

Project Report On

Pathology

Submitted to:

Department of Biotechnology

Signature (Guide)...............

Name of the Guide: Dr Leena Lakhani

Ms. Sheeba Khan

Signature (Student) ....

Name of Student : Ms. Isha Shrivastava

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Collection Of Blood Sample

1. Identify the patient.
2. Assess the patient's physical disposition (i.e. diet , exercise, stress, basal state).
3. Check the requisition form for requested tests , patient information and any special requirements.
4. Select a suitable site for venipuncture.
5. Prepare the equipment , the patient and the puncture site.
6. Perform the venipuncture.
7. Collect the sample in the appropriate container.
8. Recognize complications associated with the phlebotomy procedure.
9. Assess the need for sample recollection and /or rejection.
10. Label the collection tubes at the bedside or drawing area.
11. Promptly send the specimens with the requisition to the laboratory.

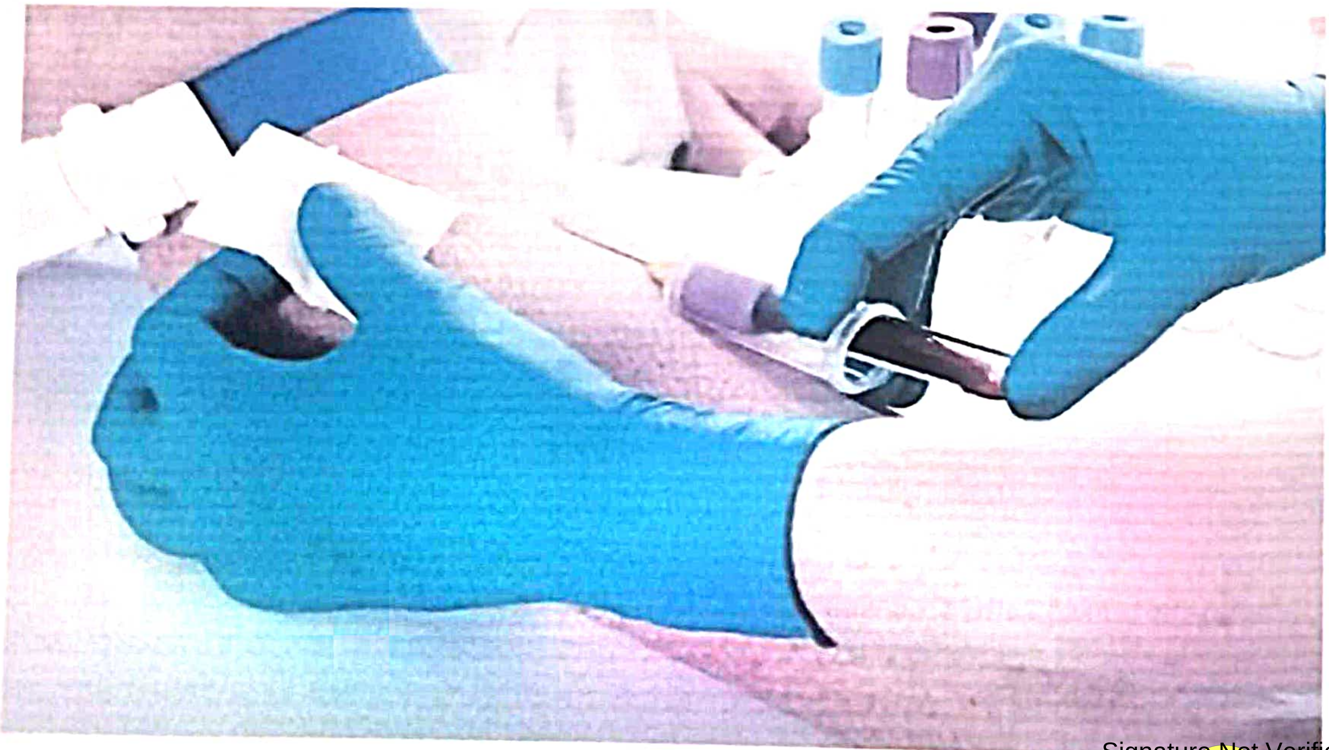

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Procedure

CBC being performed in a hospital using an Abbott Cell-Dyn 1700 automatic analyzer.

A phlebotomist collects the sample through venipuncture, drawing the blood into a test tube containing an anticoagulant (EDTA, sometimes citrate) to stop it from clotting. The sample is then transported to a laboratory. Sometimes the sample is drawn off a finger prick using a Pasteur pipette for immediate processing by an automated counter.

In the past, counting the cells in a patient's blood was performed manually, by viewing a slide prepared with a sample of the patient's blood (a blood film, or peripheral smear) under a microscope. However, manual cell counts are becoming less common, and instead this process is generally automated by use of an automated analyzer. As few as 10–20% of samples are now examined manually.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE

UJJAIN (M.P)

Project Report on

Eye Disease

Submitted to biotechnology department

Signature(guide)....

Name of the guide-Dr. Leena Lakhani

Miss Sheeba khan

Signature(Student)..........

Name of student- Anita mukati

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Types of Surgery:-

Two main types of surgical procedures are in common use throughout the world. The first procedure is phacoemulsification (phaco) and the second involves two different types of extra capsular cataract extraction (ECCE) in most surgeries an intraocular lens is inserted foldable lenses are generally used for the 2.3 mm phaco incision. While non-foldable lenses are placed through the larger size used in phacoemulsification (2.3mm) often allows "sutureless" incision (10-12mm) and there fore usually requires stitching and this in part led to the modification of ECCE known as manual small incision cataract surgery (MSICS) cataract extraction using intracapsular cataract extraction (ICCE) has been superseded by phaco& ECCE and is rarely.

Phacoemulsification is the most commony performed cataract procedure in the developed world. However the high cost of a phacoemulsification machine and of the associated disposable equipment means that ECCE and MSICS remain the most commonly performed procedure in developing countries.

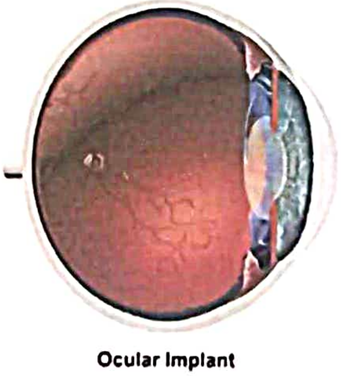

Ocular Implant

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

weeks or months after removal of a cataract. Floaters commonly appear after surgery.

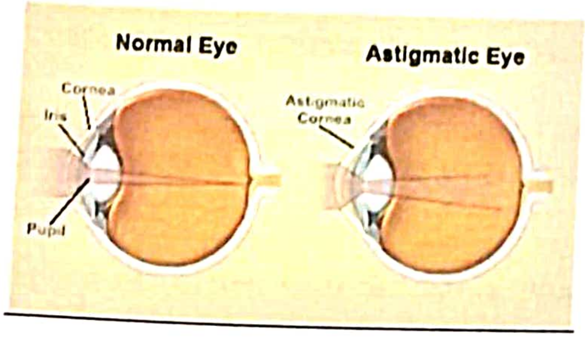

Cataract Symptoms and Signs:-

A cataract starts out small and at first has little effect on your vision. You may notice that your vision is blurred a little, like looking through a cloudy piece of glass or viewing an impressionist painting.

A cataract may make light from the sun or a lamp seem too bright or glaring. Or you may notice when you drive at night that the oncoming headlights cause more glare than before. Colors may not appear as bright as they once did.

The type of cataract you have will affect exactly which symptoms you experience and how soon they will occur. When a nuclear cataract first develops, it can bring about a temporary improvement in your near vision, called "second sight."

Unfortunately, the improved vision is short-lived and will disappear as the cataract worsens. On the other hand, a subcapsular cataract may not produce any symptoms until it's well-developed.

Normal, clear lens   Lens clouded by cataract

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Government Girls P.G. College, Ujjain (M.P.)

Project report on:

"Oral and Dental Problems"

Submitted to:

Biotechnology department

Signature of guide:

Name of guide: Dr. Leena Lakhani mam
Miss Sheeba Khan mam

Signature of student:

Name of student: Jayshree Patidar

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

STRUCTURE AND ANATOMY OF TOOTH

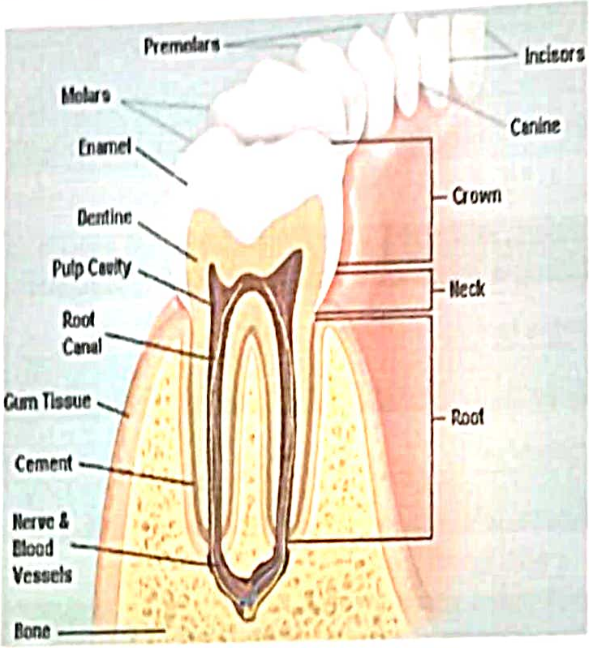

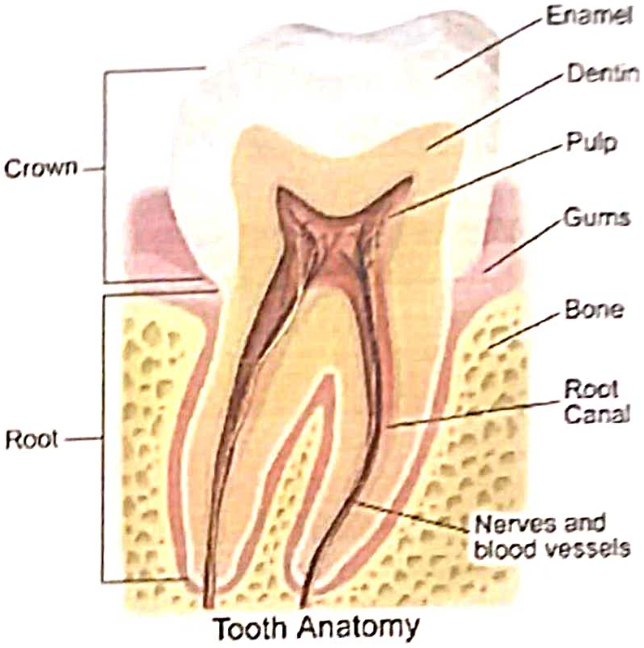

PARTS OF TEETH

- **Enamel**: The hardest, white outer part of the tooth. Enamel is mostly made of calcium phosphate, a rock-hard mineral. It is normally visible and must be supported by underlying dentin. 96% of enamel consists of mineral, with water and organic material comprising the rest part of enamel which is hard.
- **Dentin**: A layer underlying the enamel. It is a hard tissue that contains microscopic tubes. When the enamel is damaged, heat or cold can enter the tooth through these paths and cause sensitivity or pain. The formation of dentin is known as dentinogenesis.
- **Pulp**: The softer, living inner structure of teeth. Blood vessels and nerves run through the pulp of the teeth. The pulp is commonly called "the nerve" of the tooth.
- **Cementum**: A layer of connective tissue that binds the roots of the teeth firmly to the gums and jawbone. Cementum is excreted by cementoblasts within the

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

- Wisdom teeth **or third molars** (4 totals): These teeth erupt at around age 18, but are often surgically removed to prevent displacement of other teeth.

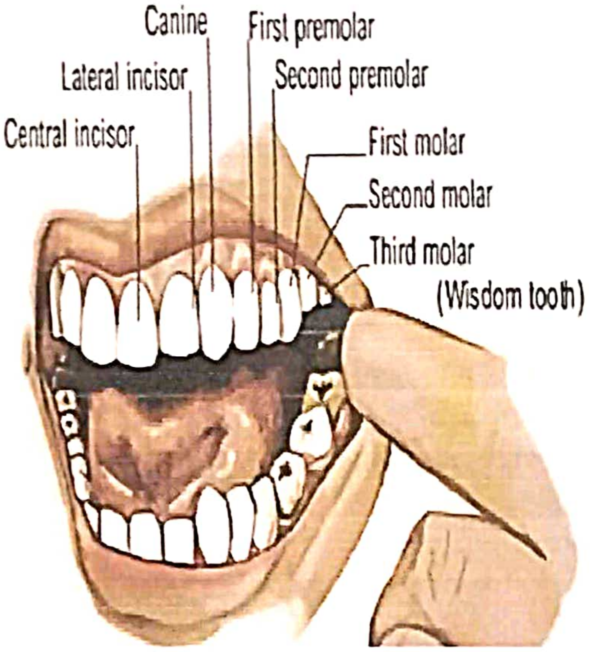

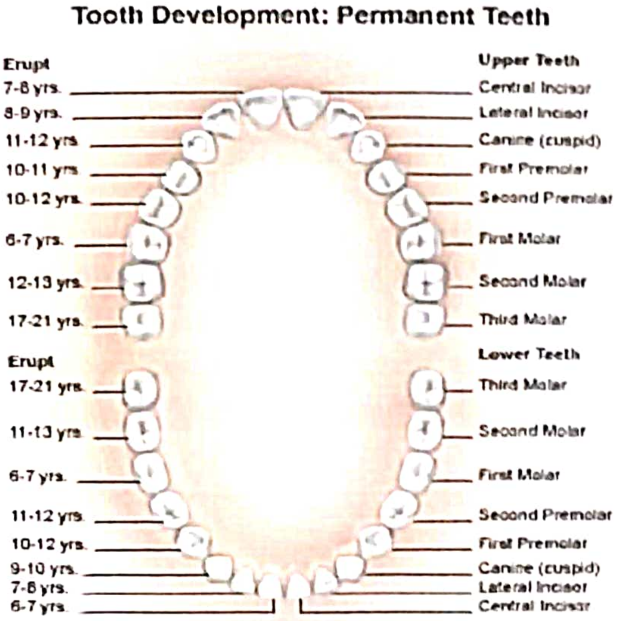

Tooth development: Permanent teeth

Tooth development is the complex process by which teeth form from embryonic cells, grow, and erupt into the mouth. Although many diverse species have teeth, their development is largely the same as in humans. For human teeth to have a healthy oral environment, enamel, dentin, cementum, and the periodontium must all develop during appropriate stages of fetal development. Primary teeth start to form in the development of the embryo between the sixth and eighth weeks, and permanent teeth begin to form in the twentieth week. If teeth do not start to develop at or near these times, they will not develop at all.

A significant amount of research has focused on determining the processes that initiate tooth development. It is widely accepted that there is a factor within the tissues of the first pharyngeal arch that is necessary for the development of teeth.

Tooth development is commonly divided into the following stages: the bud stage, the cap, the bell, and finally maturation. The staging of tooth development is an attempt to categorize changes that take place along a

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

PATHOLOGICAL PRACTICES

Government Girls P.G. College
Dusshera Maidan, Ujjain (M.P)

Signature Guide: -

Signature Student:- Shilpa

Name of the Guide: -
Dr. Leena Lakhani

Name of the Student: -
Miss Shilpa Dohare

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

VACUTAINER

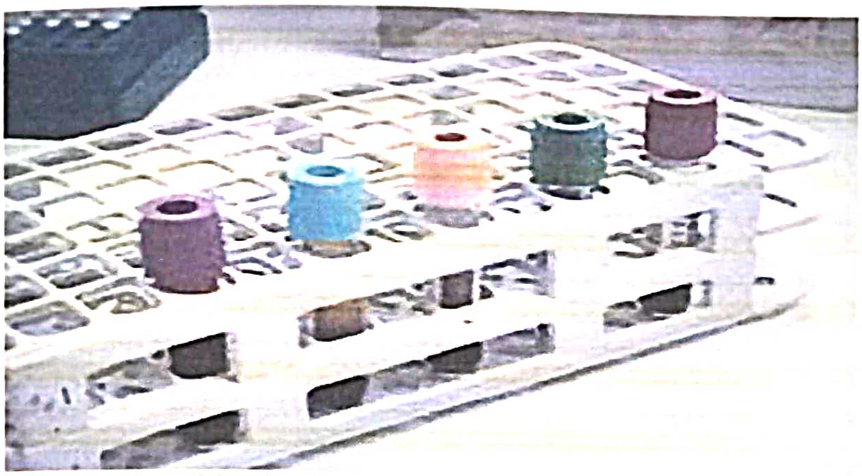

A **Vacutainer** blood collection tube is a sterile glass or plastic test tube with a colored rubber stopper creating a vacuum seal inside of the tube, facilitating the drawing of a predetermined volume of liquid. Vacutainer tubes may contain additives designed to stabilize and preserve the specimen prior to analytical testing. Tubes are available with a safety-engineered stopper, with a variety of labeling options and draw volumes. The color of the top indicates the additives in the vial. Vacutainer tubes were invented by Joseph Kleiner and Becton Dickinson in 1949.

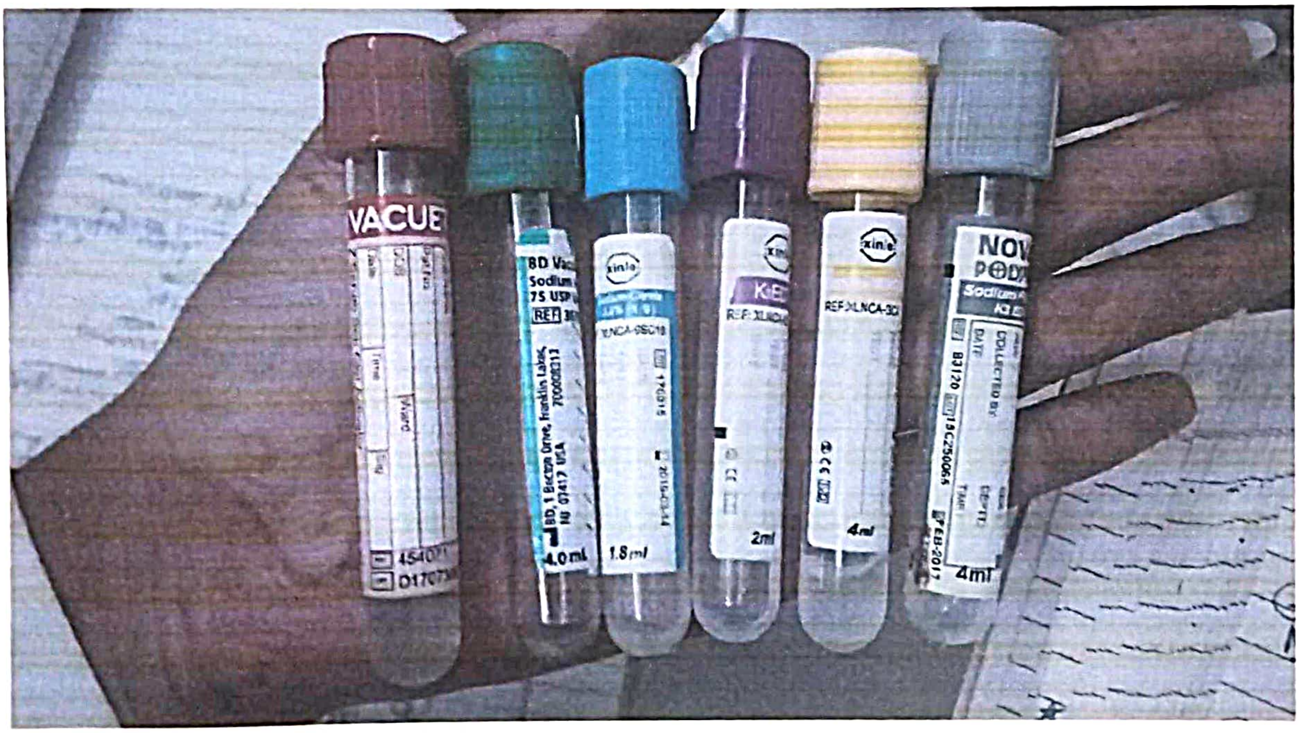

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

1. Random – One which could be done at any time of the day.

2. Fasting- The one which is conducted with an empty stomach early in the morning after an overnight fasting.

The tests observed by us were the ones undertaken randomly.

Procedure –

1. Add 500 ml double ionized distilled water to the powdered reagent and make a solution of it.
2. Add 1 ml of reagent to 10 micron serum.
3. Incubate it at 37 degree centigrade for around 15 minutes.
4. After incubation the color of the sample changes to pink.
5. Intensity of color determines the level of sugar in blood.

Result – Readings on the panel states that the patient is suffering from diabetes as the blood sugar level is high as compared to the normal sugar level.

Patient's blood sugar level – **223.1**

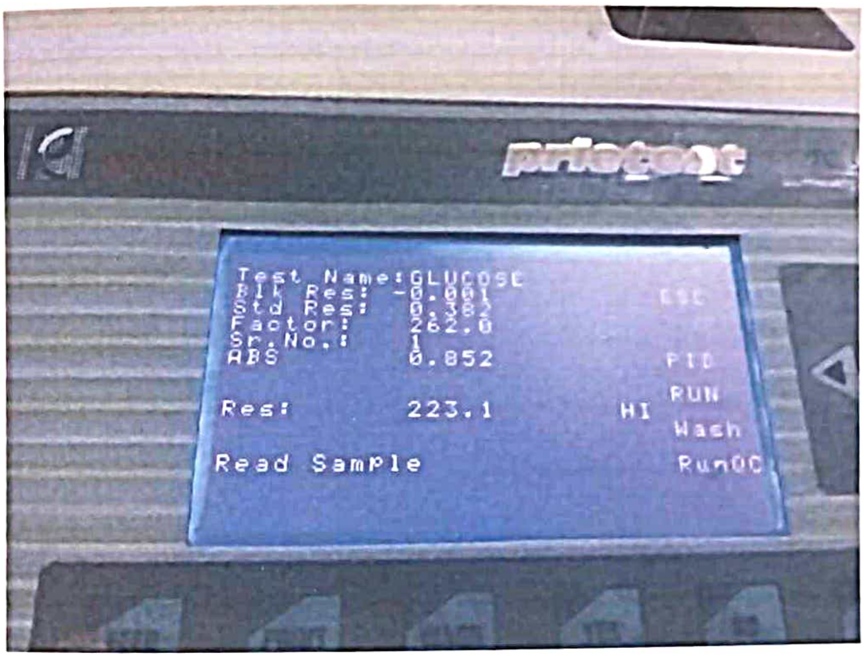

FiG:- Diabetes Testing Machine

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Aniljwal

Govt. Girls P.G. College, Ujjain

Project Report on

Electrocardiography (ECG)

Submitted to
Biotechnology Department

Signature (Guide)
Dr. Leena Lakhani
Miss Sheeba Khan Mam

Signature (Student)
Shivani Kandariya

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

Introduction of Electrocardiography

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anjwal

Electrocardiography is the process of recording the electrical activity of the heart over a period of time using electrodes placed on the skin. These electrodes detect the tiny electrical changes on the skin that arise from the heart muscles electrophysiologic pattern of depolarising and repolarising during each heartbeat. It is a very commonly performed cardiology test .

During each heartbeat, a healthy heart has an orderly progression of depolarization that starts with pacemaker cells in the sinotrial node spreads out through the atrium, passes through the atrioventricular node down into the bundle of his and into the purkinje fiber , spreading down and to the left throughout the ventricles . This orderly pattern of depolarization gives rise to the characteristic ECG tracing. To the trained clinician, an ECG conveys a large amount of information about the structure of the heart and the function of its electrical conduction system. Among other things, an ECG can be used to measure the rate and rhythm of heartbeats, the size and position of the heart chambers the presence of any damage to the heart's muscle cells or conduction system, the effects of cardiac drugs, and the function of implanted pacemaker.

History

The etymology of the word is derived from the Greek *electro*, because it is related to electrical activity, *kardio*,greek for heart, and *graph*, a Greek meaning "to write".

By 1927, General Electric had developed a portable apparatus that could produce electrocardiograms without the use of the string galvanometer. This device instead combined amplifier tubes similar to those used in a radio with an internal lamp and a moving mirror that directed the tracing of the electric pulses onto film.

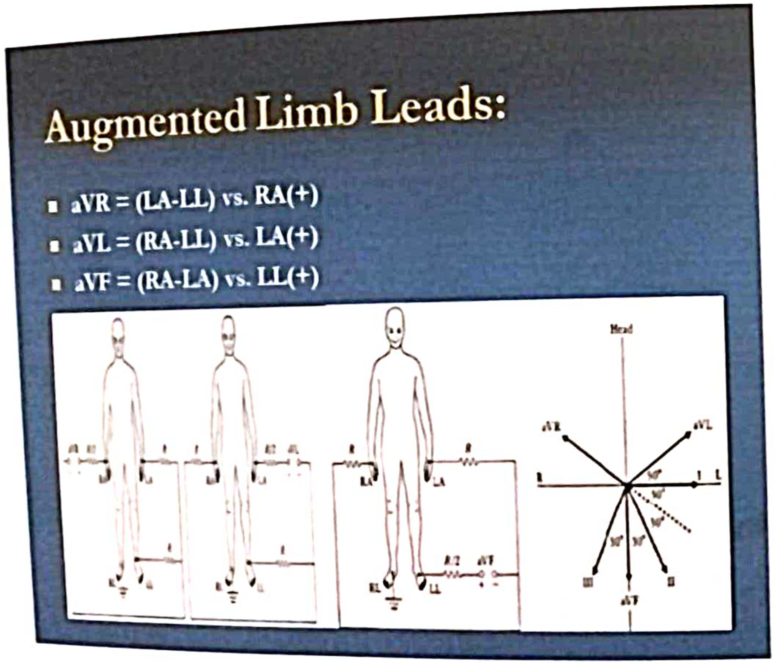

Limb leads

Leads I, II and III are called the *limb leads*. The electrodes that form these signals are located on the limbs—one on each arm and one on the left leg. The limb leads form the points of what is known as Einthovens triangle .

Lead I is the voltage between the (positive) left arm (LA) electrode and right arm (RA) electrode

Lead II is the voltage between the (positive) left leg (LL) electrode and the right arm (RA) electrode

Lead III is the voltage between the (positive) left leg (LL) electrode and the left arm (LA) electrode:

Augmented limb leads

Leads aVR, aVL, and aVF are the *augmented limb leads*. They are derived from the same three electrodes as leads I, II, and III, but they use Goldberger's central terminal as their negative pole. Goldberger's central terminal is a combination of inputs from two limb electrodes, with a different combination for each augmented lead. It is referred to immediately below as "the negative pole".

Lead *augmented vector right* (aVR)' has the positive electrode on the right arm. The negative pole is a combination of the left arm electrode and the left leg electrode:

$$aVR = RA - 1/2\,(LA+LL) = 3/2\,(RA - Vw)$$

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

NURSING CARE

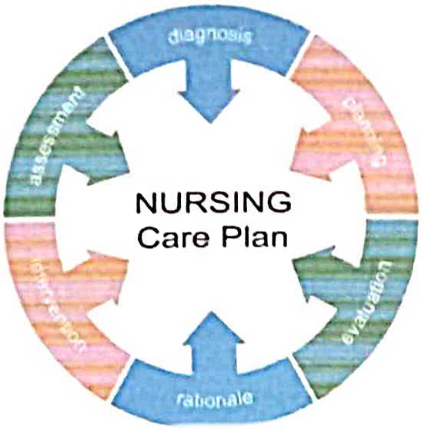

Government Girls P.G. College
Dusshera Maidan, Ujjain (M.P)

Signature Guide: -

Name of the Guide: -
Dr. Leena Lakhani

Signature Student:-

Name of the Student: -
Miss Aaysha Rehmani

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

ICU [INTENSIVE CARE UNIT]

INTRODUCTION –

An **intensive care unit (ICU)**, also known as an **intensive therapy unit** or **intensive treatment unit** (**ITU**) or **critical care unit** (**CCU**), is a special department of a hospital or health care facility that provides intensive treatment medicine.
Intensive care units cater to patients with severe and life-threatening illnesses and injuries, which require constant, close monitoring and support from specialist equipment and medications in order to ensure normal bodily functions. They are staffed by highly trained doctors and nurses who specialise in caring for critically ill patients.

INTENSIVE CARE UNIT (ICU)

ICUs are also distinguished from normal hospital wards by a higher staff-to-patient ratio and access to advanced medical resources and equipment that is not routinely available elsewhere. Common conditions that are treated within ICUs include acute (or adult) respiratory distress syndrome (ARDS), trauma,multiple organ failure and sepsis.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

DIALYSIS

INTRODUCTION-The kidneys are a pair of organs, each about the size of a fist, located on either side of your spine. They're responsible for purifying your blood by removing waste and excess fluid from your body. When the kidneys don't work properly, dialysis is used to perform the function of the kidneys.

Dialysis is a treatment that filters and purifies the blood using a machine. This helps keep your body in balance when the kidneys can't do their job. Dialysis has been used since the 1940s to treat people with kidney problems.

DIALYSIS ROOM

Why Is Dialysis Used?

Properly functioning kidneys prevent extra water, waste, and other impurities from accumulating in your body. They also help control blood pressure and regulate the levels of chemicals in the blood, such as sodium, or salt, and potassium. They even activate a form of vitamin D that improves the absorption of calcium.

When your kidneys can't perform these functions due to disease or injury, dialysis can help keep the body running as normally as possible. Without dialysis, salts and other waste products will accumulate in the blood and poison the body. However, dialysis isn't a cure for kidney disease or other problems affecting the kidneys. Different treatments may be needed to address those concerns.

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Online Teaching

Project report submitted to:

Dr. Ravindra Bhardwaj

Government Girls P.G College, Ujjain

Guide:

Signature:

Dr. Ravindra Bhardwaj

Head of History Department

Government Girls P.G College, Ujjain

Student:

Signature:

Miss Garima Rawat

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

"ONLINE TEACHING"

Objective behind choosing the course

" Change is the only constant in the world" so my only objective behing choosing this course is "to enlist unconventional ways of earning money and present an innovative way of teaching so that a teacher's word and knowledge can reach to every nook and corner of the world."

The project is related to:

Educational work

Source of inspiration for selecting the option

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Time itself forces me to think about this option. I was inspired by our mentor Dr. Ravindra Bhardwaj and every one out there who are trying their hands in this field and earning huge sums of money and that too in an innovative and recreational ways that makes teaching an adventure activity.

Minimum qualification required.

Academic : minimum Graduation with history subject and respective subject of interest.

Technology: good knowledge of computer and good presentation and communication skills.

Experience: minimum 1 year of experience and It's itself is the source of gaining experience!

Detail Synopsis of the project

Share your passion with millions of students around the world

Teachers are now following students into cyberspace where new virtual ecosystems are emerging as the battleground for hi-tech We'll find

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anjiwal

HISTORIAN AND HISTORICAL WRITER

(In special reference of travel and tourism)

Project report submitted to

DR. RAVINDRA BHARDWAJ

GOVERNMENT GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN

SIGNATURE ________

GUIDED BY

DR.RAVINDRA BHARDWAJ (SIR)

SIGNATURE ________

SUBMITTED BY

MS. DIKSHA SINGH

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

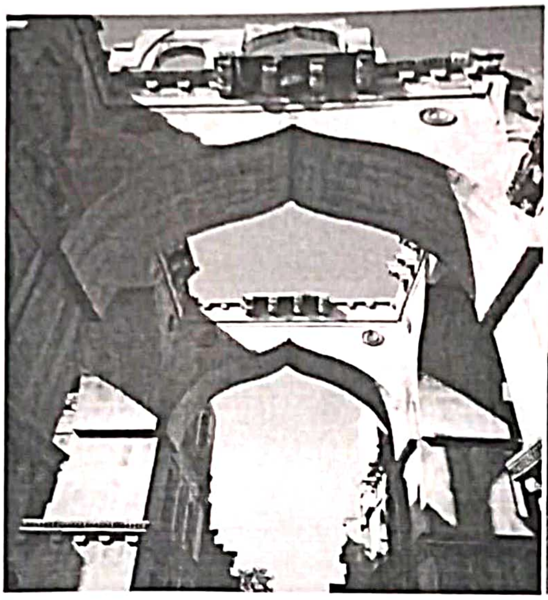

KOSHAK MAHAL

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Through the meditative development of serenity, one is able to weaken the obscuring hindrances and bring the mind to a collected, pliant and still state (samadhi). This quality of mind then supports the development of insight and wisdom (Prajñā) which is the quality of mind that can "clearly see" (*vi-passana*) the nature of phenomena. What exactly is to be seen varies within the Buddhist traditions. In Theravada, all phenomena are to be seen as impermanent, suffering, not-self and empty. When this happens, one develops dispassion (*viraga*) for all phenomena, including all negative qualities and hindrances and lets them go. It is through the release of the hindrances and ending of craving through the meditative development of insight that one gains liberation.

In the modern era, Buddhist meditation saw increasing popularity due to the influence of Buddhist modernism on Asian Buddhism, and western lay interest in Zen and the Vipassana movement. The spread of Buddhist meditation to the Western world paralleled the spread of Buddhism in the West. Buddhist meditation has also influenced Western Psychology, especially through the work of Jon Kabat-Zinn who founded the Mindfulness-Based Stress Reduction (MBSR) in 1979 The modernized concept of mindfulness (based on the Buddhist term *sati*) and related meditative practices has in turn led to several mindfulness based therapies.

Hinduism

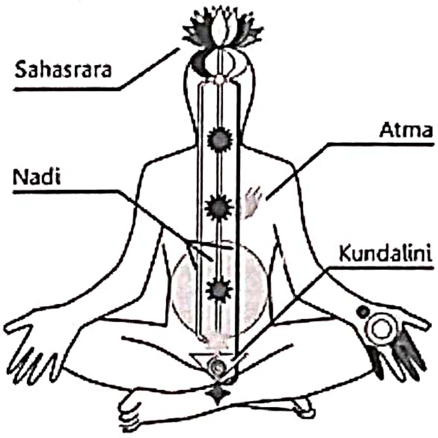

Kundalini chakra diagram

In pre-modern and traditional Hindu religions, *Yoga* and *Dhyana* are done to realize union of one's eternal self or soul, one's ātman. In some Hindu traditions, such as Advaita Vedanta this is equated with the omnipresent and non-dual Brahman. In others, such as the dualistic the Yoga

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन (म.प्र.)

नाम :- गीता चौहान

पिता :- दूकालसिंह चौहान

विषय :- समाजशास्त्र

निर्देशिका

डॉ. नीता तिवारी

प्रस्तुतकर्ता

गीता चौहान

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

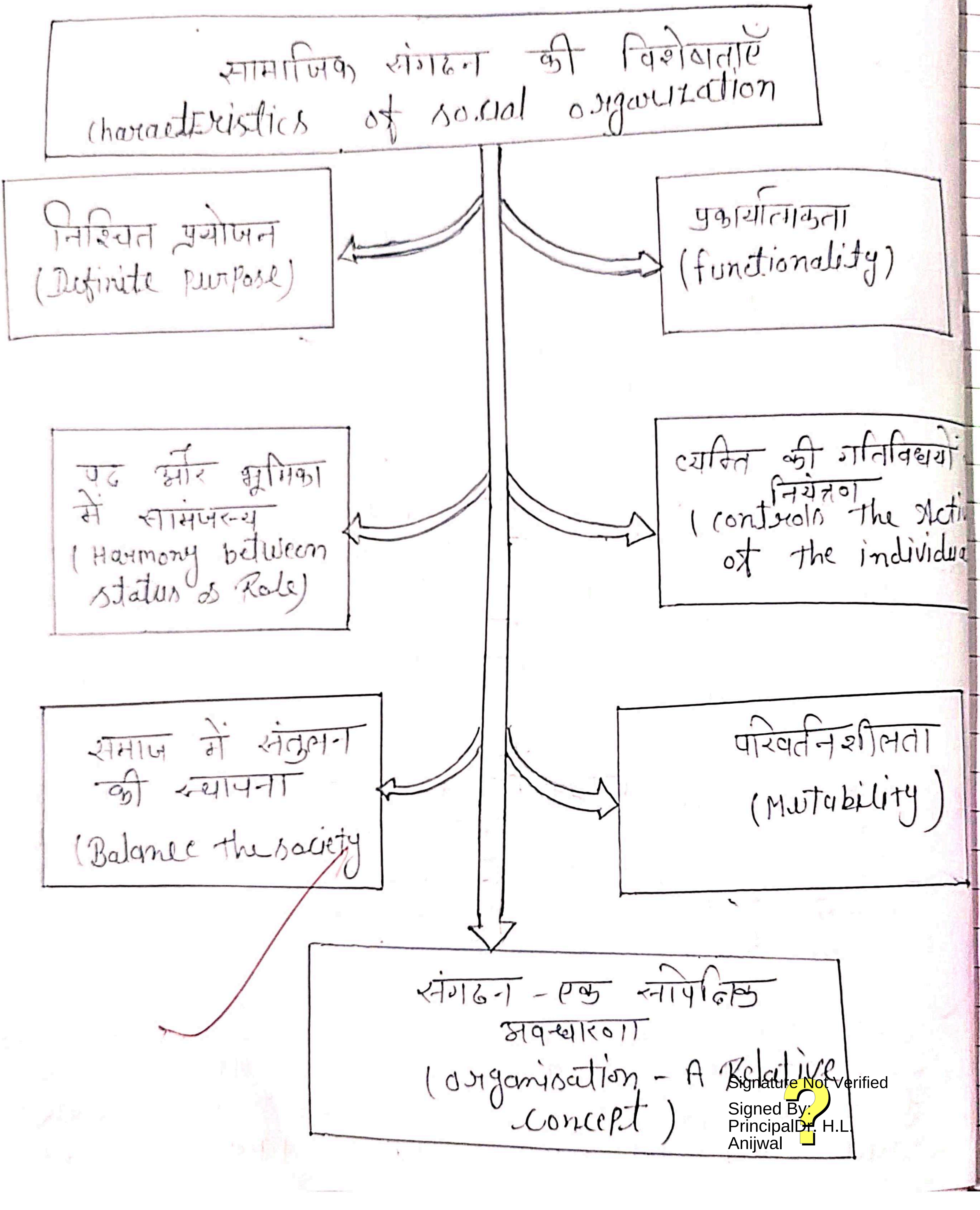

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

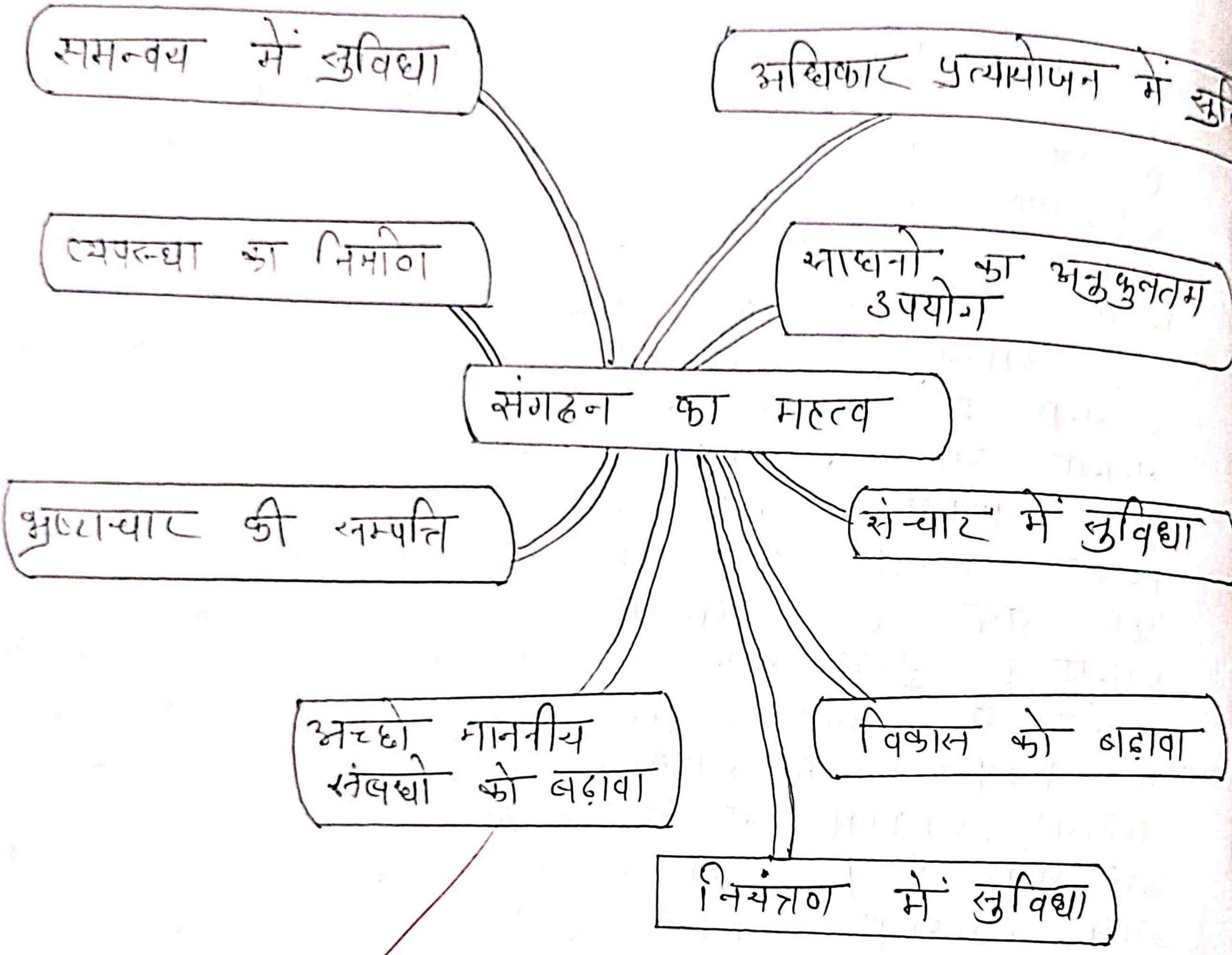

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Page 07

संगठन का महत्व :—

1. समन्वय में सुविधा :— कृत्यों तथा विभागों का समाकलन करते समय समन्वय का पूरा-पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए प्रबन्ध का यह मुख्य कार्य है कि वह कर्मचारी के अलग-अलग कार्यों, प्रयासों, हितों व दृष्टिकोण में एक उचित समन्वय स्थापित करें।

2. अधिकार प्रत्यायोजन में सुविधा :— एक अच्छा संगठन में प्रत्येक अधिकारी को अपने कार्यक्षेत्र, उद्देश्यों एवं अधिकारों का स्पष्ट ज्ञान हो जाता है। वह अपने अधीनस्थों को आवश्यक कार्य एवं अधिकार सौंप सकता है कुशल संगठन अधिकारों के प्रत्यायोजन को सुगम बनाता है

3. भ्रष्टाचार की सम्पत्ति :— संगठन के विभिन्न स्तरों पर निरन्तर नियन्त्रण का अर्थ कार्य किया जाता है एवं अच्छा संगठन अपने कर्मचारियों के वैयक्तिक गुणों, परिश्रम, दायित्व, भावना आदि।

4. संचार में सुविधा :— संगठन के द्वारा संस्था में अधिकारी, अधीनस्थ संबंध स्थापित हो जाते हैं एवं औपचारिक संचार के मार्गों का निर्धारण हो जाता है। जिसके कारण ऊपर से नीचे की ओर आदेशों के प्रवाह में और वहाँ से ऊपर की ओर कर्मचारियों के विचारों, सुझावों एवं

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anjiwal

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन

नाम - प्रीति चौहान

विषय - समाजशास्त्र (समाजशास्त्री प्रो. एम. एन श्रीनिवास का जीवन इतिहास एवं जीवन चित्रण)

मार्गदर्शिका :-
श्रीमति नीता तिवारी मैडम

प्रस्तुतकर्ता
प्रीति चौहान

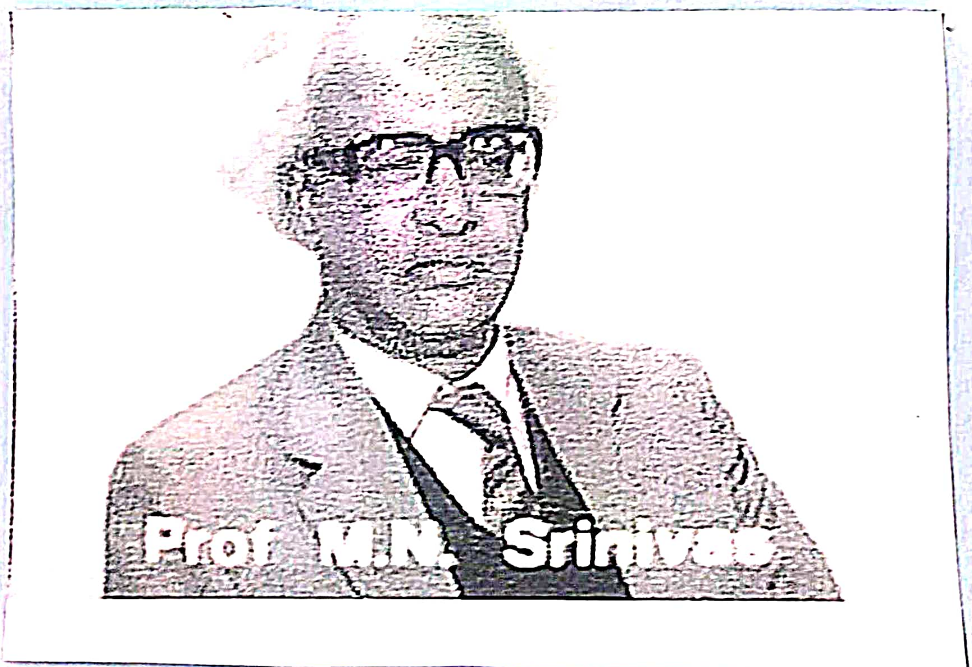

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

मैसूर नरसिंहाचार श्रीनिवास

मैसूर नरसिंहाचार श्रीनिवास (1916 - 1999) भारत के सुप्रसिद्ध समाजशास्त्री थे। उन्होंने दक्षिण भारत में जाति तथा जाति प्रथा, सामाजिक स्तरीकरण, सांस्कृतीकरण तथा पश्चिमीकरण पर कार्य किया।

उन्होंने 'प्रबल जाति' की अवधारणा प्रस्तुत की। 'मैसूर नरसिंहाचार श्रीनिवास' को सन् 1977 में भारत सरकार द्वारा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। ये कर्नाटक से हैं।

wn.com
WN - m.n. srinivas

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

मैरिज एंड फैमिली इन मैसूर (1952)

कास्ट्स इन मॉडर्न इंडिया एंड अदर एसेज (1962) एशिया पब्लिशिंग हाउस

इंडियन सोसायटी थ्रू पर्सनल राइटिंग्स (1998)

द डोमिनेंट कास्ट एंड अदर एसेस

डाइमेंशन्स ऑफ सोशल चेंज इन इंडिया

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

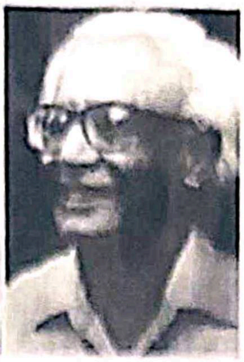

प्रो० मैसूर नरसिंहाचार श्रीनिवास

निष्कर्ष :-

प्रो० एम. एन श्रीनिवास, समजशास्त्र के जनक माने जाते हैं। यह समाजशास्त्री है। जिन्होंने समाजशास्त्र में तथा समाज में अपना योगदान दिया है। इन्होंने समाजशास्त्र से सम्बन्धित कई कार्य किये है तथा पुस्तके लिखी है। जिसमें समाज तथा जाति आदि। का वर्णन मिलता है। इनकी पुस्तके अधिक मान्यता रखती है यह सर्वश्रेष्ठ है। इन समाजशास्त्री का नाम इस सम्प्रदाय से सम्बन्धित है तथा समाजशास्त्र के क्षेत्र में इन्हे याद किया जाता है।

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

उज्जैन म.प्र

विषय नगरीय समाजशास्त्र

निर्देशिका

प्रो. डॉ. नीता तिवारी

प्रस्तुतकर्त्ता

जीया भावसार

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

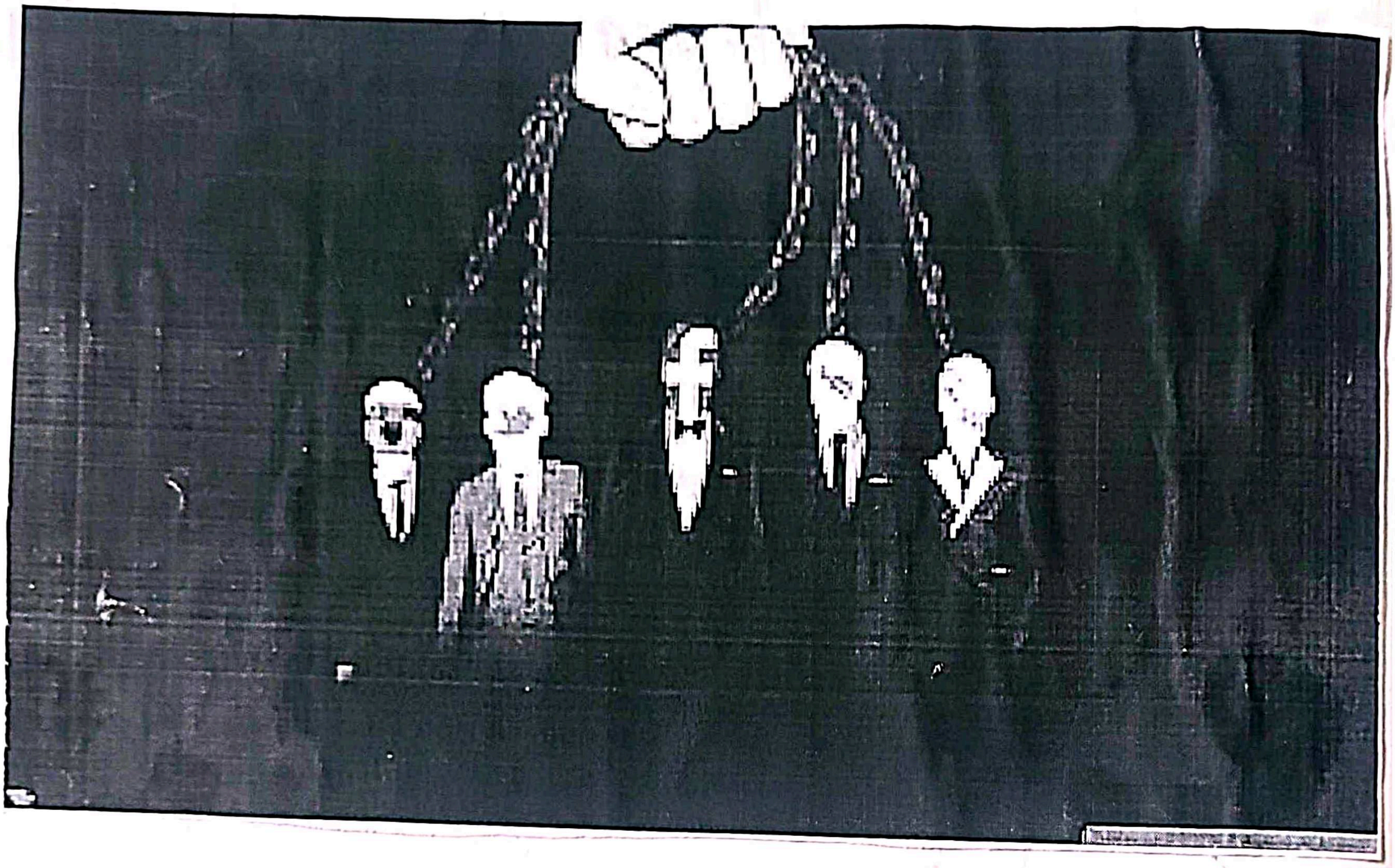

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Date ______
Page ______

नगर में साइबर अपराध

साइबर अपराध एक ऐसा अपराध है जिस में कम्प्यूटर और नेटवर्क शामिल है किसी भी कम्प्यूटर का अपराधिक स्थान पर मिलना या कम्प्यूटर से कोई अपराध करना कम्प्यूटर अपराध कहलाता है नगर में कम्प्यूटर अपराध में नेटवर्क शामिल नही होता किसी की निजी जानकारी को परपत करना और उसका गलत स्तयाम करना किसी किसी निजी जानकारी कम्प्यूटर से निकाल लेना या चोरी कर लेना भी सायबर अपराध कहलाता है

कम्प्यूटर अपराध भी कई प्रकार से किये जाते हैं जैसे की जानकारी चोरी करना जानकारी मिटाना, जानकारी में फेर बदल करना, किसी की जानकारी को किसी और को देना या कम्प्यूटर के भागो को चोरी करना या नष्ट करना

साइबर अपराध के प्रकार

साइबर अपराध भी कई प्रकार के हैं जैसे कि स्पैम, ईमेल, हैकिंग, फिशिंग, वायरस को डालना किसी की जानकारी को ऑनलाइन प्राप्त करना या किसी पर हर वक्त नजर रखना

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT. GIRLS POST GRADUATE COLLEGE UJJAIN (M.P.)

ESTD. 1958

CCE PAPER- URBAN SOCIETY IN INDIA

Submitted By:

SUBMITTED TO – DR. NEETA TIWARI

NAME- VARSHA RATHORE

CLASS- MA IST SEM

SUBJECT- SOCIOLOGY

Topic -> Urban Society in India

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

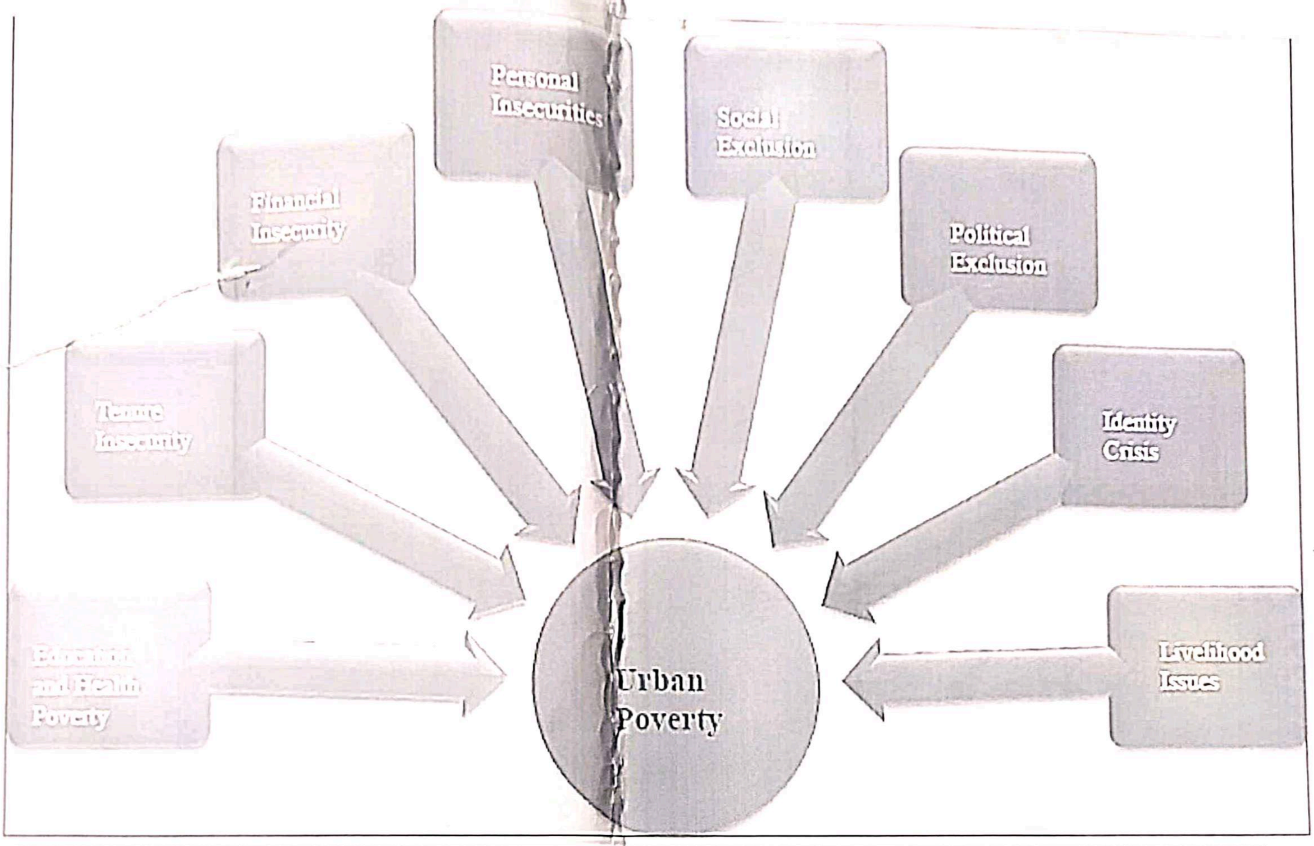

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

विकास मास्टर प्लॉन के अंतर्गत किया जा रहा है। पंचवर्षीय योजनाओं में इन्हें विशेष महत्व दिया गया है।

नियोजन की विशेषताएं :- (Features of Planning)

उपर्युक्त विवेचन के आधार पर नियोजन में निम्न लिखित विशेषता देखने को मिलती है :-

1) नियोजन भविष्य के प्रति एक पूर्वाग्रह है।
2) इसका निर्माण व्यक्ति और समाज के हित तथा कल्याण के लिए किया जाता है।
3) इसके माध्यम से वर्तमान तथा भविष्य में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विचार किया जाता है।
4) इससे राष्ट्रीय उद्देश्य लक्षित होते हैं।
5) यह किसी भी देश के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक ढांचे में होने वाले परिवर्तन की ओर संकेत करता है।
6) एक विद्वान ने नगरीय - नियोजन के आदर्श एवं उद्देश्यों को इस प्रकार से बताया है :-

i) नगर के क्रमबद्ध विकास की निश्चित योजना तैयार करना ताकि भविष्य में नगर का विकास होने पर किसी प्रकार की रुकावट न आए।

ii) नगर के आस - पास पड़ा समस्त बेकार क्षेत्र जो इमारतें बनाने के लिए उपयुक्त हो।

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

राजकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

दुर्खीम - जीवन इतिहास

विषय - प्रमुख समाजशास्त्रीय विचारक - I

प्रस्तुतकर्ता

मेघा डोरवाल

मार्गदर्शन

डॉ. नीता तिवारी जैन

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

1858 - 1917

- *The Division of L*
  Society 1893
- *Rules of the Soci*
  Method 1895
- *Suicide* 1897
- *The Elementary*
  the Religious Life.

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

पूर्वी फ्रांस की वोसजू पहाड़ियों की तलहटी पर लॉरेना प्रान्त मे स्थित है। यहूदी परिवार मे जन्मे, दुर्खीम बचपन से ही अत्यन्त होनहार एवं प्रतिभासम्पन्न थे। पढ़ाई के प्रारम्भिक वर्षों मे ही दुर्खीम अपनी एक अध्यापक, जो कि कैथोलिक धर्मावलम्बी थी, से बहुत अधिक प्रभावित हुए। बचपन से ही दुर्खीम पर यहूदी और कैथोलिक धर्म का व्यापक प्रभाव पड़ा। दुर्खीम ने अपनी प्रारम्भिक एवं सेकेण्डरी शिक्षा मे विद्वता के बल पर अनेक पुरस्कार प्राप्त किये थे। एपीनाल कॉलेज से स्नातक की उपाधि प्राप्त करने के पश्चात दुर्खीम ने पेरिस की विख्यात इकोल अकादमी (eCale Normale Superieurede, (Paris) मे शिक्षा ग्रहण की थी। 21 वर्ष की आयु मे सन् 1879 मे दुर्खीम की गिनती इकोल अकादमी के होनहार छात्रों मे की जाने लगी। दुर्खीम सन् 1885 मे जर्मनी चले गये जहाँ पर अपने अर्थशास्त्र, लोक मनोविज्ञान, सांस्कृतिक मानवशास्त्र का व्यापक रूप मे अध्ययन कर जर्मन विचारधारा को समझने का प्रयास किया। बोर्डिक्स विश्वविद्यालय में प्रोफेसर के पद के लिए नियुक्त किये गये। इस समय बोर्डिक्स विश्वविद्यालय मे मनोविज्ञान के प्रोफेसर अल्फ्रेड इस्पिनास ने दुर्खीम को काफी प्रभावित किया एवं समूह मस्तिष्क का सिद्धान्त प्रस्तुत किया। सन् 1893 मे आपने पेरिस विश्वविद्यालय मे डॉक्टरेट की उपाधि, दार्शनिक इमाइल बुटरोक्स की देखरेख मे प्राप्त की थी। और बुटरोक्स की प्रेरणा से ही दुर्खीम ने मॉन्टेस्क्यू पर थीसिस लिखी जिसका विषय [illegible] De la Division Du Travail Social अर्थात The Division of

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Ahirwal

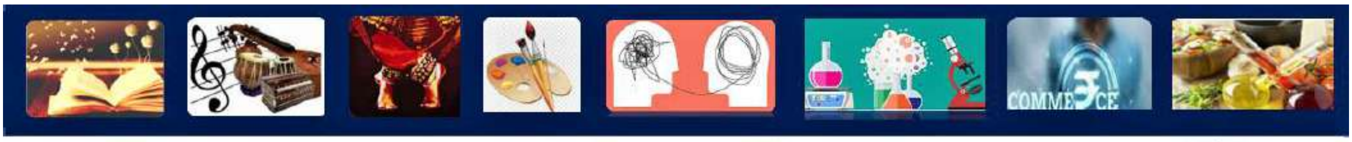

वयं राष्ट्रे जाग्रयाम पुरोहिताः

Govt. Girls' P.G. College, Ujjain (M.P.)

(Established in 1958)

A Centre for Excellence, "A" Graded by NAAC in Two Cycles

Affiliated to Vikram University, Ujjain

Internal Quality Assurance Cell

Post Graduate Programmes
Sample Projects
2021-22

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

M.A.
Drawing Projects

GOVERNMENT GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN (M.P)

SESSION 2021-2022

PROJECT REPORT ON:

DRESS DESIGN

GUIDED BY :

DR.RANJANA WANKHEDE

SUBMITTED BY :

SHIVANI BAMNAWAT

M.A. 4TH SEM

DRAWING & PANTING

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

Government Girls Post Graduate College, Ujjain (M.P.)

2021-22

Dress Design

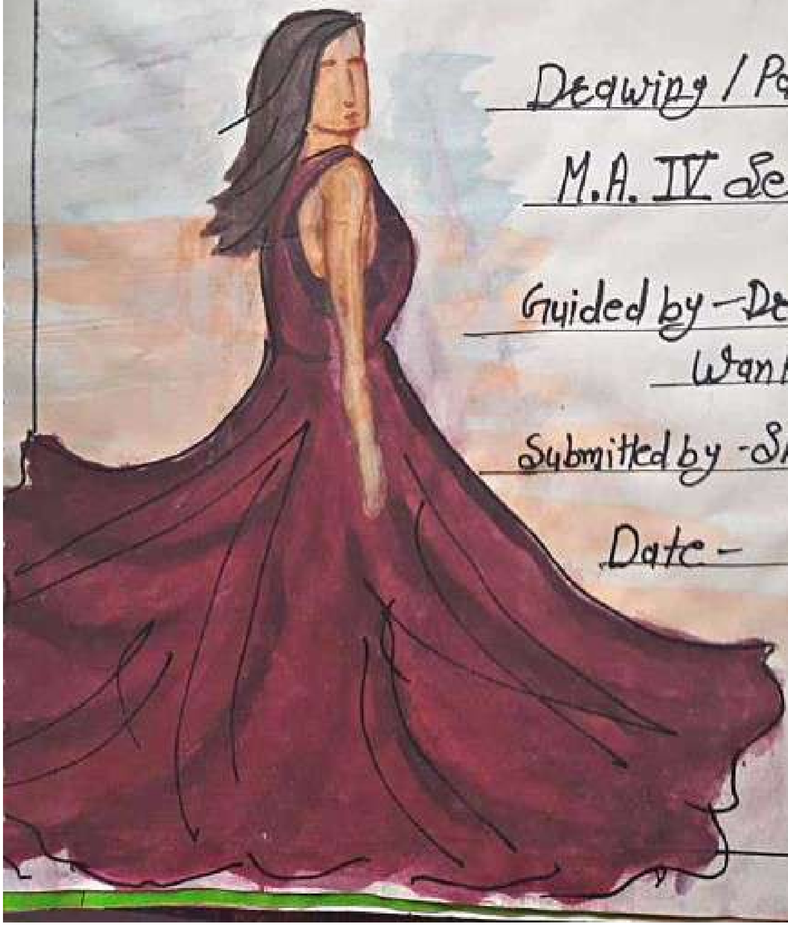

Drawing / Painting

M.A. IV Sem.

Guided by - Dr. Ranjana Wankhade

Submitted by - Shivani Bamnawat

Date -

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

CERTIFICATE OF COMPLETION

THIS CERTIFICATE IS AWARDED TO

SHIVANI BUMNAVAT

For successfully completing the course in

Fashion Designing & Techniques (Level 1)

NEHA SISODIYA CLASSES

2nd April 2022

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

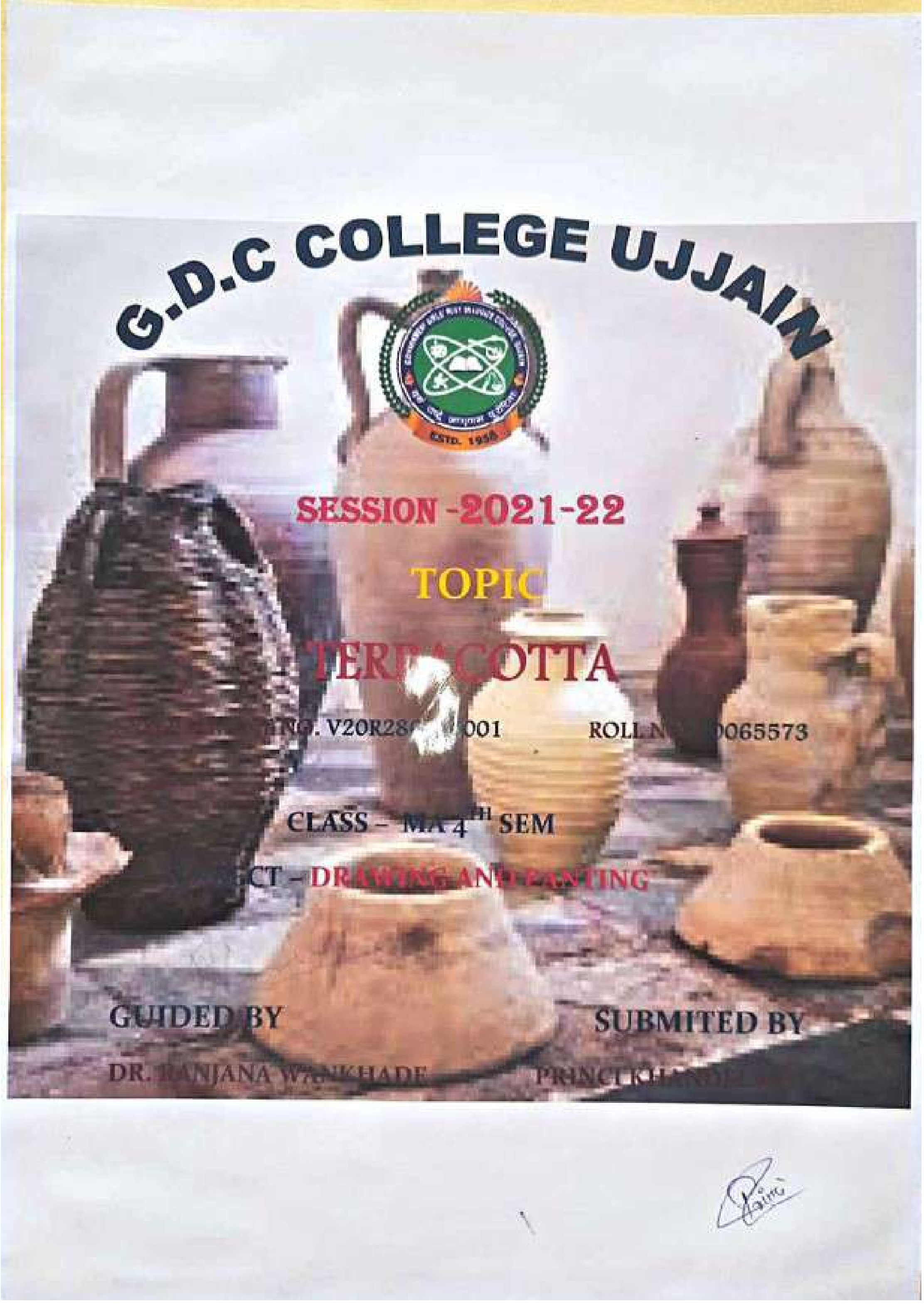

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

कालिदास संस्कृत अकादमी

म.प्र.संस्कृति परिषद्, उज्जैन

समरस कलाशिविर

एवं कार्यशाला

फाल्गुन कृष्ण षष्ठी से फाल्गुन शुक्ल पञ्चमी-2078

22 फरवरी से 7 मार्च, 2022

प्रमाण-पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि कु. प्रिंसी खण्डेलवाल, उज्जैन ने कालिदास संस्कृत अकादमी मध्यप्रदेश संस्कृति परिषद्, उज्जैन द्वारा आयोजित समरस कलाशिविर एवं कार्यशाला में महाकवि कालिदास विरचित 'कुमारसम्भवम्' पर केन्द्रित टेराकोटा मूर्ति-शिल्प में कलात्मक सृजन कार्य का प्रशिक्षण प्राप्त किया एवं कलाकृति का सृजन किया है। इस कार्यशाला/शिविर में आपने दिनाङ्क 22 फरवरी...... से 07 मार्च 2022 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

अकादमी आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती है।

दिनाङ्क : 7 मार्च, 2022

स्थान : उज्जैन

डॉ. सन्तोष पण्ड्या

प्रभारी निदेशक

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

चित्रकला परियोजना कार्य

"ब्यूटी पार्लर के रूप में रोजगार के अवसर"

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

(चित्रकला)

महाविद्यालय का नाम

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

हस्ताक्षर निर्देशक

निर्देशक का नाम

प्रो. रंजना बाणखेड़े मेढम

हस्ताक्षर विद्यार्थी

विद्यार्थी का नाम

शुभाली जैन

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

SHINE
Beauty Salon & Classes

PHOTO

CERTIFICATE

This is to Certify that Miss / Mrs. Shubhali Jain

Has Undergone Beauty Parlour Training from 1 Apr 22 to 30 Jun22

has successfully completed in Beauty parlor Course class.

Date : 10 May 22 Authorised Person Vinita
10 May 22

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.A.
Psychology Projects

"विशिष्ट बालकों को शिक्षा में दी जाने वाली सुविधाओं का अध्ययन करना"

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन द्वारा संबंधित एम.ए.
(मनोविज्ञान) के परियोजना कार्य हेतु प्रस्तुत

लघुशोध प्रबंध

2021-2022

मार्गदर्शक

डॉ. निखत अहमद परवीन

एसोसिएट प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष

(मनोविज्ञान)

शा.कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,उज्जैन

शोधार्थी

श्रीमती ज्योत्सना परमार

एम.ए.,मनोविज्ञान (चतुर्थ सेमेस्टर)

शा.कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

उज्जैन

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Government Degree College, Ujjain, Madhya Pradesh.

Research Project: Relationship between Music Preference and Personality Type

Name: Tiasha Nandi

Class: MA in Psychology

Semester: 4th

Professor: Mrs. Nikhat Praveen

Signature 15/7/22

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

" स्कूल काउन्सलर "

Job Oriented Project

M.A. IV Semester

शा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उज्जैन

निर्देशक
डॉ. निखत परवीन एहमद
विभागाध्यक्ष एवं एसोसिएट प्रोफेसर
मनोविज्ञान विभाग

विद्यार्थी
ज्योत्स्ना परमार

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

शासकीय स्नातकोतर कन्या महविधालय उज्जैन (म.प्र.)

परियोजना कार्य का प्रतिवेदन

पाठ योजना

एम.ए. चतुर्थ सेम (मनोविज्ञान)

सत्र 2021-2022

PGT TEACHER

हस्ताक्षर (निर्देशक)

....

डॉ. निखत परवीन अहमद
मनोविज्ञान विभाग

हस्ताक्षर (विद्यार्थी)

Nikita Tiwari

निकिता तिवारी

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M. A.
Sociology Projects

25

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय ,

उज्जैन

सत्र - 2022

एम.ए - चतुर्थ सेम

सोशल मीडिया और साइबर क्राइम

मार्ग दर्शक -

डॉ. नीता तिवारी

विद्यार्थी का नाम -

पायल चित्तोड़िया

एम.ए - चतुर्थ सेम

रोल नं :20065892

मो. नं. 9770782743

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. पायल चिलोडिया (विद्यार्थी का नाम) ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

थाना प्रभारी
पुलिस थाना माधवनगर
जिला उज्जैन

हस्ताक्षर : ....

नाम : [illegible]

पद : निरीक्षक

कार्यालय/संस्था : थाना माधवनगर उज्जैन

स्थान : उज्जैन

दिनांक : 27/6/22

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .... *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ....

Place: ....

Signature: ....

Name: ....

Designation: ....

Office/Institution: ....

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

नशा मुक्त केन्द्र एनजीओ (38)

नशा मुक्ति केन्द्र

अरूणोदय सर्वेश्वरी लोक कल्याण समिति उज्जैन (म.प्र.)

एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (समाजशास्त्र)

सत्र 2021-22

शा. कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.)

हस्ताक्षर
निर्देशक
डॉ सरला अखण्ड

हस्ताक्षर
विद्यार्थी
शाहेना नागौरी
अनुक्रमांक - 20065906

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution)

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. शाहीना नागौरी (विद्यार्थी का नाम) ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : PROJECT MANAGER Project IDU/MSM A.S.L.K.S.

नाम : शिवानी नामदेव

स्थान : नशा मुक्त केन्द्र 52/A साईंनाथ कॉलोनी उज्जैन(M.P.)

दिनांक : 18/6/2022

पद : PM

कार्यालय/संस्था : ASLKS Ujjain

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .... *(Name of the student)* has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Date: ....

Place: ....

Signature: ....

Name: ....

Designation: ....

Office/Institution: ....

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

96

योग के क्षेत्र में रोजगार

एम.ए. चतुर्थ सेम (समाजशास्त्र)

सत्र 2021-2022

शासकीय कन्या स्नात्कोतर महविधालय उज्जैन (म.प्र.)

हस्ताक्षर (निर्देशक)

....

निर्देशक का नाम

प्रो. दिनेश चंद्र खंडेलवाल

हस्ताक्षर (विद्यार्थी)

....

काजल कुशवाह

रोल न.- 20065882

एम.ए. चतुर्थ सेम

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

सर्वेक्षित संस्था के प्रमाण–पत्र का फार्मेट (Format of the Certificate of the surveyed Institution) 3.

सर्वेक्षित संस्था का प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कु. कोमल कुशवाह (विद्यार्थी का नाम) ने अपने परियोजना कार्य को पूर्ण करने हेतु इस कार्यालय/संस्था में उपस्थित हुए। परियोजना कार्य के दौरान इनका कार्य एवं व्यवहार संतोषजनक रहा।

हस्ताक्षर : [signature] 6th June 2022 1:15 pm

नाम : Dr. Amit Kumawat

पद : Doctor

कार्यालय/संस्था : Sang Naturopathy and Yoga clinic

स्थान : Ujjain

दिनांक : 6th June 2022

Certificate of the Surveyed Institution

This is to certify that Mr./Ms. .... (*Name of the student*) has visited our office/Institution for his/her project work. During the project work his/her work and behaviour was satisfactory.

Signature: ....

Name: ....

Designation: ....

Office/Institution: ....

Date: ....

Place: ....

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.Sc.
Pharmaceutical Chemistry Projects

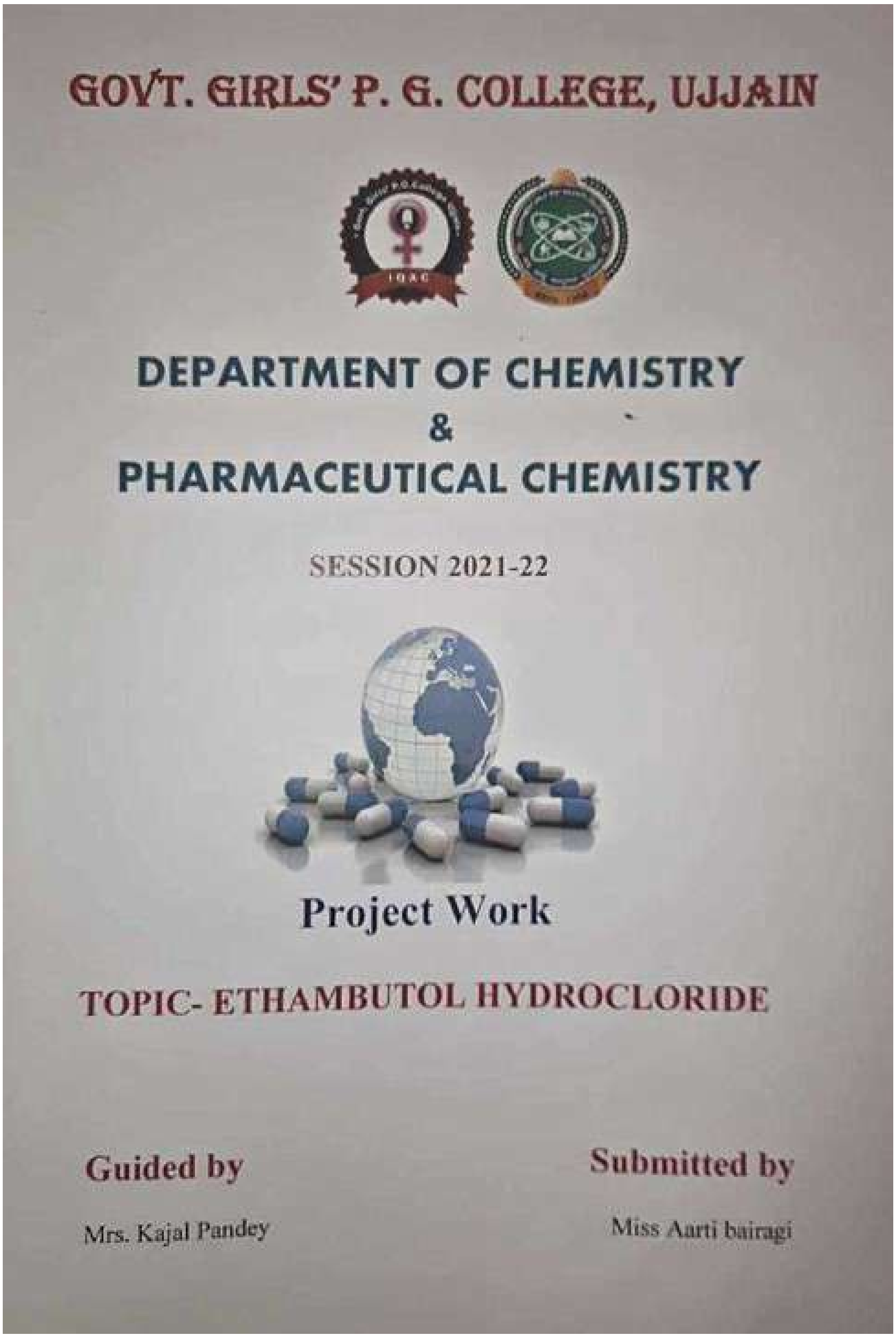
GOVT. GIRLS' P. G. COLLEGE, UJJAIN

DEPARTMENT OF CHEMISTRY
&
PHARMACEUTICAL CHEMISTRY

SESSION 2021-22

Project Work

TOPIC- ETHAMBUTOL HYDROCLORIDE

Guided by
Mrs. Kajal Pandey

Submitted by
Miss Aarti bairagi

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Quality Speaks its Own Language

HERB EDGE

HEALTH CARE PVT. LTD.

Plot No. 81, 82, 86, 87, Industrial Area, Dewas Road
[illegible]
Phone: [illegible]
E-mail: [illegible]

Date: 13/06/2022

TO WHOME SO EVER IT MAY CONCERN

This is to certify that **Miss. Aarti Bairagi D/O Mr. Bankat Das Bairagi** student of Govt. Girls P.G. College **M**.Sc. in Pharmaceutical Chemistry - IV Semester has successfully completed her project work on **Analysis of Ethambutol Hydrochloride** in our company from 01/06/2022 to 10/06/2022.

We found her sincere and hard working in her job during the training period.

For Herb Edge Health Care P. Ltd

Authorised Signatory

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

GOVT. GIRLS' P. G. COLLEGE, UJJAIN

DEPARTMENT OF CHEMISTRY
&
PHARMACEUTICAL CHEMISTRY

SESSION 2021-22

Project Work

TOPIC- GOOD DOCUMENTATION AND PRACTICE (GDP)

Guided by

Mr. Dharmesh Rathore

Submitted by

Kavita Porwal

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

BOCHEM HEALTHCARE
HEALING THE TOUCH

BOCHEM HEALTHCARE Pvt. Ltd.
(WHO-GMP Certified Company)
Regd. Office: - Plot No.83-84 Industrial Area,
Dewas Road, Nagziri, UJJAIN-456010(M.P.) INDIA,
Phone - 0734-2524904 Fax - 0734-2525080
Email:- info.bochem@gmail.com,bochem.healthcare@gmail.com
Corporate Identity Number: U33114MP1999PTC013855

Ref. Date: -

Industrial Training Certificate

TO WHOM SO EVER IT MAY CONCERN

This is to certify that Miss KAVITA PORWAL D/o. Mr. ASHOK PORWAL a student of GOVT GIRLS P.G.COLLEGE UJJAIN (MP) has completed her an Industrial training for 10 Days (from 27/05/2022 to 06/06/2022) in our WHO-GMP certified organization BOCHEM HEALTHCARE Pvt. Ltd. at Ujjain(MP).

During her training, she was exposed to the implementation of the Production & control function such as process, in process quality & quality control systems.

The training was completed under the supervision of Mr. Ramroop Prajapati. During her tenure with us we found him sincere & hard working. We wish him a great success in the future.

Thanking You,
Yours Faithfully,
For BOCHEM HEALTHCARE PVT. LTD.
For Bochem Healthcare Pvt. Ltd.
Authorized Signatory

Sunil Jain
(Authorized Signatory)

BOCHEM HEALTH CARE PVT. LTD.

Date:06/06/2022
Place: Ujjain

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.Sc.
Biotechnology Projects

Genetic diversity assessment among three species of *Allium* using RAPD markers

Dissertation work

Submitted for Partial Fulfillment of the Requirement for the Degree of

Master of Science in Biotechnology

Submitted to

Department of Zoology and Biotechnology
Govt. Girl's P.G. College, Ujjain

Submitted by

Anju Gundiya

Biotechnology Core Laboratory
Centre of Excellence in Biotechnology
M.P. Council of Science and Technology
Bhopal-462003 (M.P.)
2022

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.P. Council of Science & Technology
Centre of Excellence in Biotechnology
(Deptt. of Science & Technology, Govt. of M.P.)
Vigyan Bhavan, Nehru Nagar, Bhopal-462003
Tel.: 0755-2433127, Fax: 0755-2671600

No. 320 /CST/CEBT/Trg./2022

Date: 17/06/22

CERTIFICATE

This is to certify that **Miss Anju Gundiya,** student of M.Sc. (Biotechnology) from Department of Zoology and Biotechnology, Govt. Girl's P.G. College, Ujjain, Madhya Pradesh, has worked on the dissertation thesis entitled "Genetic diversity assessment among three species of *Allium* using RAPD markers" and successfully completed for partial fulfilment of the degree of Master of Science in Biotechnology.

It is a record of the bonafide work carried out by her from January 2022 to June 2022 under my guidance and supervision. She has acknowledged all the assistance and help received during the course of the investigation.

Pramod Sairkar

Dr. Pramod Kumar Sairkar

(Supervisor)

Forwarded by

Dr. R. K. Garg
Joint Project Director & Incharge
Centre of Excellence in Biotechnology
M.P. Council of Science & Technology, Bhopal

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

कार्यालय, प्राचार्य शासकीय कन्या स्नातकोत्तर (उत्कृष्ट) महाविद्यालय, दशहरा मैदान, उज्जैन
E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in – Phone No.: 0734-2530866

Dr. Pratibha Akhand
Head, Department of Biotechnology

CERTIFICATE

This is to certify that Ms. **ANJU GUNDIYA** . Has accomplished her Masters Course dissertation work under the guidance of **Dr. PRAMOD KUMAR SAIRKAR**. During the fourth semester from January to June 2022 for her Dissertation work entitled... **GENETIC DIVERSITY ASSESSMENT AMONG THREE SPECIES OR ALLIUM USING RAPD MARKERS...**

Dissertation work or a portion thereof will not be published or used by the University / College / the student in any scientific or popular journals or Magazines without appropriate permission.

Date: 22.07.2022

(Dr. Pratibha Akhand)

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

Studies on DNA Fingerprinting of *Catla Catla* (Ham 1822) of Shahpura Lake, Bhopal

A Thesis

Submitted in partial fulfilment of the requirement for the degree of

Master of Science (M.Sc.) in Biotechnology

Submitted To

Department of Biotechnology and Zoology
Govt. Girls' P.G. College, Ujjain

Submitted By

Ms. Richa Sharma

Under the Supervision of

Dr. R.K. Garg
Joint Project Director

Centre of Excellence in Biotechnology

M.P. COUNCIL OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
(Department of Science & Technology, Govt. Of M.P.)
Vigyan Bhawan, Bhopal- 462003
2022

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.P. COUNCIL OF SCIENCE & TECHNOLOGY
Deptt. of Science & Technology, Govt. of M.P.)

DR. R.K. GARG
Joint Project Director
In-charge
Centre of Excellence in Biotechnology

Vigyan Bhavan, Nehru Nagar, Bhopal-462003
E-mail: rkgargmpcst@gmail.com,
rkgarg.mpcost.nic.in
Tel.: 0755-2433124, 2670447
Mobile: 09826220136, **Fax:** 0755-2671600
Website: www.mpcost.nic.in

No. 315 /CST/CEBT/Trg/2022

Date: 06.06.2022

CERTIFICATE

This is to certify that the dissertation work entitled **"Studies on DNA Fingerprinting of *Catla Catla* (Hamilton 1822) of Shahpura Lake, Bhopal"** which is being submitted by **Ms. Richa Sharma** in partial fulfilment of the requirements for the award of the degree of M.Sc. in Biotechnology from Government Girls P.G. College, Ujjain affiliated to Vikram University, Ujjain. It is a record of candidate's own work carried out by her from March, 2022 to June, 2022 under my supervision and guidance. The matter embodied in this report has not been submitted for award of any other degree.

Dr. R. K. Garg
Supervisor

Dr. R. K. Garg
Joint Project Director & Incharge
Centre of Excellence in Biotechnology
M.P. Council of Science & Technology, Bhopal

Place: BHOPAL

Date: 06.06.2022

Forwarded by

Dr. R. K. Garg
Incharge
Centre of Excellence in Biotechnology
M.P. Council of Science and Technology, Bhopal

Dr. R. K. Garg
Joint Project Director & Incharge
Centre of Excellence in Biotechnology
M.P. Council of Science & Technology, Bhopal

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

GOVT. GIRLS PG COLLEGE UJJAIN (M.P)

E-mail:- heggpgcujj@mp.gov.in, principalgdcujjain@yahoo.co.in –

Phone No.: 0734-2530866

Dr. Pratibha Akhand

Head, Department of Biotechnology

CERTIFICATE

This is to certify that **Ms. RICHA SHARMA** has accomplished her Masters Course dissertation work under the guidance of **Dr. R. K. Garg**. During the fourth semester from January to June 2022 for her Dissertation work entitled **"Studies on DNA Fingerprinting of *Catla catla* (Ham 1822) of Shahpura Lake, Bhopal"**.

Dissertation work or a portion thereof will not be published or used by the University / College / the student in any scientific or popular journals or Magazines without appropriate permission.

Pratibha

(Dr. Pratibha Akhand)

Date:
22.07.2022

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.Sc.
Zoology Projects

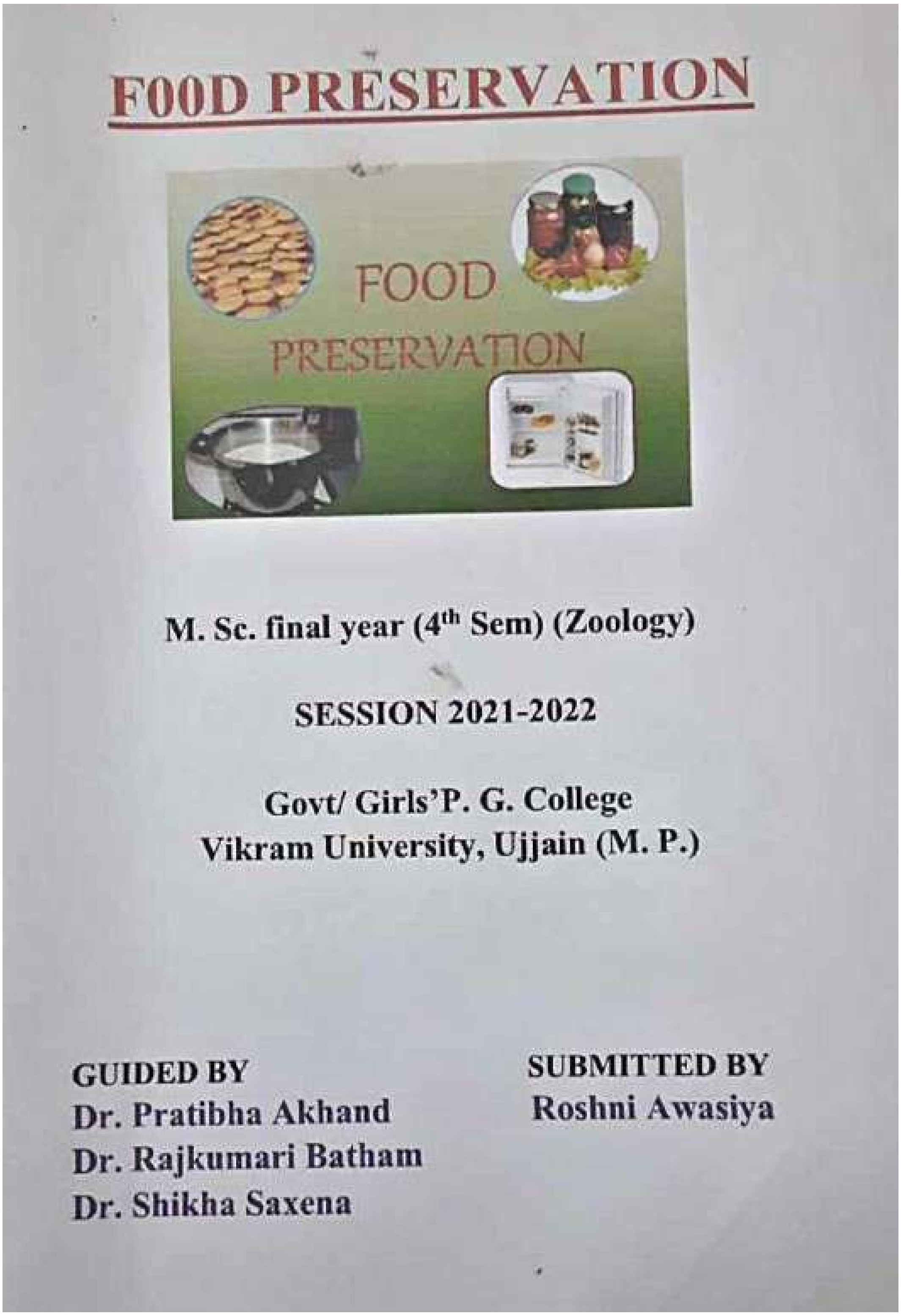

FOOD PRESERVATION

FOOD
PRESERVATION

M. Sc. final year (4th Sem) (Zoology)

SESSION 2021-2022

Govt/ Girls'P. G. College
Vikram University, Ujjain (M. P.)

GUIDED BY
Dr. Pratibha Akhand
Dr. Rajkumari Batham
Dr. Shikha Saxena

SUBMITTED BY
Roshni Awasiya

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

COLD CHAIN SOLUTION

Mahatma Gandhi Road, New Palasia, Indore - 452001

Certificate

This certify that

Miss. Roshni Awasiya

pursuing M.sc final year from

Government Girls P. G. College, UJJAIN has successfully completed training in FOOD PRESERVATION at COLD CHAIN SOLUTION , INDORE from 1st May to 15th May 2022. We found him sincere, medically curious & result oriented.

We wish him all the best for her future.

5th June 2022

Date of Issue

Mr. Anil Joshi
Executive Engineer
Cold Chain Solution, Indore

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

SERICULTURE

M.Sc. IV Sem. (Zoology)

Project Report Submitted

to

GOVT. GIRLS' P.G.
COLLEGE UJJAIN

Vikram University Ujjain

Session :- 2021-2022

Guided By

Dr. Pratibha Akhand

Dr. Rajkumari Batham

Dr. Shikha Saxena

Submitted By

Rupali Solanki

Roll No. :- 20103412

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

कार्यालय जिला रेशम अधिकारी
एम0 आई0 जी0 एफ–23 ऋषिनगर उज्जैन, (म0प्र0)

क्र0/का.जि.रे.अ.उ./स्था/2021–22/387 उज्जैन दि0 17.03.2022

प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है, कि कु0 रूपाली सोलंकी पुत्री श्री सीताराम सोलंकी, **M.sc. Zoology (IV Semester)** शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय उज्जैन द्वारा मलबरी रेशम एवं सिल्क वर्म संबंधी प्रशिक्षण दिनांक 01/02/2022 से 17/03/2022 तक प्रतिदिन शासकीय रेशम केन्द्र मौलाना बड़नगर जिला उज्जैन में उपस्थित होकर सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया

" इनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है "।

Joint Director(Seri.)
संयुक्त संचालक (रेशम)
For Joint Director (Sericulture)
वास्ते सहायक संचालक
जिला उज्जैन, म0प्र0

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

M.A.
Hindi Projects

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उज्जैन (म.प्र.)

सत्र 2021–2022

एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य

परियोजना कार्य

अपराध पत्रकारिता

39/50

हस्ताक्षर निर्देशक

हस्ताक्षर विद्यार्थी

हवन राजोरिया

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

"अपराध पत्रकारिता"

1) पत्रकारिता क्या है?

2) पत्रकारिता की परिभाषा

3) पत्रकारिता का उदय एवं विकास

4) पत्रकारिता के आयाम

5) पत्रकारिता के मूल्य

6) पत्रकारिता के प्रकार

7) अपराध पत्रकारिता

8) अपराध समाज एवं पत्रकारिता

9) टेलीविज़न और अपराध पत्रकारिता
(9.1) मीडिया और अपराध की परिभाषा
(9.2) अपराध रिपोर्टिंग की विकास यात्रा
(9.3) भारत में निजी चैनल और बदलाव की लहर

10) अपराध पत्रकारिता की सावधानियाँ

11) अपराधिक पत्रकार के खतरे

12) निष्कर्ष

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

(50)

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

उज्जैन (म.प्र.)

सत्र 2021–22

एम.ए. फायनल (हिन्दी साहित्य)

चतुर्थ सेमेस्टर

विषय – लोकजीवन का सर्वश्रेष्ठ उत्सव

"गणगौर"

निर्देशक

डॉ. एस. शेख

प्रस्तुतकर्ता

सोनू शुक्ला

अनुकमांक – 20065720

12/7/2022

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

StarLine
Date: / /
Page:

विद्यार्थी का घोषणा पत्र

मैं सोनू शुक्ला आत्मजा श्री सुभाष शुक्ला घोषित करती हूँ कि संलग्न परियोजना कार्य मेरे द्वारा पूर्ण किया गया है एवं मौलिक है। उक्त परियोजना कार्य मैंने डॉ. एस. शेख (हिन्दी विभाग) के मार्गदर्शन से पूर्ण किया है।

Sonu

दिनांक - 25/4/2022 विद्यार्थी के हस्ताक्षर

स्थान- उज्जैन

नाम - सोनू शुक्ला
कक्षा- एम. ए. चतुर्थ सेम.
(हिन्दी साहित्य)
अनुक्रमांक - 20065720
पता- 68, कालीदास मार्ग,
मकसी रोड़ उज्जैन.
मोबाइल नं. 9685105253

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

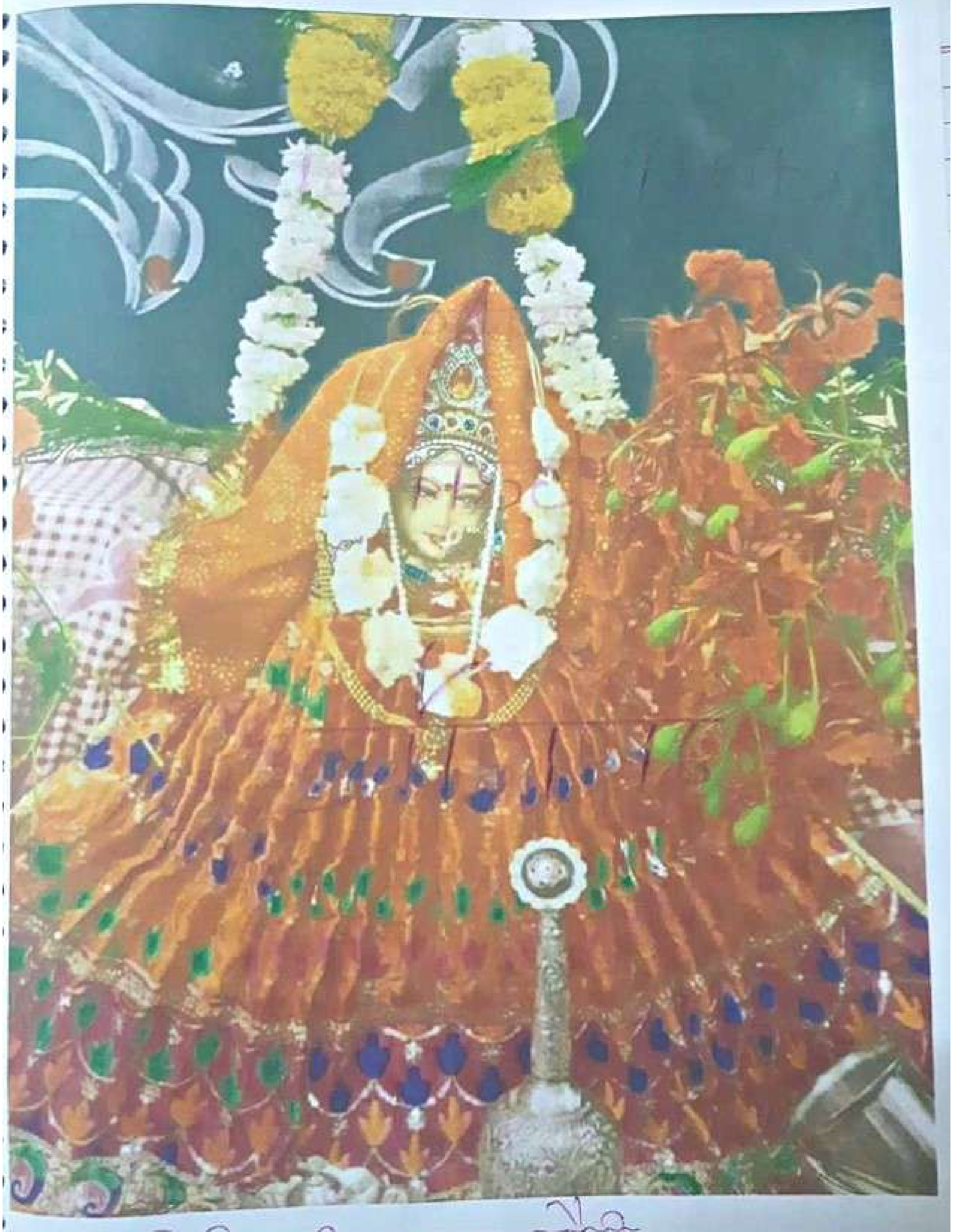

सिद्धिदात्री माता गौरी

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.A.
English Projects

Govt. Girls Post Graduate College

UJJAIN (M.P.)

Session – 2021-22

Department of English

A Project Report on

"Women as a Major Character in Kamala Markandaya's Selected Novels"

A Pandey
23-6-22

Guided By:
Dr. Hemant Gehlot
HOD

Submitted By:
Zenab Saify
M.A. IV Sem.
Eng. Literature

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

CERTIFICATE

This is to certify that ***ZenabSaify*** student of ***M.A. IV SEM,*** English Literature of ***Govt.Girls P.G. College,*** had Undergone the project entitled----

"Women as a major character in Kamala Markandaya's selected novels"

Date of submission :

Place : Ujjain

Name of guide :***Dr. Hemant Gahlot***

Sign.................................8/06/22

Signature Not Verified

Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

(13)

Govt. Girls P.G. College, Ujjain

SESSSION -2021-2022

HISTORY DEVELOPMENT

M.A. (IV SEMESTER)

Project work

On

History of Ujjain

Guided By-
Dr. Ranjana Sharma
HOD History Department
Date - 18/4/22

12/7/22

Submitted By- Payal
Miss. Payal Kumawat
Roll No. 2006575
Mobile No. 9644548648

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

③ 9669495915

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN

SESSION 2021-22

HISTORY DEPARTMENT

M.A. (IV Semester)

Project work

on

Study of Ancient Indian Currencies in the Exhibition Organized by Ashwini Research Institute

Guided by
Dr. Ranjana Sharma
HOD History Department

11/4/22

Submitted by
Kirti Jain
Roll No. : 20065736
Enroll No. : V15R166250087
Mob. No. : 9669495915

Date : 11/4/22

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Govt. Girls P.G. College, Ujjain.

Session - 2021 - 22

History Department

M.A. (IV Semester)

Project work On

19th & 20th Feb 2022 webinar on Triveni Museum Report writing.

Guided by
Dr. Ranjana Sharma
HOD History Department

Bawsar
Submited by
Arpita Bhawsar
Roll.No: 20065728
Enroll.No. : V17R016010122
Mobile No. : 9303724479

Date: 18/04/2022

12/04/2022

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

प्रोजेक्ट कार्य

मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय

स्थान - भोपाल (भारत)

प्रकार - मानव विज्ञान संग्रहालय

संग्रहालय की स्थापना - 1909 ई., भोपाल

Submited by.
Shivani Rathore

Guided by
Dr. Ravindra Bhardwaj.

GOVT. GIRLS. P.G. COLLEGE
UJJAIN M.P. 2021

NAME - SHIVANI RATHORE
M.A IV th sem (HISTORY)
ROLL NO - 19194700
SUBJECT - MADHYA PRADESH TRIBAL MUSEUM BHOPAL
SUBJECT-II - PROJECT-WORK.
Mo. No - 9039184004.

45/50

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

परियोजना कार्य

2020 - 2021

शीर्षक → कुलमोडा उत्खनन से प्राप्त प्रतिमाएँ

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
उज्जैन [म. प्र.]

छात्रा का नाम ⇒ श्रुति जोशी

पिता का नाम ⇒ देवेन्द्र सिंह

कक्षा ⇒ एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर

रोल न. ⇒ 19194701

ऐनरोलमेन्ट न. ⇒ V16R0160100 56

मोबाइल न. ⇒ 6261889077

46/50

मार्गदर्शक
डॉ. रंजना शर्मा . डॉ. प्रीति उन्नीजिया

छात्रा के हस्ताक्षर
Shruti
3-7-2021

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

99264 88016

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN

Session 2021-22

Project

on

The Museum of Art and Archaeology Triveni

Guided by

Dr. Ranjana Sharma

HOD History Department

Submitted by

Swati Sisodia

M.A. (History)

IV Sem. 12/July/2022

Swati Sisodia
11/April/2022

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

HISTORIAN AND HISTORICAL WRITER

(In special reference of travel and tourism)

SESSION- 2018-19

M.A. VI SEMESTER

Project report submitted to

DR. RAVINDRA BHARDWAJ

GOVERNMENT GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN

49/50

SIGNATURE________

GUIDED BY

DR.RAVINDRA BHARDWAJ (SIR)

25/6/19

SIGNATURE________

SUBMITTED BY

MS. DIKSHA SINGH

CLASS- M.A. VI SEM.

ROLL NO-17109065

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

Online Teaching

M.A(History), 4th semester

Session (2018-19)

Project report submitted to:

Dr. Ravindra Bhardwaj

Government Girls P.G College, Ujjain

Guide:

Signature:

Dr. Ravindra Bhardwaj

Head of History Department

Government Girls P.G College, Ujjain

Student:

Signature:

Miss Garima Rawat

Roll No: 17109066

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

(5)

GOVT GIRLS COLLAGE UJJAIN [M.P]

Name - MANISHA JOHAR

Class - M.A IV th Sem (History)

Roll No - 20065746

Project - जैविक खेती तथा इसे बढ़ावा देने के लिए तकनीकी जानकारी

Student   Teacher

M. Johar

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L. Anijwal

GOVT. GIRL'S P. G. COLLEGE, UJJAIN (M.P.)

History Department

Session : 2021-2022

M.A. IV Semester

Project Work

on

Kanha Kishli National Park

12/7/22

Guided By :
Dr. Ranjana Sharma
H.O.D. History Department

Megha
Submitted By :
Megha Panday
Roll No. 20065750
Enrol. No. : V17R016010047
Mob. : 9340125322

Date → 12/07/22

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

M.H.Sc.
Projects

FABRIC SURFACE DECORATION

M.H.S.C. IV SEM

PROJECT REPORT SUBMITTED TO:

GOVT. GIRLS P.G. COLLEGE, UJJAIN

2020 - 21

SIGNATURE (GUIDE)

NAME OF THE GUIDE:
DR. REKHA SHARMA MADAM

SIGNATURE (STUDENT)

NAME OF THE STUDENT :
SAKINA BOMBAYWALA
ROLL NO.: 20303069

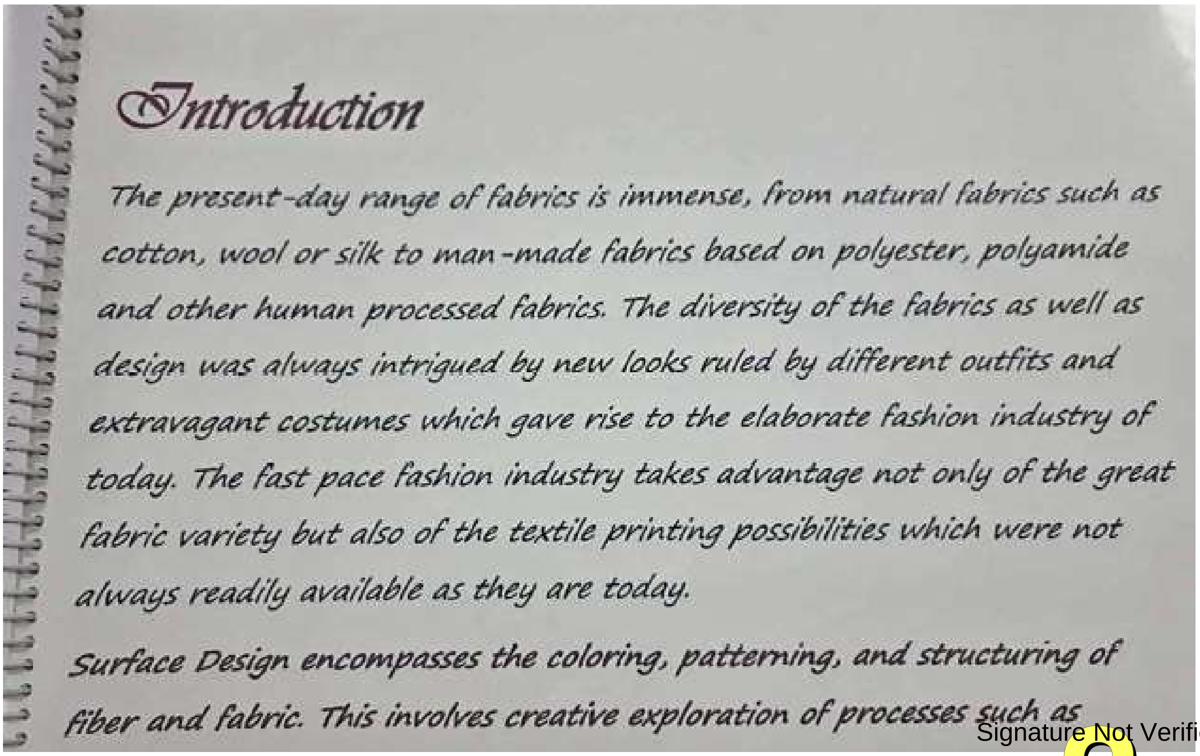

Introduction

The present-day range of fabrics is immense, from natural fabrics such as cotton, wool or silk to man-made fabrics based on polyester, polyamide and other human processed fabrics. The diversity of the fabrics as well as design was always intrigued by new looks ruled by different outfits and extravagant costumes which gave rise to the elaborate fashion industry of today. The fast pace fashion industry takes advantage not only of the great fabric variety but also of the textile printing possibilities which were not always readily available as they are today.

Surface Design encompasses the coloring, patterning, and structuring of fiber and fabric. This involves creative exploration of processes such as

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

M.Com.
Projects

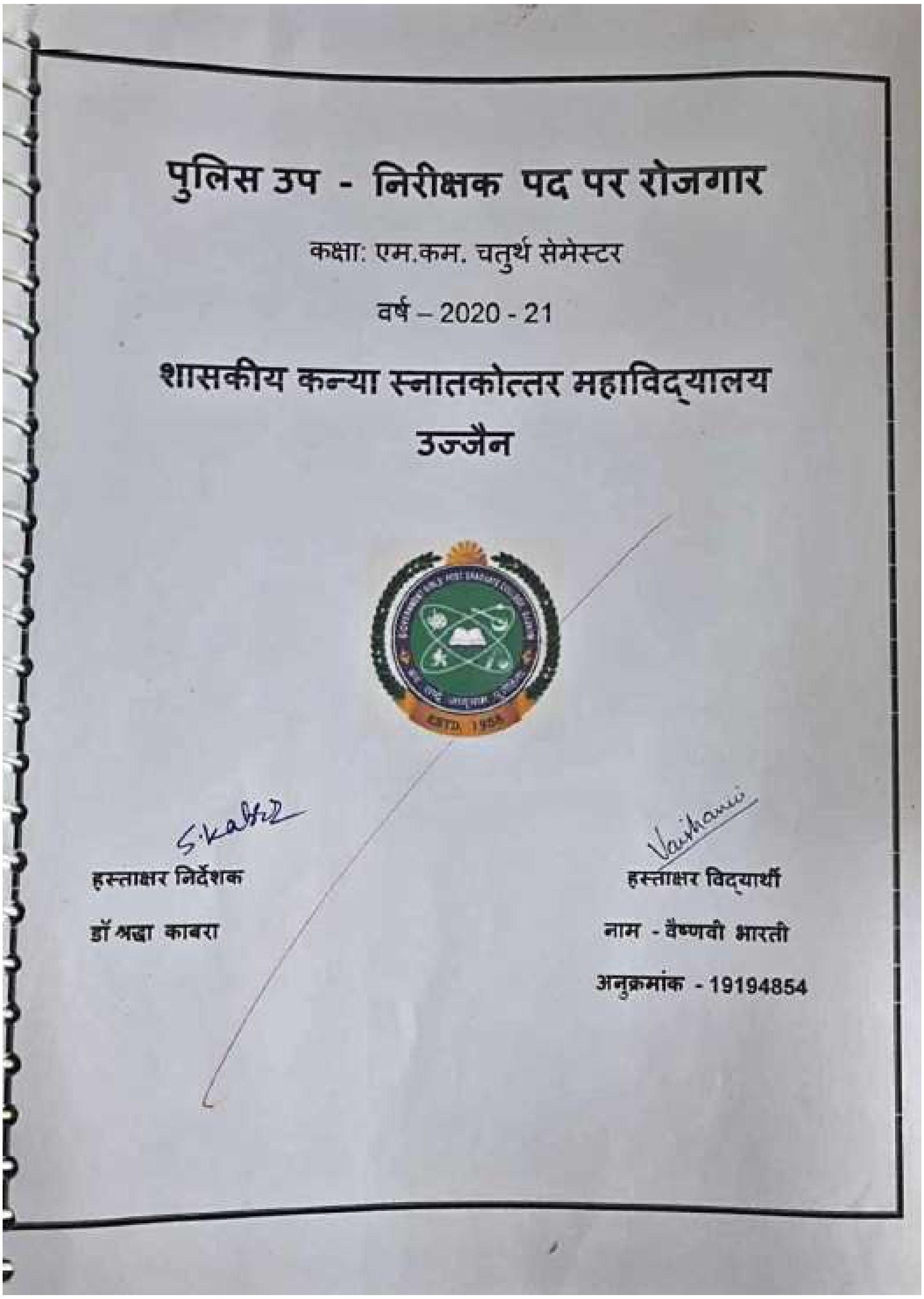

पुलिस उप - निरीक्षक पद पर रोजगार

कक्षा: एम.कम. चतुर्थ सेमेस्टर

वर्ष – 2020 - 21

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

उज्जैन

हस्ताक्षर निर्देशक

डॉ श्रद्धा काबरा

हस्ताक्षर विद्यार्थी

नाम - वैष्णवी भारती

अनुक्रमांक - 19194854

Signature Not Verified
Signed By: PrincipalDr. H.L. Anijwal

विद्यार्थी का घोषणा पत्र

मैं वैष्णवी भारती आत्मा जी श्री बसंत भारती कक्षा एमकॉम चतुर्थ सेमेस्टर घोषित करती हूं कि प्रस्तुत परियोजना कार्य **पुलिस उप - निरीक्षक पद पर रोजगार** में सहायक पद पर रोजगार के अवसर मेरे द्वारा स्वयं पुणे किया गया है एवं मौलिक है उक्त परियोजना कार्य मैंने डॉक्टर **श्रद्धा काबरा** विभाग वाणिज्य सकाय के मार्गदर्शन में पुणे किया है।

Vaishnavi

दिनांक: 3/07/2021

स्थान: उज्जैन

विद्यार्थी के हस्ताक्षर

नाम- वैष्णवी भारती

कक्षा: एमकॉम चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक-19194854

Signature Not Verified
Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर कार्य

एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर

2021-2022

शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय

उज्जैन (म:प्र)

हस्ताक्षर (निर्देशक)

निर्देशक का नाम

डॉ. अजय बख्तरिया

हस्ताक्षर विद्यार्थी

विद्यार्थी का नाम

तारा मालवीय

अनुक्रमांक - 20113108

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal

विद्यार्थी का घोषणा पत्र

मै तारा मालवीय आत्मज राधेश्याम मालवीय

एम. कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर धोषणा करती हूं की प्रस्तुत परियोजना कार्य आंगनवाड़ी कार्यकर्ता के पद पर कार्य मेरे द्वारा स्वयं पूर्ण किया गया है एवं मौलिक है। उक्त परियोजना कार्य मैंने डॉ. अजय बख्तरिया के मार्गदर्शन में पूर्ण किया है।

दिनाक 5/7/2022

स्थान उज्जैन

विद्यार्थी का हस्ताक्षर

नाम - तारा मालवीय

कक्षा – एम .कॉम. चतुर्थ सेमेस्टर

अनुक्रमांक – 20113108

पता– 31 दमदमा कोठी रोड

उज्जैन (म: प्र)

Signature Not Verified

Signed By:
PrincipalDr. H.L.
Anijwal